हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, रविवार 2 मार्च 2025

न नल-न जल... मिशन की कथा अनंता...

कोटा, बैकुंठपुर और राजनांदगांव के दर्जनों गांव में पानी नहीं, टंकी खड़ी हो गई

टंकी बनीं, पानी नहीं, दर्जनों भर गांव बूंद-बूंद को तरसे

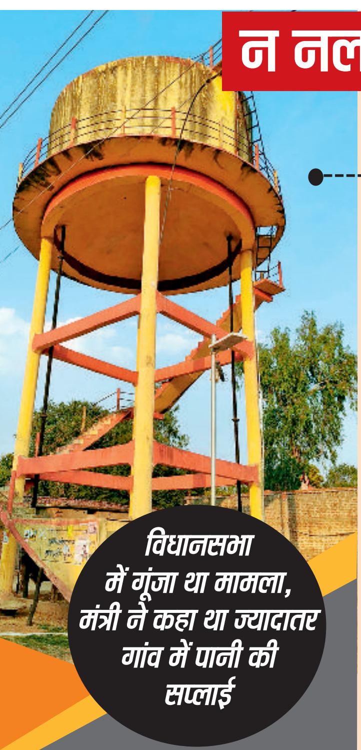

विधानसभा में गूंजा था मामला, मंत्री ने कहा था ज्यादातर गांव में पानी की सप्लाई

जल जीवन मिशन के तहत गांवों में करोड़ों रूपए के काम हो चुके हैं, लेकिन लोगों को एक बूंद पानी नहीं मिल सका है। बिलासपुर और राजनांदगांव जिलों में दर्जनों गांव ऐसे हैं जहां टंकी खड़ी है लेकन पानी नहीं है। कोटा ब्लॉक का यही हाल है। करीब 3 साल पहले यहां जल जीवन मिशन का काम कराया गया है, पानी टंकी बनाई गई और लोगों के घरों तक पाइप लाइन बिछाई गई, लेकिन गांव अब भी पानी के लिए मोहताज हैं। करोड़ों रूपए खर्च करने के बाद भी पीने के पानी के लिए लोग प्राकृतिक संसाधनों पर ही निर्भर हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर/बैकुण्ठपुर/राजनांदगांव

खास खबर

केन्द्र सरकार ने पीने का पानी घर-घर तक पहुंचाने के लिए महत्वककांक्षी योजना की शुरूआत की। बिलासपुर से 20 किमी दूर कोटा क्षेत्र के ग्राम पोंड़ी, कपासिया कला, उमरिया में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माण कार्य कराए गए हैं। इस दौरान 40 से 60 फीट ओवरहेड टैंक बनाया गया है, लेकिन गांवों में पानी की सप्लाई नहीं हो सकी है। गांव में रहने वाले हरिशंकर पांडेय ने बताया कि इसका भुगतान भी ठेकेदार को प्राप्त हो चुका है। एक टंकी में अभी तक बोर का खनन तक नहीं किया गया है। पोंड़ी में आधे घरों तक पानी का पाइप लाइन भी नहीं बिछाई गई है और कागजों में काम पूरा होने का दावा कर दिया गया है। इस बात की शिकायत कलेक्टकर से की गई है, लेकिन अधिकारियों ने मामले की जांच कराना भी उचित नहीं समझा है।

बैकुंठपुर में यही हाल

कोरिया जिले के बैकुंठपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत आनी कोशमपारा में लाखों की लागत से बनी पानी टंकी आज सिर्फ शोपीस बनकर खड़ी है। इस टंकी से अब तक ग्रामवासियों को एक बूंद पानी तक नसीब नहीं हुआ, जिससे गांव के लोगों में आक्रोश है। ग्रामवासियों का कहना है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते यह योजना पूरी तरह विफल हो गई है। टंकी बनकर खड़ी है, लेकिन नल से पानी नहीं टपकता। लोगों को आज भी पुराने ▶▶| शेष पेज 5 पर

राजनांदगांव के सात गांव ऐसे जहां पानी का स्रोत ही नहीं, टंकी खड़ी हो गई

राजनांदगांव जिले में करीब 478 गाँव में जल जीवन मिशन योजना के तहत काम कराया जा रहा है। जल जीवन मिशन योजना को लेकर विधानसभा में यह शिकायत भी सामने आई कि योजना के तहत जिन गांव में कोई जल स्रोत नहीं है, वहां भी टंकी बना दी और पाइपलाइन बिछा दी गई। राजनांदगांव जिले में ऐसे सात इनमें ठेकवा, चिन्दीजोब, अराजकुंड, रानी खड़खड़ी, झीका जैसे गांव शामिल है। सड़क अतरिया- ग्रामीण इलाके में पेयजल आपूर्ति मुहैया कराने के लिए लाखों की लागत से पानी टंकी का निर्माण एवं पाईप लाईन का विस्तार किया जा रहा है। पर जल स्त्रोत में कमी के चलते ग्रामीणों को पेयजल के लिए रोज जद्दोजहद करना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत खैरा नवापारा के आश्रित ग्राम बेलगांव में ग्रामीणों ▶▶| शेष पेज 5 पर

सबसे अधिक जशपुर में 241

653 गांव ऐसे जहां टंकी बनी लेकिन पानी का जुगाड़ नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- 1660 गांव ऐसे भी जहां कार्य पूरे, लेकिन पानी नहीं होने से लाभ नहीं

छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन को भले ही 4 साल का एक्सटेंशन मिल गया है, लेकिन राज्य में जल स्रोत विहीन गांवों की संख्या 653 है। ये गांव ऐसे हैं, जहां टंकियां खड़ी हैं लेकिन पानी का जुगाड़ नहीं हो पा रहा है। जल जीवन मिशन के लिए तय की गई एजेंसियों ने यहां पर पानी का स्रोत मिले बिना ही पानी टंकी बनाने और पाइपलाइन बिछाने का काम किया है। सबसे अधिक जशपुर जिले में सबसे ज्यादा 241 गांव ऐसे हैं, जो जल स्रोत एवं पर्याप्त जल स्रोत विहीन हैं। दूसरे नंबर में बलौदा बाजार-भाटापारा जिला है, जहां 113 ग्राम जल स्रोत विहीन हैं। वहीं गरियाबंद जिले में मात्र एक ग्राम ऐसा है, जो इस श्रेणी में है।

राज्य सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल पहुंचाने की योजना शुरू की। वहां पर जल स्रोत के बिना ही पानी टंकी और पाइप लाइन बिछा दी गई है। एजेंसियों ने ठेके के अनुसार अपना ▶▶| शेष पेज 5 पर

इन जिलों में ऐसी स्थिति

जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल स्रोत विहीन गांवों की संख्या मैदानी क्षेत्रों के जिलों में अधिक है।
प्रदेश के महासमुंद जिले में 101, बालोद में 79, कवर्धा में 75, बेमेतरा में 72, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 72, कांकेर में 71, मोहला-मानपुर-चौकी में 70, बलरामपुर में 65, कोरबा में 54, मुंगेली और सारंगढ़ बिलाईगढ़ में 50, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई और सुकमा में 49, सरगुजा के 39 ग्रामों में ऐसी स्थिति बनी है।
वहीं बस्तर संभाग के बस्तर के 2, दंतेवाड़ा के 5, बीजापुर के 4, नारायणपुर के 5 ▶▶| शेष पेज 5 पर

केक काटने पर कलह, रायपुर महापौर का बेटा गिरफ्तार, विवाद में कांग्रेसी भी कूदे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर में सड़क पर जन्मदिन मनाना राजनीतिक मुद्दा बन गया। जन्मदिन का केक रायपुर की नई महापौर मीनल चौबे के बेटे ने काटा था। कुछ दिन पहले ही युवा कांग्रेसियों को केक काटने पर जेल भेजा गया था। तब हाईकोर्ट ने सड़क पर केक काटने की घटना पर नाराजगी जताई थी। उसके बाद मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने और सख्ती करने के निर्देश प्रशासन को दिए थे। उसके बाद महापौर के बेटे का सड़क पर केक काटते वीडियो वायरल होने के बाद हंगामा मच गया। पुलिस ने रायपुर महापौर के बेटे के खिलाफ एफआईआर की और गिरफ्तार कर लिया।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व यूथ कांग्रेस के नेता विनोद कश्यप उर्फ भक्कू के समर्थकों द्वारा बीच सड़क में बर्थडे सेलिब्रेट किया गया था। केक काटने के साथ जमकर आतिशबाजी की थी। पुलिस ▶▶| शेष पेज 5 पर

एक दिन पूर्व ही मुख्य सचिव ने जारी किया है आदेश

सड़क घेरकर जन्मदिन मनाने, भंडारा आयोजित करने के साथ अन्य किसी भी तरह के इवेंट आयोजित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने दिए थे। कलेक्टर गौरव सिंह ने भी लोगों से ▶▶| शेष पेज 5 पर

मेयर ने मांगी माफी

बेटे के सड़क में जन्मदिन का वीडियो सामने आने के बाद मेयर ने बयान जारी कर बताया है कि उनके बेटे ने गलती तो की है। बेटे को नियमों ▶▶| शेष पेज 5 पर

धमतरी में भी महापौर ने गंगाजल से धुलवाया दफ्तर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

- सफाई दीदियों को सप्ताह में एक दिन छुट्टी देने की घोषणा की

निगम के नवनिर्वाचित महापौर ने शपथ लेने के बाद निगम कार्यालय पहुंचकर रजिस्टर में हस्ताक्षर कर कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व महापौर ने निगम दफ्तर को गंगाजल से धुलवाया। पंडितों से मंत्रोच्चार करवाकर पवित्र करवाया। दफ्तर में

प्रवेश करने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तर्ज पर दफ्तर की चौखट में मत्था टेका। दोनों हाथ जोड़कर अच्छा काम करने ईश्वर से आशीर्वाद मांगा। कुर्सी संभालते ही महापौर ने सबसे पहले स्वच्छता दीदियों को सप्ताह में एक दिन छुट्टी देने की घोषणा ▶▶| शेष पेज 5 पर

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

लाभ के लिए ऋण लेने वाला 'उपभोक्ता' नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर बैंक से ऋण लाभ कमाने के उद्देश्य से लिया गया है तो उसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत 'उपभोक्ता' नहीं कहा जा सकता। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की ▶▶| शेष पेज 5 पर

कोर्ट की ऐसी टिप्पणी

शीर्ष अदालत ने कहा, हम इस तथ्य से परिचित हैं कि प्रतिवादी संख्या एक (कंपनी) को केवल इस तथ्य के आधार पर उपभोक्ता की परिभाषा से बाहर नहीं रखा जा सकता कि वह एक वाणिज्यिक इकाई/उद्यम है। पीठ ने कहा, लेकिन इस निष्कर्ष पर पहुंचने में हमारे लिए यह तथ्य ▶▶| शेष पेज 5 पर

PATANJALI® wellness
Yoga, Ayurveda & Naturopathy

योग ग्राम व निरामयम्

एलोपैथिक डॉक्टर्स के लिए होली तक उपचार का विशेष उपहार

MD, MBBS, सर्जन, डेंटिस्ट, डर्माटोलॉजिस्ट, ENT, ओफ्थाल्मोलॉजिस्ट, आर्थोपेडिक, गाइनीकॉलोजिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट ऐसे एलोपैथी डॉक्टर्स के लिए पतंजलि वेलनेस, निरामयम् व योगग्राम में स्पेशल डिस्काउन्ट।

सेवारत डॉक्टरों के लिए 50% की छूट | सेवानिवृत्त डॉक्टरों के लिए 100% मुफ़्त

जिनसे मानवता का हित, उनके लिए हम समर्पित

रोगों से पीड़ित, मानवता की सेवा में लगे डॉक्टर्स को सनातन संस्कृति में हम भगवान स्वरूप मानते हैं परन्तु हृदय को पीड़ा देने वाली वेदना यह है कि रोगियों की सेवा करते–करते डॉक्टर्स भी रोगी हो जाते हैं। अति व्यस्तताओं के चलते हेल्दी लाइफस्टाइल, योग, हेल्दी फूड हैबिट्स को फॉलो ना कर पाने के कारण से वे बीपी, थायरॉइड, शुगर, अस्थमा, लीवर, किडनी, हार्ट प्रॉब्लम्स, सर्वाइकल पेन और ओबेसिटी जैसे रोग चक्र में घिर जाते हैं।

हम अत्यन्त स्नेह, सम्मान व करुणा पूर्वक सभी डॉक्टर्स को पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम् में आमंत्रित करते हैं

इस आश्वासन के साथ कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ, इनकी सभी लाइफस्टाईल और इंक्यूरेबल डिज़ीज़ेज को मैनेज करें और रिवर्स व डीरूट करें एवं पंचकर्म, षट्कर्म के द्वारा वे शुद्धिकरण करें। जो समर्थ हैं उनको भी 50% डिस्काउन्ट करके, एक–एक व्यक्ति को प्रतिदिन 10 थेरेपियां देते हैं जो कि 5 से 10 हजार रुपए (वैल्यू) की होती हैं। प्रतिदिन शिरोधारा, अभ्यंग, बाह्य एवं आंतरिक बस्ती, हाइड्रोथेरेपी, कोलोन थेरेपी, श्रृंगी, वात मोक्षण, रक्त मोक्षण, एक्यूपंक्चर, एक्यूप्रेशर, ओजोन थेरेपी, यज्ञ थेरेपी एवं ऐसी अनेक रोगानुसार थेरेपीज द्वारा डिटॉक्स करें और ऋषियों की योग, आयुर्वेद की विरासत को एक्सपीरियंस करें।

विशेष– जो गवर्नमेंट या प्राइवेट जॉब के बाद रिटायर्ड डॉक्टर हैं एवं जिनके पास आर्थिक संसाधन नहीं है उनके लिए योग, आयुर्वेद, पंचकर्म, षट्कर्म का 100% फ्री ट्रीटमेन्ट उपलब्ध करवा कर के हम उनकी सेवा का सौभाग्य पाना चाहते हैं।

नोट– टाईप 1 डायबिटीज़, लीवर, किडनी फेलियर, कैंसर, ऑटो इम्यून डिज़ीज के पेशेन्ट के लिए 25% off (डिस्काउन्ट) केवल मार्च महीने में उपलब्ध रहेगा।

पतंजलि वेलनेस में साप्ताहिक उपचार व रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें

8954666111, 8954666222, 8954666333 (कॉल करने का समय प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक)

या विज़िट करें: www.patanjaliwellness.com | booking@patanjaliwellness.com

यदि आप ऑनलाइन पेमेंट करना नहीं जानते हैं, तो यहाँ सीधे आकर डायरेक्ट रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

55 मजदूरों में 4 की मौत, 6 हेलीकॉप्टर से चलाया जा रहा बचाव अभियान

तीन कंटेनर नहीं हो पा रहे ट्रेस, पांच की तलाश

चमोली हिमस्खलन में फंसे 50 का रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज : चमोली। शुक्रवार को भारत-चीन सीमा पर स्थित उत्तराखंड के चमोली के माणा के पास भीषण हिमस्खलन में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन सुबह से जारी है। उत्तराखंड के चमोली में हुए हिमस्खलन में मांड़ा गांव में 55 मजदूर फंस गए थे। अब तक 50 मजदूरों का रेस्क्यू कर लिया गया है। हालांकि, रेस्क्यू किए गए 50 में से चार मजूदरों की मौत हो गई। वहीं, फंसे हुए 5 मजदूरों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है।

जोशीमठ के आर्मी हेलीपैड से चलाया जा रहा है रेस्क्यू अभियान

भारतीय सेना के हेलीकॉप्टर जोशीमठ के आर्मी हेलीपैड से रेस्क्यू अभियान में जुटे हैं। मजदूरों को बचाने के लिए आइबेक्स ब्रिगेड की बचाव टीम के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। रेस्क्यू अभियान में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक 50 लोगों को बचाया जा चुका है। दुर्भाग्य से चार घायल व्यक्तियों की मृत्यु की पुष्टि हुई है। घायलों को निकालने के लिए प्राथमिकता दी जा रही है। सेना द्वारा लापता शेष पांच लोगों को बचाने के लिए खोज अभियान जारी है।

मणिपुर में 8 मार्च से सभी जगह होगी स्वतंत्र आवाजाही

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शाह ने दिल्ली में अफसरों को दिए निर्देश

मणिपुर में शांति स्थापित करने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सख्त एक्शन प्लान बनाया है। शनिवार को नई दिल्ली में हुई उच्च स्तरीय बैठक में उन्होंने अफसरों को 8 मार्च से मणिपुर के सभी हाइवे में आवागमन बहाल करने के निर्देश दिए। शाह ने कहा, हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाएगा। मणिपुर से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आवाजाही के लिए चिन्हित प्रवेश मार्गों के दोनों तरफ बाड़ लगाने का काम जल्द पूरा करें। साथ ही मणिपुर को नशामुक्त बनाने के लिए अभियान चलाएं।

नशे कारोबारियों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद यह पहली समीक्षा बैठक है।

मणिपुर में ऐसे भड़की हिंसा

मैतेई समुदाय ने मई 2023 में अनुसूचित जनजाति का (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च किया था। इस मार्च से शुरू हुई हिंसा अब तक बरकरार है। इस जातीय में अब तक 250 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

बेसमेंट की आग बुझा देने के बाद दोबारा कैसे लगी?

सूरत कपड़ा मार्केट आगजनी पर उठ रहे कई सवाल

800 राजस्थानी कारोबारी बर्बाद, 9 अरब रुपए के नुकसान का अनुमान

एजेंसी ⏭ सूरत

गुजरात में सूरत के रिंग रोड स्थित शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में लगी भीषण आग बुझ तो गई है, लेकिन इस पर कई सवाल उठ रहे हैं। बेसमेंट में लगी आग बुझा देने के बाद दोबारा आग कैसे लगी, इस पर संदेह हो रहा है। आग कैसे लगी इसका कारण नहीं पता चल सका है। अब सरकार से लेकर मेयर तक इसकी जांच कराने की बात कर रहे हैं।

मार्केट में पर्याप्त रास्ता न होने के बावजूद इसे अनापत्ति प्रमाण पत्र दे दिया गया था। इस सवाल के जवाब में मेयर दक्षेश मेवाणी ने कहा- आग लगने की टाइमिंग संदेह पैदा होता है। मंगलवार को बेसमेंट की आग बुझा दी थी। अगर दोबारा आग लगती तो बेसमेंट में लगती। यह तीसरी-चौथी मंजिल पर लगी। पूरी रात आग की कोई घटना नहीं हुई। आखिरकार सुबह जब व्यापारी आए तब आग की सूचना दी गई। सूचना भी बड़ी आग की दी गई थी। इससे शक पैदा होता कि किसी ने कुछ दुकानों का इंश्योरेंस लेने के लिए आग लगाई हो। जिससे पूरा मार्केट जल गया। राज्य अग्निशमन निदेशक अनिल चावड़ा गुरुवार को गांधीनगर से शिवशक्ति मार्केट पहुंचे। उन्होंने कहा कि सभी तरह की जानकारी जुटाकर रिपोर्ट तैयार करेंगे। एफएसएल जांच करेगी।

700 दुकानें हो चुकी हैं खाक

आग से इमारत की 700 दुकानें खाक हो चुकी हैं, लेकिन आग अब भी नहीं बुझी है। इसी आग में एक दुकान में रखे 20 करोड़ रुपए राख हो गए। कारोबारी ने गुहार लगाई कि दुकान में 20 करोड़ रुपए रखे हैं। यह नकदी अलग-अलग पार्टियों की है। जल गई तो बर्बाद हो जाऊंगा। लेकिन दुकान लपटों से घिरी होने से उसे अंदर नहीं जाने दिया गया। हालांकि एक अन्य कारोबारी 45 लाख रुपए निकालने में सफल रहा।

एफएलएस करेगी जांच

मशहूर शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में 25 फरवरी को लगी थी भीषण आग

9 अरब से रुपए से अधिक का नुकसान

गुजरात के सूरत में शिव शक्ति टेक्सटाइल मार्केट में 25 फरवरी को लगी भीषण आग ने सैकड़ों व्यापारियों की वर्षों की मेहनत को राख में बदल दिया। इस अग्निकांड में करीब 9 अरब रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। आग इतनी भीषण थी कि 30 दमकल गाड़ियों और सैकड़ों कर्मचारियों को लगभग 30 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद इस पर काबू पाया जा सका।

राजस्थान के व्यापारियों को भारी नुकसान

सूरत के इस कपड़ा बाजार में राजस्थान के करीब 800 व्यापारी कारोबार करते हैं। इस आग में उनकी दुकानों में रखा करोड़ों रुपये का कैश, लाखों मीटर कपड़ा स्टॉक, लैपटॉप, कंप्यूटर और जरूरी कागजात जलकर खाक हो गए। दम घुटने से एक व्यापारी की मौत भी हो गई। व्यापारियों का कहना है कि 32 साल की मेहनत से करोड़पति बने थे, एक ही रात में सड़क पर आ गए।

शिक्षा मंत्री को बंधक बनाया, महिला प्रोफेसर की साड़ी फाड़ी

एजेंसी ⏭ जादवपुर

बंगाल के जादवपुर यूनिवर्सिटी में वामपंथी छात्रों का बवाल

पश्चिम बंगाल की जादवपुर यूनिवर्सिटी में शनिवार को जमकर बवाल हुआ है। वामपंथी छात्रों ने यूनिवर्सिटी में पहुंचे बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु के सामने पहले हंगामा किया, फिर उन्हें बंधक बना लिया। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थक छात्र भड़के तो मामला हिंसक हो गया। वामपंथी छात्रों ने अपने कब्जे से निकल रहे शिक्षा मंत्री और अन्य गाड़ियों पर पथराव कर दिया। इस पथराव में शिक्षा मंत्री घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा है। वामपंथी छात्रों पर टीएमसी समर्थक महिला प्रोफेसर के साथ भी मारपीट करने और उनकी साड़ी फाड़ने का आरोप भी लगा है। इस हिंसा में एक छात्र का सिर फूटने से उसके भी घायल होने की खबर है। मौके पर भारी पुलिस बल पहुंच गया है और हालात को काबू में करने की कोशिश कर रहा है।

ऐसे हुआ विवाद

जादवपुर यूनिवर्सिटी को भी वामपंथ के प्रभाव के कारण पश्चिम बंगाल का जेएनयू कहा जाता है। शिक्षा मंत्री जब वेबकूपा की बैठक में भाषण दे रहे थे। इसी दौरान वहां वामपंथी छात्र पहुंच गए और छात्रसंघ चुनाव कराए जाने की मांग शुरू कर दी। इस पर वहां माहौल भड़क गया। वामपंथी छात्रों ने कार्यक्रम स्थल पर तोड़फोड़ शुरू कर दी, जिसमें कई प्रोफेसरों को कुर्सियों से धक्का दिया गया और कारों के टायरों की हवा निकाल दी गई। छात्रों ने 'चोर-चोर' और 'वापस जाओ' के नारे लगाए।

avinash TWIN CITY
KUMHARI TOLL PLAZA

33 Unique Garden | Temple | Party Hall | Gymnasium | Swimming Pool | Badminton Court | Club Twin City | Pool Table | Party Lawn | Jogging Track | Kids Play Area

avinash a relation for life | 90982-22444 www.avinashgroup.com | 28+ Years of Experience 59+ Real Estate Projects 15000+ Happy Customers | Follow us on

बिलासपुर, रविवार 2 मार्च 2025 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष तृतीया | वर्ष : 24, अंक : 338 | पृष्ठ : 10+8 = 18 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

टॉयलेट...एक संघर्ष कथा-3

रायपुर ही नहीं बिरगांव निगम क्षेत्र में भी छात्र-छात्राओं को स्कूलों में नहीं मिल रही सुविधा

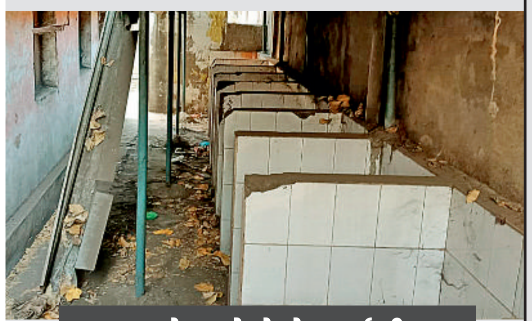

पालकों व लोगों ने बताई पीड़ा

सरोरा निवासी यशवंत निर्मलकर ने बताया कि नवीन प्राथमिक शाला मजदूर नगर में श्रमिकों के बेटे-बेटियों की शिक्षा होती है। वहां उनके लिए न तो पेयजल की सुविधा मिल रही और न स्कूल कैंपस में यूरिनल और टॉयलेट उपयोग के लायक बचा है। रखरखाव के अभाव में दुर्दशा की स्थिति में हैं। इस वजह से आसपास रहने वाले स्कूली बच्चे टॉयलेट के लिए छुट्टी लेकर घर जाते हैं। इस समस्या का सामना पढ़ाने वाले स्टॉफ को आसपास परिचितों के टॉयलेट का उपयोग करने की स्थिति बनती है।

रायपुर जिले का हाल...स्कूल में टॉयलेट जाना पड़े तो सुलभ में देने पड़ते हैं 5 रु.

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि खास

बिरगांव निगम क्षेत्र के कई स्कूलों में हाईटेक सुविधा तो दूर, बुनियादी सुविधा के लिए भी छात्र-छात्राएं मोहताज हैं। उनके लिए बनवाए गए यूरिनल व टॉयलेट की दुर्दशा हो चुकी है। इससे टॉयलेट जाने के लिए अछोली स्कूल के विद्यार्थियों को सुलभ में पैसा भी देना पड़ रहा है। रायपुर से महज ⏭ शेष पेज 5 पर

मामले को संज्ञान में लिया जाएगा

जिन-जिन स्कूलों की समस्या बता रहे हैं, वहां की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने के बाद मामले को संज्ञान में लिया जाएगा। ऐसी अव्यवस्था का स्थाई समाधान करने के लिए प्लानिंग की जाएगी।

- **विजय खंडेलवाल,** जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर

देना पड़ता है टॉयलेट का पैसा

बाजार चौक स्थित शासकीय प्राथमिक शाला अछोली में बनवाए गए टॉयलेट की दुर्दशा पर स्थानीय रहवासी भागीरथी यादव ने बताया कि स्कूल का टॉयलेट खराब होने से पढ़ने वाले श्रमिकों के बच्चों को जरूरत पड़ने पर स्कूल के बाहर बनवाए गए सुलभ शौचालय में टॉयलेट का पैसा देना पड़ता है। इसके अलावा पेयजल के लिए भी प्रापर इंतजाम नहीं है। इसके लिए कई बार स्कूल के जिम्मेदारों से व्यवस्था बनाने के लिए आग्रह किया गया, लेकिन वे इसमें सुधार करवाने में भी रुचि नहीं ले रहे हैं।

हम देखने गए 'टायलेट', वहां स्कूल ही बंद, बन गया डेयरी फार्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ पत्थलगांव

जिस परिसर में कभी बच्चों की आवाज सुनाई देती थी, उस स्कूल कैम्पस में अब मवेशियों का डेरा दिखाई पड़ता है। स्कूल कैसे डेयरी में बदल गया यह अधिकारी भी नहीं समझ पा रहे हैं। पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम कुकरगांव के शासकीय प्राथमिक शाला मोहनीपुरी में नौनिहालों की जगह अब मवेशियों का राज हो गया है। यहां पढ़ाई-लिखाई तो दूर, अब केवल चारा चबाने और दूध दुहने का काम होता है। करीब आठ साल पहले इस स्कूल को नजदीकी स्कूल में मर्ज कर दिया गया था, लेकिन इसे सील करने के बजाय खुला छोड़ दिया गया। धीरे-धीरे एक ग्रामीण परिवार ⏭ शेष पेज 5 पर

- शासकीय प्राथमिक शाला मोहनीपुरी में मवेशियों का राज

बड़ा सवाल, निजी जमीन पर सरकारी स्कूल कैसे

अपुष्ट सूत्र कहते हैं कि यहां पहले स्कूल संचालित हो रहा था लेकिन यह जमीन निजी है। अब निजी व्यक्ति के कब्जे में है। सवाल यह उठ रहा है कि जब जमीन निजी है, तब तक सरकारी खर्च पर स्कूल कैसे बनाया गया था। बहरहाल जांच में सारी बातें सामने आएंगी।

जांच टीम गठित

पत्थलगांव बीईओ बिनोद पैंकरा ने कहा कि कुकरगाव मामले में जांच के लिए टीम गठित की गई है, जिसमे 3 सीएससी और प्राचार्य हैं जो अपनी जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

चांद दिखा, रमजान का पहला रोजा आज

नई दिल्ली। रमजान का चांद शनिवार को नजर आ गया। इसके साथ ही रमजान का महीना शुरू हो गया। रविवार को पहला रोजा होगा। शनिवार से ही लोगों ने रोजा इफ्तारी व सहरी का इंतजाम करने के लिए लोगों ने तैयारियां शुरू कर दी। यह महीना मुसलमानों के लिए बेहद खास माना जाता है, पूरे महीने मुसलमान रोजा रखते हैं।

दो हजार के 98.18 प्रतिशत नोट वापस

मुंबई। आरबीआई ने कहा कि 2000 रुपए के 98.18 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। अब सिर्फ 6,471 करोड़ रुपए मूल्य के नोट जनता के पास हैं। रिजर्व बैंक ने 19 मई, 2023 को नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। 19 मई, 2023 को मौजूद 2000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था।

फरवरी में जीएसटी संग्रह 1.84 लाख करोड़

नई दिल्ली। सकल जीएसटी संग्रह फरवरी में 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान सकल जीएसटी संग्रह के तहत घरेलू राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़कर 1.42 लाख करोड़ रुपए रहा। आयात राजस्व 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपए हो गया।

आठ करोड़ के ड्रग्स के साथ यात्री गिरफ्तार

अमृतसर। अमृतसर हवाईअड्डे पर एक यात्री को करीब आठ करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यात्री मनदीप सिंह 26 फरवरी को मलेशिया से एक उड़ान के माध्यम से आया था और जब उसके सामान की जांच की गई। अधिकारियों को 8.17 किलोग्राम मादक पदार्थ मिला।

नड्डा ने माता वैष्णो देवी मंदिर में की पूजा-अर्चना

कटरा/जम्मू। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के साथ उनकी पत्नी मल्लिका नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं जम्मू-कश्मीर के प्रभारी तरुण चुघ और भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष सत शर्मा भी थे।

लंदन पहुंचे जेलेंस्की, रुख में नरमी, पर कहा- नहीं मांगूंगा माफी

डोनाल्ड ट्रंप और जेलेंस्की के झगड़े पर बंटी दुनिया!

- दुनियाभर के नेताओं ने इस बातचीत पर कड़ी प्रतिक्रिया दी
- कई देशों ने यूक्रेन के प्रति समर्थन और एकजुटता व्यक्त की

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन/मास्को/कीव

दुनिया के दो देश रूस और हंगरी ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन में नजर आ रहे हैं। यूक्रेन को कई देशों का समर्थन मिला है। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के सुर कुछ बदले हुए नजर आ रहे हैं। व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से गरमागरम बहस के एक दिन बाद जब वे लंदन में पहुंचे तो उनका रुख काफी नरम दिखाई दिया। उन्होंने ना केवल अमेरिका की तरफ से दी जा रही सैन्य मदद की सराहना की, बल्कि डोनाल्ड ट्रंप का भी आभार जताया। हालांकि उन्होंने माफी मांगने से इंकार कर दिया। यूक्रेनी नेता ने जोर देकर कहा, हम सभी समर्थन के लिए अमेरिका के बहुत आभारी हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप, कांग्रेस और अमेरिकी लोगों के द्विदलीय समर्थन के लिए उनका आभारी हूं। यूक्रेनियों ने हमेशा इस समर्थन की सराहना की है, खासकर इन तीन सालों के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के दौरान। अमेरिका की मदद हमें जिंदा रहने में मदद करने में खास रही है। मैं इसे स्वीकार करना चाहता हूं। मुश्किल बातचीत के बावजूद हम रणनीतिक साझेदार बने हुए हैं। लेकिन हमें अपने साझा लक्ष्यों को सही मायने में समझने के लिए एक-दूसरे के साथ ईमानदार और सीधे होने की जरूरत। ⏭ शेष पेज 5 पर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच ओवल ऑफिस में हुई तीखी नोक-झोंक को पूरी दुनिया ने देखा। ट्रंप ने जेलेंस्की के प्रति तीखा रुख दिखाते हुए उनपर लाखों लोगों का जीवन खतरे में डालने का आरोप लगाया। इसके जवाब में जेलेंस्की अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण खनिज समझौते पर हस्ताक्षर किए बिना वहां से रवाना हो गए। इधर, डोनाल्ड ट्रंप और जेलेंस्की के झगड़े पर दुनिया दो हिस्सों में बंट गई है।

ट्रंप और जेलेंस्की के बीच ओवल ऑफिस में तनावपूर्ण बातचीत हुई

किसके साथ कौन?

ट्रंप	जेलेंस्की
रूस	नेब्रास्का
हंगरी	फ्रांस
	स्पेन
	नॉर्वे
	लिथुआनिया
	जर्मनी
	नीदरलैंड्स
	कनाडा
	ऑस्ट्रेलिया
	ब्रिटेन

फाइल फोटो

सुरक्षा गारंटी के बिना शांति नहीं : जेलेंस्की

वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा, मैं रूस को लेकर यूक्रेन की रणनीति में बदलाव नहीं कर सकता। रूस हमारे दुश्मन हैं, वो हमें मार रहे हैं और यही वास्तविकता है जिसका हम सामना कर रहे हैं। यूक्रेन शांति चाहता है, लेकिन यह न्यायसंगत और स्थायी शांति होनी चाहिए।

रूस बोला- ट्रंप ने जेलेंस्की को थप्पड़ मारने से खुद को कैसे रोक लिया

रूस ने इस बात को लेकर आश्चर्य जताया है कि तीखी बहस के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को थप्पड़ मारने से खुद को कैसे रोक लिया। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोव ने लिखा कि व्हाइट हाउस में जेलेंस्की का बड़ा झूठ यह दावा था कि 2022 में यूक्रेन अकेला पड़ गया था।

किसने क्या कहा

रूस आक्रमणकारी है और यूक्रेनियन पीड़ित लोग हैं। हमेंङ्क उन लोगों का सम्मान करना चाहिए जो शुरुआत से लड़ रहे हैं।
- **इमैनुएल मैक्रों,** राष्ट्रपति, फ्रांस

यूक्रेन, स्पेन आपके साथ है।
- **पेड्रो सांचेज,** प्रधानमंत्री, स्पेन

यूक्रेन अकेला नहीं है। प्रिय जेलेंस्की, प्रिय यूक्रेनी मित्रों, आप अकेले नहीं हैं।
- **डोनाल्ड टस्क,** प्रधानमंत्री, पोलैंड के

हम न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के लिए उनके संघर्ष में यूक्रेन के साथ खड़े हैं।
- **जोनास गहर स्टोरे,** प्रधानमंत्री, नॉर्वे

स्वीडन यूक्रेन के साथ खड़ा है। आप केवल अपनी स्वतंत्रता के लिए नहीं बल्कि पूरे यूरोप के लिए लड़ रहे हैं, स्लावा यूक्रेनी!
- **उल्फ क्रिस्टरसन,** प्रधानमंत्री, स्वीडन

नीदरलैंड्स यूक्रेन का पहले से भी अधिक दृढ़ता से समर्थन करता है। अब पहले से भी ज्यादा।
- **डिक शूफ,** प्रधानमंत्री, नीदरलैंड्स

गुण्डराजगुड़ेम मुठभेड़ में मार गिराए महिला समेत दो नक्सली

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

सुकमा जिले के किस्टारम थाना क्षेत्र के गुण्डराजगुड़ेम के जंगल में शनिवार सुबह नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में डीआरजी के जवानों ने महिला नक्सली समेत 2 को मार गिराया। मुठभेड़ स्थल से शवों के अलावा हथियार व अन्य नक्सल सामग्री बरामद किया गया है। मारे गए नक्सलियों के शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। मुठभेड़ स्थल व आस-पास के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा सघन सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है।

- डीआरजी व कोबरा के जवानों ने शवों के साथ हथियार व नक्सल सामग्री किया बरामद

आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि 28 फरवरी को जिला सुकमा के किस्टाराम थाना क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सुकमा डीआरजी व कोबरा बटालियन की संयुक्त पार्टी नक्सल विरोधी ⏭ शेष पेज 5 पर

कई नक्सलियों के मारे जाने व घायल होने की खबर

सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि मुठभेड़ स्थल पर खून के धब्बे एवं घसीटने के निशान से कई और माओवादियों के मारे जाने एवं घायल होने की संभावना को देखते हुए आस पास के क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। विस्तृत जानकारी सर्च अभियान पूर्ण होने पर जारी की जायेगी। एसपी ने कहा कि प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादियों संगठन के पास अब हिंसा छोड़कर ⏭ शेष पेज 5 पर

60 दिन में 67 हार्डकोर माओवादी ढेर

आईजी ने बताया कि वर्ष 2024 में नक्सल विरोधी अभियान में प्राप्त बढ़त को आगे बरकरार रखते हुए वर्ष 2025 में भी बस्तर संभाग अंतर्गत सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी रूप से प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के विरुद्ध नक्सल विरोधी अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत विगत 60 दिनों में बस्तर रेंज में कुल 67 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार के मंशा के ⏭ शेष पेज 5 पर

साय ने दिया उद्योगपतियों को न्योता उद्योगों को बढ़ावा देने में रैंप योजना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को नवा रायपुर में आयोजित इंडस्ट्री डायलॉग कार्यक्रम में कहा, आप छत्तीसगढ़ आइए, निवेश करिए और विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहभागी बनें। विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ को समर्पित हमारी नई उद्योग नीति लागू होने से अब तक राज्य सरकार को 1 लाख 23 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। राज्य सरकार न्यूनतम प्रशासन-अधिकतम प्रोत्साहन, उद्यमियों को निवेश अनुकूल माहौल और हर संभव सहयोग दिए जाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम को बढ़ावा देने वाली भारत सरकार की ⏭ शेष पेज 5 पर

- मुख्यमंत्री का उद्योगपतियों को आमंत्रण

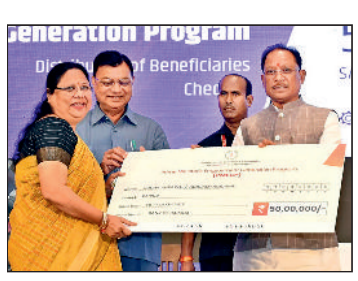

प्रदेश में 7 नए औद्योगिक केंद्र स्थापित कर रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प रखा है। उनके संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकसित करने छत्तीसगढ़ विजन 2047 तैयार कर इस दिशा में लगातार काम कर रहे है। ईज आफ डूइंग बिजनेस के तहत अनुमति, अनुमोदन और नवीनीकरण की प्रक्रिया ⏭ शेष पेज 5 पर

कांग्रेस ने प्रदेश के सभी जिलों में ईडी और भाजपा सरकार का पुतला फूंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का पुतला दहन किया। इस दौरान सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्रित हुए और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि केंद्र सरकार ईडी और अन्य सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और विपक्ष को दबाने की कोशिश कर रही है।

- कल राजधानी के सुभाष स्टेडियम स्थित ईडी कार्यालय का घेराव

कांग्रेसियों ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार शासन करने में विफल रही है और अब वह सरकारी एजेंसियों का राजनीतिक हथियार ⏭ शेष पेज 5 पर

कोरबा में लगेंगे 660 मेगावाट के दो प्लांट

जशपुर में पानी से बनेगी 35 सौ मेगावाट बिजली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

प्रदेश में लगातार बिजली की खपत में इजाफा हो रहा है। खपत 65 सौ मेगावाट के पार जाने की संभावना है। लेकिन उत्पादन की क्षमता 2960 मेगावाट है, लेकिन हमेशा 22 से 25 सौ मेगावाट ही उत्पादन होता है। बिजली की पूर्ति करने के लिए सेंट्रल सेक्टर या फिर निजी उत्पादकों से बिजली खरीदनी पड़ती है। अब छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी कोरबा में 660 मेगावाट के दो नए संयंत्र लगाने ⏭ शेष पेज 5 पर

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी जुटी उत्पादन बढ़ाने की कवायद में

पानी से पैदा होगी 7700 मेगावाट बिजली

पानी से बिजली बनाने के लिए पांच स्थानों का चयन किया गया है। इसमें हसदेव बांगो कोरबा और सिकासेर बांध गरियाबंद में 12-12 सौ मेगावाट का प्लांट लगेगा। जशपुर के डांगरी में 14 सौ मेगावाट और रौनी में 21 सौ मेगावाट का प्लांट लगाया जाएगा। इसके लिए तैयारी हो गई है। पहले चरण में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर में 35 सौ मेगावाट बिजली का उत्पादन पानी से किया जाएगा। इसी के साथ बलरामपुर के कोटपल्ली में 18 सौ मेगावाट का प्लांट लगेगा। इन स्थानों पर पंप हाइड्रो योजना के तहत 7700 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

लगातार बढ़ रही खपत

जिस तरह से तेजी से प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा हो रहा है, उससे आने वाले समय में बिजली की बहुत ज्यादा जरूरत होगी। आज उपभोक्ताओं की संख्या करीब 65 लाख हो गई है। पहले बिजली की खपत रोज तीन हजार मेगावाट से भी कम रहती थी, आज खपत छह हजार से ज्यादा हो रही है। इस साल फरवरी में ही खपत छह हजार मेगावाट तक चली गई है। इस साल गर्मी में खपत के 65 सौ मेगावाट के पार जाने की संभावना है। ऐसे में प्रदेश सरकार ने करीब दो दशक की खपत को देखते हुए ही पॉवर कंपनी तो योजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

हाल में केंद्र सरकार की तरफ से जीवनशैली संबंधी स्वास्थ्य को लेकर दो अहम घोषणाएं हुई हैं। पहली, केंद्र सरकार देश में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में बीपी (उच्च व निम्न रक्तचाप), शुगर (डायबिटीज या मधुमेह) और कैंसर की राष्ट्रीय स्तर पर जांच कराने जा रही है। दूसरी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापा के खिलाफ देश में जागरूकता लाने का आह्वान किया है। इसके लिए सरकार की ओर से दस हस्तियों को अंबेस्डर बनाया गया है, जो देशवासियों में मोटापा से बचने के लिए जागरूकता फैलाएंगे। देश में करीब 40 करोड़ लोग जीवनशैली संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सालाना करीब 60 लाख लोगों की जीवनशैली संबंधित रोगों के चलते मौत हो जाती है। इसके अलावा भी कई एक्यूट रोग हैं, जिनके चलते लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। कारोना महामारी के समय देश के सरकारी स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर की पोल खुली, उसके बाद से सरकार ने लगातार हेल्थ संबंधी बुनियादी ढांचे को दुरुस्त करने की कोशिश की है, लेकिन भारत जैसे बड़ी आबादी व जरूरती देश के लिए सरकार की कोशिश ऊंट के मुंह में जीरा साबित होती है। स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता के आधार पर लेने की जरूरत है, इसमें बड़े निवेश की आवश्यकता है। इसी के साथ योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा जैसे प्रिवेंटिव हेल्थ सिस्टम को सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रम से जोड़ने की आवश्यकता है। जीनशैली संबंधी रोगों की स्थिति का आंकलन करता आजकल का यह अंक..

जीवनशैली से संबंधित रोग बड़ी चुनौती

सेहत
डा ए.के. अरुण
जनस्वास्थ्य वैज्ञानिक व होम्योपैथिक चिकित्सक

जीवनशैली से संबंधित रोग आज भारत ही नहीं पूरी दुनिया में लोगों की परेशानी का सबब बने हुए हैं। वैश्वीकरण की प्रक्रिया की सार्वजनिक स्वीकार्यता के बाद पूरी दुनिया में जीवनशैली से जुड़े रोगों का आंकड़ा तेज़ी से बढ़ने लगा है और सामान्य से दिखने वाले रोग जानलेवा तथा असाध्य रोगों की श्रेणी में आ गए हैं। आज जीवनशैली से सम्बंधित रोग एक बड़ी समस्या के रूप में हमारे सामने हैं। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को ग़ैर संचारी रोग या एनसीडी भी कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जीवनशैली से संबंधित रोगों की वजह से सालाना छह मिलियन लोगों की जान जा रही है।

जीवनशैली से संबंधित रोगों के बारे में मेरी धारणा स्पष्ट है कि पहले आधुनिकता के नाम पर ग़लत जीवनशैली अपनाओ और बीमार बनो, फिर उसके इलाज के लिए अस्पतालों और डाक्टरों के पास भटको। जीवनशैली से संबंधित रोग आज भारत ही नहीं पूरी दुनिया में लोगों की परेशानी का सबब बने हुए हैं। वैश्वीकरण की प्रक्रिया की सार्वजनिक स्वीकार्यता के बाद पूरी दुनिया में जीवनशैली से जुड़े रोगों का आंकड़ा तेज़ी से बढ़ने लगा है और सामान्य से दिखने वाले रोग जानलेवा तथा असाध्य रोगों की श्रेणी में आ गए हैं। आज जीवनशैली से सम्बंधित रोग एक बड़ी समस्या के रूप में हमारे सामने हैं। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को ग़ैर संचारी रोग या एनसीडी भी कहा जाता है। यदि हमारे दैनिक जीवन की आदतें, जैसे भोजन, नींद, व्यायाम, दिनचर्या, तनाव का स्तर आदि स्वस्थ्य नहीं है तो यह जीवन शैली के रोगों की वजह बन सकता है। विगत कुछ वर्षों में कोरोना के बाद भारत में जीवनशैली से संबंधित रोगों की स्थिति चिंताजनक रूप से बिगड़ी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जीवनशैली से संबंधित रोगों की वजह से सालाना 60 लाख लोगों की जान जा रही है। अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2030 तक इन रोगों की वजह से भारत को छह ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुक़सान उठाना पड़ सकता है।

तनाव में 26 फ़ीसदी भारतीय

इंडिया फिट रिपोर्ट 2024 के अनुसार 26 फ़ीसदी भारतीय तनाव से जूझ रहे हैं। इनमें 17 फ़ीसदी लोगों के तनाव की वजह वित्तीय अस्थिरता है। इसी रिपोर्ट के अनुसार 24 फ़ीसदी भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। रिपोर्ट के अनुसार विगत तीन वर्षों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप उच्च कोलेस्ट्रॉल,थायरॉइड जैसे जीवनशैली के रोगों में बहुत तेज़ी आई है। उच्च रक्तचाप एवं उच्च कोलेस्ट्रोल एक साइलेंट किलर है। यह आम भारतीयों में तेज़ी से बढ़ रहा है। उच्च कॉलेस्ट्रोल वाले लोगों की संख्या में सालाना दो फ़ीसदी की बढ़ोतरी देखी जा रही है। ऐसे ही मधुमेह रोगियों का बुरा हाल है। इंडिया फिट रिपोर्ट 2024 के अनुसार 48 फ़ीसद भारतीय अस्वस्थ्य हैं। यही रिपोर्ट यह भी बता रही है कि भारत की लगभग आधी आबादी (50 फ़ीसदी) अस्वस्थ्य जीवनशैली की आदतों से पीड़ित है। यह आंकड़ा चिंताजनक है। मानसिक रोग जैसे अनिद्रा तनाव अवसाद के साथ साथ स्लिप एपनिया के मामले भी तेज़ी से बढ़ रहे हैं। कम उम्र के युवाओं में हृदयगति रुक जाने से होने वाली मौतों की घटनाओं में भी वृद्धि देखी गई है। बढ़ती स्वास्थ्य चिंताओं के बीच अब सवाल उठता है कि सरकारें इन रोगों के रोकथाम प्रबंधन के लिए क्या कर रही है? विगत कुछ वर्षों से भारत सरकार का स्वास्थ्य बजट देखें तो बहुत उत्साहजनक नहीं दिखता। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी बजट बढ़ाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। नवीनतम राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा रिपोर्ट अनुसार पहले से ही स्वास्थ्य बजट कुल जीडीपी का लगभग 1.2-1.3 फीसदी पर स्थिर है। इसे 2025 तक 2.5-3.0 फीसदी तक बढ़ाने की बात की जा रही थी। ऐसा राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में वादा भी किया गया था। हालांकि वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के बजट में मामूली वृद्धि की गई है। पर वह एक फीसदी के पास ही है।

धनाभाव में सरकारी अस्पताल

विगत कोरोना वायरस महामारी के आतंक को सभी ने देखा और भुगता है। सबसे बुरी हालत मेहनतकश ग़रीब लोगों की थी। सरकारी अस्पताल लगभग नकारा थे। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो 85 फ़ीसदी सरकारी अस्पताल और उपचार केंद्र आज भी धन के अभाव में ही चल रहे हैं। कोरोना महामारी के थम जाने के बावजूद सरकार कोरोना से होने वाली मौतों का ठीक से आंकड़ा भी उपलब्ध नहीं करा पाई है। यदि देश के 748 ज़िले के अस्पताल ठीक होते तो विगत कोरोना महामारी के दौरान ऐसी अफ़रातफ़री नहीं मचती। इधर सरकार द्वारा लोगों के स्वास्थ्य से संबंधित कई घोषणाएं सुनाई देती हैं। इन घोषणाओं में आधुनिक जीवनशैली के रोगों से निपटने के लिए सरकारी विज्ञापन आजकल सरेआम है।

प्रशिक्षित चिकित्सकों की कमी

कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचागत निर्माण मिशन उन योजनाओं में एक महत्वपूर्ण योजना है। इससे देशभर में प्राथमिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए शुरू किया गया था। सन् 2021 से 2026 तक की अवधि के लिए इस योजना में 64,180 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। लेकिन पिछले दो बजट में कुल मिलाकर लगभग आठ हज़ार करोड़ रुपये का ही आवंटन किया गया है। भारत में अभी भी प्रशिक्षित चिकित्सकों की संख्या लगभग 13 लाख है, जो देश में 15-20 हज़ार प्रति व्यक्ति पर एक चिकित्सक की दर से बैठती है। यदि यहां प्रति दस हज़ार व्यक्ति पर एक चिकित्सक की उपलब्धता को ही मान लें तो सन् 2050 कोई 20.7 लाख चिकित्सक और चाहिए होंगे। सच्चाई तो यह है कि प्रशिक्षण के बाद लगभग दस-बीस फ़ीसद चिकित्सक अपना चिकित्सा व्यवसाय छोड़कर किसी और धन्धे में चले जाते हैं। चिकित्सा सेवा के स्वभाव में परिवर्तन एवं देश में उपभोक्तावाद के हावी होने के बाद अधिकांश चिकित्सक निजी प्रैक्टिस करने अथवा निजी पांचसितारा अस्पतालों में जाना पसंद करते हैं। मसलन सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था धीरे धीरे उपेक्षित एवं नकारा होती जा रही हैं। विगत कुछ वर्षों में चिकित्सा शिक्षा से संबंधित सरकारी नीतियों में जटिलता की वजह से भी दिक्कतें आ रही हैं। कहा जा रहा है कि देश में 70 हज़ार से एक लाख ऐसे डॉक्टर्स हैं जिन्होंने विदेशों में पढ़ाई की है और वे भारत में अपना रजिस्ट्रेशन कराना चाहते हैं। लेकिन जटिल प्रक्रिया की वजह से ये अभी भी धक्के खा रहे हैं। देश में नक़ली डॉक्टरों की भी एक बड़ी संख्या है जिसे सरकार पकड़ नहीं पा रही है।

टोगो वैक्सीन वितरण की योजना

भारत सरकार की प्रधानमंत्री आयुष्मान जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) प्रति वर्ष प्रत्येक ग़रीब परिवार को 5.0 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने का दावा करती है। सरकारी दावों में लगभग 1.80 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) का लक्ष्य बताया गया है,जबकि वर्तमान में 1,68,044 आरोग्य मंदिर चलने का दावा किया जा रहा है। "आयुष्मान भव" अभियान के तहत 7.12 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड तथा 11.34 करोड़ आभा आईडी सृजित किए गए हैं। यह भी दावा है कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 15.33 करोड़ से ज़्यादा लोगों ने लाभ प्राप्त किया है। सरकार ने अपने मासिक मंत्रिमंडल रिपोर्ट फ़रवरी 2024 में दावा किया है कि लगभग 3.5 लाख आयुष्मान मेले का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें टीबी, एचबीपी, मधुमेह, माउथ कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, मोतियाबिंद आदि से बचाव के लिए 29.54 करोड़ से भी ज़्यादा स्क्रीनिंग की गई। भारत सरकार का दावा है कि फ़रवरी 2024 में डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल (जीआईडीएच) को भी शुरू किया गया है। यह भी दावा किया है कि 'टोगो'नामक महामारी की रोकथाम के लिए बिल गेट्स की संस्था 'गावी' के साथ मिलकर वैक्सीन वितरण की पहल या साझेदारी भी की जा सकती है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

सेहत पर भारी पड़ रहा है पैक्ड फूड

खान-पान
अर्चना कुमारी
लेखिका व स्वतंत्र पत्रकार

आधुनिक समय में लोगों की जीवनशैली काफी बदल चुकी है। लोग हेल्दी खाने से ज्यादा उसका स्वाद देखते हैं, जिसका नतीजा यह है कि आज अधिकांश व्यक्ति किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त हैं। दरअसल, व्यस्त लाइफस् टाइल में इन दिनों पैक्ड फूड यानी जंक फूड पर हम ज्यादा निर्भर होते जा रहे हैं जो कि एक बेहद ही गंभीर मामला है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दशकों में प्रोसेस्ड फूड कैंसर जैसी महामारी का बड़ा कारण बन सकता है। बता दें, पैक्ड फूड को लंबे समय तक ठीक रखने के लिए कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। यह केमिकल बेहद ही खतरनाक होते हैं। जो हमारे शरीर पर कई तरह के हानिकारक प्रभाव डालते हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिसीज स्टडी के आंकड़ों के मुताबिक, विश्व में 20 प्रतिशत मौतें खराब आहार के कारण होती हैं। जंक फूड को बनाने में बहुत ज्यादा तेल, फैट, शुगर, स्टार्च, नमक और प्रोटीन आदि का इस्तेमाल किया जाता है। इससे मोटापा और हृदय रोगों का खतरा बढ़ सकता है। कई स्टडी में यह बात सामने आ चुकी है कि फास्ट फूड में पाया जाने वाला ट्रांसफैट ब्लड में बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देता है और गुड कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम कर देता है। इससे टाइप 2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ा देता है। नमक की ज्यादा मात्रा बढ़ने से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। फास्ट फूड में कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है जिसकी वजह से लोगों का वजन बढ़ जाता है और मोटापे का शिकार हो जाते हैं। इससे अस्थमा और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियां होने का रिस्क बढ़ जाता है। यह भी सुझाव दिया गया है कि जंक फूड खाने से मस्तिष्क उसी तरह प्रभावित होता है, जैसे नशे की दवाओं का सेवन करने से। दुनिया भर में जंक फूड को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। ये गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) को जन्म देते हैं, विशेष रूप से गरीब देशों में कुपोषण और मोटापे के दोहरे बोझ के लिए जिम्मेदार हैं। खानपान के तमाम जानकारों, जीवन शैली के तमाम विशेषज्ञों और डॉक्टरों के लगातार समझाने और चेतावनी देने के बावजूद पिछले कुछ वर्षों में जंक फूड हमारे ब्रंच, लंच या डिनर का अहम हिस्सा बन गया है। आजकल लोग पोषक भरी चीजे न खाकर स्वादिष्ट जंक फ़ूड ज्यादा खा रहे हैं। जिसमें शरीर के लिए जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स नहीं होते हैं। जिस वजह से उनके शरीर में आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स की अत्यधिक कमी हो जाती है जिसको पूरा करने के लिए उन्हें दवाइयों पर निर्भर होना पड़ता है। इतना ही नहीं, जरूरी पोषक तत्वों की कमी की वजह से वो गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे परिवारों की संख्या भी कम नहीं है जो पूरी तरह से पैक्ड फूड या रेडी टू ईट फूड पर निर्भर हो चुके हैं। बता दें, दुनिया भर में भारत खाद्य मानकों का उल्लंघन करने वाला सबसे बड़ा देश है, ऐसा फूड सोर्स मॉनिटरिंग कंपनी फूड सेंट्री का कहना है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की रिपोर्ट कहती है कि एक दशक में आसानी से तैयार हो जाने वाले पैकेट बंद फूड के बाजार में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनके खाने के फायदे कम और नुकसान ज्यादा हैं। विदेश से आये फास्ट फूड ने हमारे देश पर कब्जा कर लिया है। जबकि भारतीय खाने में इतने विभिन्न आयाम हैं कि बयान करना मुश्किल हो जाता है। तरह-तरह के पकवान भारत के लोगों के इतिहास और उनकी संस्कृति को परिदृश्य करते हैं। फिर भी हम फ़ास्ट फ़ूड के पीछे भाग रहे हैं।

'स्वस्थ भारत' संकल्प बने राष्ट्रीय अभियान

योजना
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार व विश्लेषक

देश में नॉन कम्युनिकेबल डिजीज (एनसीडी) के बढ़ते बोझ को देखते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 30 साल और उससे ज्यादा उम्र के सभी व्यक्तियों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों तथा सामान्य कैंसर के लिए 100 प्रतिशत जांच करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत ब्लड प्रेशर, मधुमेह या मुंह, स्तन या सर्विकल कैंसर जैसे गैर-संचारी रोगों की जांच होगी। इसके तहत देश के 89 करोड़ लोगों की शुगर से लेकर बीपी और कैंसर की जांच मुफ्त की जाएगी। यह अभियान 20 फरवरी से शुरू होकर 31 मार्च तक चलेगा। इसमें सरकारी अस्पताल, मोबाइल मेडिकल यूनिट और आशा कार्यकर्ताएं घर-घर जांच अभियान करेंगी।

गैर-संक्रामक रोगों का प्रकोप

सरकार ने यह फैसला इसलिए लिया है कि पिछले कुछ सालों से देश में गैर संक्रामक रोगों से मरने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। इस अभियान का उद्देश्य वास्तविक समय पर निगरानी करना है और साथ ही साथ एनसीडी से जुड़ी जटिलताओं को कम करना भी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की रिपोर्ट बताती है कि देश में 66 प्रतिशत मौतें गैर-संक्रामक बीमारियों के कारण हो रही हैं। हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर और श्वसन रोग जैसी बीमारियां 30 साल से अधिक उम्र के लोगों में तेजी से बढ़ रही हैं जो एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन चुकी है। इसलिए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बीमारियों की जल्दी पहचान करना, इलाज शुरू करना और गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं को रोकना है। भारत सरकार ने अपने अभियान में मुख्य रूप से तीन तरह के कैंसर जांच की बात की है। इसमें मुंह के कैंसर, स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की बात कही गई है। सरकार ने पाया है कि तंबाकू के सेवन से मुंह के कैंसर के मरीज अधिक सामने आए हैं, जिनकी मृत्यु भी हुई है।

फैल रहा सर्वाइकल कैंसर

वहीं महिलाओं में तेजी से स्तन कैंसर बढ़ रहा है। इसके अलावा पुरुष और महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर भी तेजी से फैल रहा है। इसकी रोकथाम और सही समय पर इलाज के लिए सरकार ने जांच का फैसला किया है। इतना ही नहीं, हार्ट अटैक से मरने वाले लोगों के लिए हाई ब्लड प्रेशर सबसे बड़ा कारण है। कम उम्र में ही लोग हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रहे हैं। अधिक दबाव की वजह से वो अपना जीवन खो रहे हैं।

खराब लाइफ स्टाइल कारण

भारत में 45 प्रतिशत लोग हर साल सिर्फ हार्ट अटैक से मर रहे है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, एनसीडी सामूहिक रूप से दुनिया भर में हृदय रोग, स्ट्रोक, कैंसर, पुरानी श्वसन संबंधी बीमारियों और मधुमेह समेत कुछ मौतों के 74 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं। गौरतलब है कि आजकल कम उम्र में ही लोग डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारियों और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन बीमारियों का एक बड़ा कारण खराब लाइफ स्टाइल है। ये सभी बीमारियां नॉन-

कम्युनिकेबल डिजीज यानी गैर-संचारी बीमारियां हैं। इनका मतलब है कि ये बीमारियां एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलतीं और इनका विकास अक्सर काफी समय लेता है।

आहार संबंधी आदतों से बढ़े रोग

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि साल 1990 में इन बीमारियों से होने वाली मौतों का अनुपात 37.9 प्रतिशत था, जो 2016 में बढ़कर 61.8 प्रतिशत हो गया। आज के समय में भारत में 66 प्रतिशत से ज्यादा मौतें नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों के कारण हो रही हैं। इन बीमारियों में मुख्य रूप से दिल से जुड़ी बीमारियां, डायबिटीज, कैंसर और सांस से जुड़ी बीमारियां शामिल हैं। भारत में अधिकतर युवा आबादी है और ऐसा देखा गया है कि 30 से 40 साल की उम्र के युवा भी इस तरह की लाइफ स्टाइल डिजीज से काफी परेशान हैं। जीवनशैली में बदलाव, पर्यावरणीय कारक और आहार संबंधी आदतें इस महामारी को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं, जिससे न केवल बुजुर्ग बल्कि युवा भी प्रभावित हो रहे हैं। आज खाने में पैक्ड फूड को जिस तरह से तरजीह दी जा रही है, उसकी वजह से ये भी बीमारियां हो रही हैं। चिंता का विषय यह है कि भारत उन देशों में शामिल हो रहा है जहां कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हाल के अध्ययनों से भारत में कैंसर के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिली है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार, देश में हर साल 1.3 मिलियन से अधिक नए कैंसर के मामले सामने आते हैं और अगले दशक में यह संख्या तेजी से बढ़ने की संभावना है। 2040 तक, भारत में कैंसर की घटनाओं के दोगुना होने का अनुमान है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती है। अगर देखा जाए तो सरकार की ये पहल स्वागत योग्य है, बशर्ते इसके पीछे छिपा हुआ कोई और एजेंडा ना हो।

गौरतलब है कि मोदी सरकार ने 'स्वस्थ भारत' की बात की, तो उसमें सिर्फ दवा, अस्पताल और डॉक्टर ही नहीं हैं, बल्कि प्राथमिकता यह है कि नागरिक बीमार ही ना हों। इसके लिए योग और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अगर कोई बीमार हो भी जाता है तो जांच और समयबद्ध उपचार की पूरी व्यवस्था है। मरीजों को मुफ्त दवा और इलाज की सुविधाएं आज बड़े पैमाने पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आयुष्मान भव अभियान लांच

देश के 50 करोड़ से अधिक लोगों को साल का पांच लाख रुपये का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना मुहैया करा रही है। मोदी सरकार का लक्ष्य यह है कि देश के हर कोने में रह रहे जन-जन तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ही आयुष्मान भव अभियान लांच किया गया है। इस अभियान के तहत जन आरोग्य योजना को जन-जन तक ले जाने, हर किसी का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट आइडी बनाने और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं देने का लक्ष्य रखा गया है। कई तरह की बीमारियों की पहचान के लिए व्यापक स्क्रीनिंग की भी व्यवस्था की गई है। इनमें टीबी, हाइपरटेंशन, सिकल सेल डिसीज यानी रक्त संबंधी विकार, मधुमेह आदि के लिए गांवों और शहरों में जांच अभियान चलाया जा रहा है। आयुष्मान भव योजना का मूल लक्ष्य देश के 6.45 लाख गांवों और 2.55 लाख ग्राम पंचायतों तक पहुंचने का है, ताकि लोगों के बीच इस योजना को लेकर जागरुकता आए और वे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकें। यह प्रतिबद्धता पीएम मोदी की 'स्वस्थ भारत' परिकल्पना का अंग है। मालूम हो, अच्छा स्वास्थ्य मानव प्रगति और समृद्धि की आधारशिला है। आने वाला भविष्य उन्हीं समाजों का होगा, जो स्वास्थ्य के क्षेत्र में पर्याप्त संसाधन लगाएंगे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े सुधार की जरूरत

दो टूक
शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार व जन स्वास्थ्य विश्लेषक

हाल में केंद्र सरकार की तरफ से जीवनशैली संबंधी स्वास्थ्य को लेकर दो अहम घोषणाएं हुई हैं। पहली, केंद्र सरकार देश में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में बीपी (रक्तचाप), शुगर (मधुमेह) और कैंसर की राष्ट्रीय स्तर पर जांच कराने जा रही है। दूसरी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापा के खिलाफ देश में जागरूकता लाने का आह्वान किया है। इसके लिए सरकार की ओर से दस हस्तियों को अंबेस्डर बनाया गया है, जो देशवासियों में मोटापा से बचने के लिए जागरूकता फैलाएंगे। वर्ष 2022 तक देश को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया था, लेकिन सरकारी उदासीनता के चलते इस योजना ने दम तोड़ दिया। आज वर्ष 2025 में देश में कूड़ा व कचरा निस्तारण को लेकर मुकम्मल व्यवस्था नहीं बन सकी, तो क्या मोटापे के खिलाफ भी अभियान का ऐसा ही हश्र होने वाला है? पीएम ने ही जोर-शोर से फिट इंडिया अभियान शुरू किया था, यह अभियान आज कहां है? किसी को पता नहीं है। आज देश जीवनशैली संबंधी बीमारियों- उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, कैंसर, मोटापा (ओबेसिटी), थायराइड, कब्ज, टेंशन, डिप्रेशन के पीड़ितों के ज्वालामुखी पर बैठा हुआ है। करीब 19 करोड़ लोग शुगर, करीब 15 करोड़ लोग मोटापा, करीब 14 करोड़ लोग बीपी, करीब 9 करोड़ लोग कैंसर, करीब 12 करोड़ लोग टेंशन-डिप्रेशन, व करोड़ों लोग कंस्टिपेशन यानी कब्ज जैसी जीवनशैली संबंधी रोगों से सफर कर रहे हैं।

बहुत सारी बाधाएं

इन रोगों के लिए सिडेंट्री रहन-सहन, अस्वास्थ्यकर खानपान और गलत दिनचर्या जिम्मेदार हैं। खास बात है कि इन रोगों को प्रचलित मॉडर्न मेडिसिन से क्योर नहीं किया जा सकता है। यह बात समस्त चिकित्सा जगत को पता है। पीड़ितों को आजीवन दवा खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन हॉलिस्टिक हेल्थ एप्रोच से जीवनशैली, खानपान और दिनचर्या में बदलाव लाकर इन रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसलिए लाइफस्टाइल रिलेटेड इन बीमारियों से बचाव के लिए राष्ट्रीय अभियान की जरूरत है। जनस्वास्थ्य के प्रति सरकार की पहल स्वागत योग्य है, परंतु स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रशिक्षित वर्कफोर्स से लेकर नीति व बजट तक में बहुत सारी बाधाएं हैं। कई बार सरकार की योजनाओं का प्रारूप ही तय नहीं होता है। स्वच्छ भारत, ओडीएफ, फिट इंडिया जैसे कार्यक्रम उदाहरण हैं। सरकार अपनी योजनाओं का सोशल ऑडिट भी नहीं करती है। डायबिटीज, बीपी व कैंसर जांच का उद्देश्य अगर फार्मा कंपनियों को मुफ्त में डाटा उपलब्ध भर कराना है, तो ऐसे अभियान का कोई नतीजा नहीं निकलेगा। इस जांच का उद्देश्य अगर सच में जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नीति, उपचार व क्रियान्वयन की दिशा में कुछ किया जाना है, तो निश्चित रूप से इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

प्रिवेंटिव स्वास्थ्य पर हो जोर

भारत में करीब 80 फीसदी रोग प्रिवेंटिव हैं, जिसके लिए अस्पताल या दवा की जरूरत नहीं है, केवल गाइडेंस, प्रिवेंटिव चिकित्सा से रोका या

ठीक किया जा सकता है। केवल 20 फीसदी रोग हैं, जिसके लिए असल में अस्पताल व दवाओं की जरूरत है। अगर सरकार योग-व्यायाम-ध्यान, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा समेत समस्त भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को प्रिवेंटिव हेल्थ कार्यक्रम से जोड़ेगी तो स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय खर्च को तर्कसंगत बनाया जा सकता है। प्रिवेंटिव हेल्थ को स्कूल शिक्षा कार्यक्रम से भी जोड़ने की आवश्यकता है। खानपान व जीवनशैली संबंधी विषयों को शैक्षिक पाठ्यक्रम का अहम हिस्सा बनाने की जरूरत है।

स्वास्थ्य बजट जरूरत से कम

इस बार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में स्वास्थ्य के लिए 99,858.56 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष से लगभग 11 प्रतिशत अधिक है। यह पिछले वित्त वर्ष के 89,974 करोड़ रुपये के बजट आवंटन से मामूली वृद्धि है। बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कुल 1.19 लाख करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई। इसमें आयुष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए राशि भी शामिल है। सरकार ने दवा उद्योग के लिए पीएलआई हेतु 2,445 करोड़ रुपये भी आवंटित किए हैं। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) को ₹9,406 करोड़ का आवंटन मिला। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएमएबीएचआईएम) के लिए ₹4,200 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) को ₹37,226.92 करोड़ व राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को ₹79.6 करोड़ आवंटित किए गए। बजट में वित्त मंत्री ने जन स्वास्थ्य का जिक्र सात बार किया, जिसमें सुलभ, ऊंची गुणवत्ता वाली और किफायती स्वास्थ्य सेवा पर जोर दिया गया था। जो मुख्य कदम बताए गए उनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड से जोड़ना, एआई से चलने वाले स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र तथा चिकित्सा शिक्षा में 10,000 नई सीटें जोड़ना शामिल हैं। वास्तव में चिकित्सा शिक्षा में पांच साल के भीतर 75,000 सीटें जोड़ी जानी हैं। 200 डे केयर कैंसर सेंटर खोलने, 1 करोड़ गिग (अस्थायी रोजगार वाले) कर्मचारियों को पीएम-जय के दायरे में लाने और चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र के साथ मिलकर 'हील इन इंडिया' जैसे कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही 36 जीवनरक्षक औषधियों पर सीमा शुल्क में भी राहत की घोषणा की गई। छह अन्य जीवनरक्षक औषधियों पर 5 फीसदी की रियायती दर से शुल्क लगाने तथा रोगी सहायता कार्यक्रमों का विस्तार करने की बात भी कही गई है। भारत में जन स्वास्थ्य प्राथमिक रूप से राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में स्वास्थ्य व्यय को 2025 तक बढ़ाकर जीडीपी का 2.5 फीसदी करने की सिफारिश थी। लेकिन अभी बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवंटन जीडपी का एक फीसदी के करीब है, यानी बजट आवंटन लक्ष्य से बहुत पीछे है।

हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत

देश में वर्ल्ड क्लास स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने के लिए हेल्थ बजट जीडीपी का छह फीसदी होना चाहिए। इस क्षेत्र में नए रोजगार सृजन की क्षमता है। भारत के लिए बड़ा अवसर है, ऐसे में केंद्र व राज्य सरकार को मिलकर हेल्थ क्षेत्र को बेहतर बनाना चाहिए। इसे निजी क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। सरकार को इस क्षेत्र को रेगुलेट करने के लिए इरडा, सेबी जैसे हेल्थ सेक्टर के लिए नियामक बनाना चाहिए। इसी के साथ सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम लाना चाहिए। बजट में अनेक ख़ामियां रह गई हैं। जनसांख्यिकीय संकट पर कोई बात नहीं की गई है। आवासीय चिकित्सक, एंबुलेटरी यानी अस्पताल तथा बुजुर्गों की देखभाल को लेकर कोई बात नहीं है।

तरकश

संजय के दीक्षित

तरकश से खुलासा

पिछले हफ्ते के तरकश स्तंभ में चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन के पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग में स्टेट इलेक्शन कमिश्नर बनने का जिक्र था। उसका लब्बोलुआब ये था कि फरवरी 2026 में अजय सिंह के रिटायर होने के बाद अमिताभ के सामने राज्य निर्वाचन आयुक्त का बेहतर विकल्प रहेगा। तरकश की इस पोस्ट के बाद ब्यूरोक्रेसी से एक बड़ी जानकारी निकलकर सामने आई कि राज्य निर्वाचन आयुक्त का पद अब छह साल या 66 वर्ष वाला नहीं रहा। पिछली सरकार में पता नहीं कब, इसे एक साल बढ़ाकर 67 कर दिया गया। अगर 66 साल की एज लिमिट होती तो अजय सिंह फरवरी 2026 में रिटायर हो जाते। मगर अब 67 करने के साथ ही छह महीने अतिरिक्त का भी प्रावधान कर दिया गया है। अतिरिक्त इसलिए कि उस पद के काबिल कोई नहीं मिला तो छह महीने तक उन्हें कंटीन्यू किया जा सके। तभी ठाकुर राम सिंह साढ़े सात साल तक इस पद पर रह लिए। वैसे ठाकुर राम सिंह पोस्टिंग के मामले में पूरे कैरियर में बेहद किस्मती रहे। रमन सिंह सरकार में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और रायगढ़ जिले की कलेक्टरी की। बिना ब्रेक इन चारों बड़े जिलों में वे 9 साल कलेक्टर रहे। इस रिकार्ड को कोई डायरेक्ट आईएएस न तोड़ पाया और न आगे कोई ब्रेक कर पाएगा। आईएएस से रिटायर होने के बाद रमन सरकार ने उन्हें राज्य निर्वाचन आयुक्त बनाया। बाद में भूपेश बघेल सरकार आई तो उन्हें दुर्ग के कलेक्टर रहने का लाभ मिल गया। डीडी सिंह सीएम सचिवालय में रहने के बाद भी हाथ मलते रह गए। और ठाकुर राम सिंह के लिए जीएडी से एक साल के लिए इस पद का कार्यकाल बढ़ाने का आदेश निकल गया। फिर छह महीने का बोनस भी। ऐसे में, अमिताभ जैन के लिए अब मुख्य सूचना आयुक्त के अलावा कोई और विकल्प नहीं।

नए माफिया की इंट्री

छत्तीसगढ़ मेडिकल कारपोरेशन के एक एमडी ने बस्तर में बांस की ट्रांसपोर्टिंग करने वाले छोटे व्यवसायी को जमीन से उठाकर एक हजार करोड़ का आसामी बना दिया था। हालांकि, वक्त ने उसे अब सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। मगर अफसर भी कम थोड़े हैं। अब दूसरा चोपड़ा बनाने का प्रयास प्रारंभ कर दिया है। नए मेडिकल माफिया का भोपाल से ताल्लुकात है। दो-एक साल पहले तक मध्यप्रदेश के हेल्थ विभाग में उसकी तूंती बोलती थी। मगर मोहन यादव की नई सरकार ने उसके खिलाफ मुकदमा कायम कर खेल खतम कर दिया। चूकि छत्तीसगढ़ में पुराने माफिया के रहते उसकी इंट्री नहीं हो सकती थी, सो उसके जेल जाने के बाद नए माफिया के रास्ते खुल गए। सीजीएमएससी के अफसरों ने उसके लिए जगह तैयार करनी शुरू कर दी है। 44 लाख लोगों की सिकलसेल जांच के लिए न केवल पॉलिसी बदल दिया बल्कि टेंडर में ऐसे क्लॉज डाल दिए हैं कि भोपाल वाले के अलावा किसी और को नहीं मिल सकता। सवाल यह है कि जब 80 लाख लोगों की इन हाउस सिकलसेल जांच हो चुकी थी तो उसका पैटर्न बदलकर पीपीपी मोड क्यों किया गया? फिर अजीबोगरीब शर्त...ज्वाइंट वेंचर वाली पार्टी ही इसमें अप्लाई कर सकती है। भोपाल वाली पार्टी ने ज्वाइंट वेंचर बनाकर रखा है। टेंडर में ऐसे कई शर्त रख दिए गए हैं, जो इस बात की चुगली कर रही कि किसी नए माफिया को छत्तीसगढ़ में स्थापित करने की तैयारी है।

हेल्थ में त्राहि माम

हेल्थ विभाग के डिरेल्ड सिस्टम को पटरी पर लाने के लिए सरकार ने भले ही अमित कटारिया को स्वास्थ्य सचिव बना दिया। बावजूद इसके विभाग की भर्राशाही कम नहीं हो रही। जिलों के सीएमओ और सिविल सर्जन त्राहि माम कर रहे हैं। नेताओं के लोगों ने रैकेट बनाकर लूट मचा दी है...हर जिले में वसूली एजेंट। हर किसी को महीना चाहिए या फिर सप्लाई का आर्डर। दोनों में से कोई एक नहीं हुआ तो फिर सीएमओ, सिविल सर्जन को अगली लिस्ट में हटाने की चेतावनी। ताज्जुब इस बात का है कि सीजीएमएससी या हेल्थ डायरेक्ट्रेट से उन्हें अ्रस्पतालों के रिक्वायरमेंट की लिस्ट कैसे मिल जा रही? वे लिस्ट लेकर पहुंच जा रहे...आप सीजीएमएससी को पैसा ट्रांसफर कीजिए, बाकी जेम पोर्टल को वे देख लेंगे।

सुबोध की चुनौती

पीएस टू सीएम सुबोध सिंह करप्शन रोकने के लिए ऑनलाइन वर्किंग पर जोर देते रहे हैं। माइनिंग और बिजली विभाग को उन्होंने ही ऑनलाइन किया था। राजस्व को भी उन्होंने पटरी पर लाने का प्रयास किया था मगर तब तक उनके डेपुटेशन को हरी झंडी मिल गई। बहरहाल, उनके लिए बड़ी चुनौती होगी कि छत्तीसगढ़.में ऑनलाइन सिस्टम भी करप्शन से अछूता नहीं रह गया है। जेम और भुईया पोर्टल इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। भुईया पोर्टल लाया ही इसलिए गया था कि पटवारियों की कारगुजारी रुक जाए। मगर इसमें क्या हुआ...विधानसभा में सबने देखा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ0 रमन सिंह को तल्ख नसीहत देनी पड़ गई...मंत्रीजी सिस्टम को वेंटिलेटर पर जाने से पहले ठीक कर लीजिए। दरअसल, भुईया के जरिये पटवारी और तहसीलदार मालामाला हो रहे हैं। दस्तावेजों में कृत्रिम त्रुटि कर आम आदमी का जेब काटो। इसी तरह खटराल सप्लायरों के आगे बेचारा जेम पोर्टल असहाय नजर आ रहा। जेम की तोड़ के लिए सप्लायरों ने तीन-चार कंपनियां बना लिया है। इसमें होता ऐसा है कि टेंडर निकालने से पहले ही विभागों में सेटिंग हो जा रही...ये क्लॉज डाल दीजिएगा, बाकी हम देख लेंगे। फिर अपनी ही तीनों कंपनियों से टेंडर डलवा काम हथिया लिया जा रहा। हेल्थ, सीजीएमएससी से लेकर सभी विभागों की खरीदी में ऐसा ही हो रहा। सरकार जेम से सरकारी खरीदी का ढिढोरा पिटती है, उधर जेम अवैध को वैध करने का पोर्टल बनकर रह गया है। सुबोध को इसे नोटिस में लेनी चाहिए।

सीएम के तेवर और संदेश

विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर सीएम विष्णुदेव साय के घंटे भर के भाषण की सत्ता के गलियारों में बड़ी चर्चा है। असल में, मुख्यमंत्री ने जिन कठोर शब्दों का प्रयोग किया, वह उनकी स्थापित छबि से मेल नहीं खाता। पीएससी स्कैम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सिविल सेवा के अफसर शासन में सरिया की तरह होते हैं। पिछली सरकार ने सिविल सर्विस में भ्रष्टाचार का नकली सरिया लगा दिया गया। इशारे में उन्होंने महाभारत के पात्रों की तुलना करते हुए प्रोटेक्शन मनी और महादेव ऐप्प की भी बात कर डाली। जाहिर है, सीएम के इस बदले अंदाज में विरोधियों और भ्रष्ट सिस्टम के लिए बड़ा संदेश छिपा है।

राजा की दंड व्यवस्था

मनु स्मृति के मुताबिक राजा को दंड का रुप माना गया है...दंड से राजा प्रजा का शासन करता है...दंड से प्रजा का रक्षा होती है...दंड से प्रजा खुश रहती है। मगर छत्तीसगढ़ के साथ दुर्भाग्य यह रहा कि राज्य बनने के बाद दंड की बजाए भ्रष्टचारियों, धतकरमियों के साथ अतिशय उदारता बरती गई। स्थिति यह है कि हर शाख पर उल्लू बैठा है...जिस विभाग में हाथ डालिये, 50-100 करोड़ का भ्रष्टाचार निकल आएगा। न मंत्री पर कोई कंट्रोल है और न अफसरों पर। जाहिर है, पीएससी 2003 में अगर चेयरमैन और एग्जाम कंट्रोलर के साथ कठोर कार्रवाई की गई होती तो पीएससी 2021 में सैकड़ों युवाओं का भविष्य खराब करने की टामन सोनवानी की हिम्मत नहीं होती। पीएमटी परीक्षा का फर्जी टॉपर डॉक्टर बन मजे में नौकरी कर रहा है तो 12वीं बोर्ड की फर्जी टॉपर स्कूल में मास्टरनी बन गई। 2010 के रायगढ़ एनटीपीसी लैंड मुआवजा स्कैम में तत्कालीन कलेक्टर मुकेश बंसल ने एसडीएम तीर्थराज अग्रवाल के खिलाफ 2700 पेज की जांच रिपोर्ट सरकार को भेज सस्पेंड करवाया था। तत्कालीन एसपी राहुल भगत ने एफआईआर दर्ज कराया था। इस मामले में तीर्थराज को क्लीन चिट मिल गई। इसका नतीजा यह हुआ कि अभनपुर के एसडीएम ने केंद्र के भारतमाला प्रोजेक्ट में 35 करोड़ की जगह 326 करोड़ का मुआवजा घोटाला कर दिया। राज्य बनने के बाद अनियमितता और भ्रष्टाचार के 500 से अधिक केसेज होंगे, जिनमें आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। कार्रवाई हुई भी तो दिखावे वाली। सरकारों को प्रजा को सुखी रहने और अपना औरा स्थापित करने के लिए मनु स्मृति को फॉलो करना चाहिए।

रमन का रिकार्ड

वित्त मंत्री ओपी चौधरी 3 मार्च को दूसरी बार राज्य का बजट पेश करेंगे। बता दें, 24 साल में सबसे अधिक बजट पेश करने का रिकार्ड पूर्व मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह के नाम दर्ज है। अमर अग्रवाल की एक सियासी चूक की वजह से वित्त विभाग रमन सिंह के पास गया और उसके बाद 2018 तक उन्हीं के पास रह गया। उन्होंने लगातार 12 बजट पेश किया। अमर ने अगर इस्तीफा नहीं दिया होता तो 15 बजट पेश करने का रिकार्ड उनके नाम होता। अमर के इस्तीफे के बाद वित्त विभाग 17 साल के लिए मुख्यमंत्री के पास चला गया। जाहिर है, 12 साल रमन सिंह और उसके बाद पांच साल भूपेश बघेल ने वित्त संभाला। बहरहाल, रमन के बाद दूसरे नंबर पर भूपेश बघेल हैं। उन्होंने पांच बजट पेश किया। उनके बाद स्व0 रामचंद्र सिंहदेव और अमर अग्रवाल ने तीन-तीन बजट पेश किए।

पीसीसीएफ, वन मंत्री और धोखा

वन मंत्री केदार कश्यप 15 साल मंत्री रहे हैं, इसके बाद भी खुलकर सामने नहीं आ रहे तो इसकी वजह पीसीसीएफ का मैटर तो नहीं है? जाहिर है, सरकार बदलने के बाद तय हो गया था कि नया पीसीसीएफ अपाइंट किया जाएगा। बताते हैं, पीसीसीएफ श्रीनिवास राव ने खुद ही पेशकश की थी कि उन्हें हटाकर वाईल्डलाइफ में पोस्ट कर दिया जाए। इसके बाद वन मंत्री केदार कश्यप ने सरकार से चर्चा कर अनिल राय को पीसीसीएफ बनाने की नोटशीट चलाई। मुख्यमंत्री से अनुमोदन भी हो गया। मगर दो दिन के लिए एसीएस फॉरेस्ट छुट्टी पर गए और खेला हो गया। दिल्ली से किसी अदृश्य शक्ति का फोन आया, उसके बाद अनिल राय की नोटशीट आसमान खा गया या जमीं निगल गई...कोई पता नहीं चला। उपर से अनिल राय के खिलाफ खबरें भी प्लांट होने लगी। बताते हैं, इस विश्वासघात से केदार कश्यप का मन टूट गया। हालांकि, अरण्य के विरोध और एसीएस फॉरेस्ट से भिड़-भाड़कर वन मंत्री ने कैबिनेट से पीसीसीएफ के लिए पांच नए पदों का सृजन करा लिया है। मगर जिनको वे नए पीसीसीएफ बनाना चाहते हैं, उनसे भी उनसे वफादारी की उम्मीद नही करनी चाहिए। वन विभाग के लिए दुर्भाग्य रहा कि पीसीसीएफ की कुर्सी पर मिलनसार और अच्छे व्यक्ति तो कई रहे, मगर विभाग को ताड़ने वाला कोई नहीं मिला। संजय शुक्ला की धमक जरूर थी, अगर वे दो साल पीसीसीएफ रह गए होते तो आज तस्वीर अलग होती। सुनील मिश्रा एक अच्छा नाम हो सकता है मगर वे इंटरेस्टेड नहीं, इसी साल अक्टूबर में उनका रिटायरमेंट है।

ये बनेंगे पीसीसीएफ

कैबिनेट से पीसीसीएफ के पांच अतिरिक्त पदों की मंजूरी मिली है। इसके बाद 93 बैच के कौशलेंद्र कुमार, आलोक कटियार, 94 बैच के अरुण पाण्डेय सुनील मिश्रा, प्रेम कुमार और ओपी यादव पीसीसीएफ प्रमोट हो जाएंगे। ओपी यादव को वेटिंग प्रमोशन दिया जाएगा। अक्टूबर में सुनील मिश्रा के रिटायरमेंट से खाली पद पर ओपी को प्रमोट किया जाएगा।

अंत में दो सवाल आपसे

1. विधानसभा में अगर अजय चंद्राकर और राजेश मूणत नहीं होते तो फिर विपक्ष का क्या होता?

2. छत्तीसगढ़ के 10 में से आठ मंत्री सरकार के लिए लायबिलिटी क्यों बन गए हैं?

20 करोड़ रुपए राजस्व का था टारगेट, 11 करोड़ की हुई आय

61 में 29 अहाते सरेंडर के बाद बंद, 51 ठेकेदार ब्लैक लिस्टेड, इनसे होगी अब 8 करोड़ की वसूली

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

आबकारी विभाग की नई पॉलिसी के तहत रायपुर जिले में शासकीय शराब दुकानों के पास 61 अहाते ठेके पर दिए गए थे, जिनमें से 29 अहातों को ठेकेदार चला नहीं पाए, जिसमें से कई ठेकेदारों ने विभाग को सूचित किए बिना संचालन करना बंद कर दिया है। वहीं कई ठेकेदारों ने सूचना दी, पर सरेंडर करने के बाद अनुबंध के अनुसार विभाग में फीस जमा नहीं की है। इस तरह अनुबंध को तोड़कर नियमों का पालन नहीं करने वाले 51 ठेकेदारों को विभाग ने ब्लैक लिस्टेड भी किया है, लेकिन इन सभी ठेकेदारों पर फीस के रूप में करीब 8 करोड़ रुपए की राशि अभी बकाया है, जिसकी वसूली विभाग अब भू-राजस्व की भांति करेगा।

रायपुर जिले में अहातों के लिए अब तक 3 बार टेंडर निकाले गए थे। ये अहाते एक मई 2024 से 31 मार्च 2025 तक के लिए दिए गए हैं। पहला टेंडर 56 अहाताओं के लिए निकाला गया था। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए थे, जिनमें एक अहाता को छोड़कर सभी अहातों का टेंडर खुला था। इन अहातों का ठेका बोली पद्धति से हुआ था। सबसे अधिक बोली वाले आवेदक को अहाता का ठेका दिया गया था। पहले टेंडर में लोगों ने भी बढ़-चढ़कर बोली लगाई थी, जिसके कारण अहाते भी 25 लाख रुपए से लेकर 94 लाख रुपए तक गए थे। इतने महंगे में अहाता लेने के कारण करीब दो महीने में 21 ठेकेदारों ने फीस देना ही बंद कर दिया, जिसके कारण ये सभी अहाते बंद हो गए, वहीं विभाग ने इनके ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड कर दिया। इसके बाद बंद सरेंडर अहातों सहित करीब 32 अहातों के लिए 5 महीने के लिए दोबारा निकाला गया। इस दौरान 19 अहाते ठेके पर गए थे। इसके अलावा 8 नए अहातों को और टेंडर निकालकर ठेके पर दिया गया था। इस तरह 62 अहाता में 29 बंद तथा 32 संचालित हैं। अहाता पॉलिसी के तहत विभाग को ठेके पर दिए गए अहाता से 20 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त होना था, लेकिन ठेकेदारों के सरेंडर करने और फीस जमा नहीं करने के कारण विभाग का यह टारगेट अधूरा रह गया है। विभाग को अब तक अहाता से फीस के रूप में 9 करोड़ रुपए मिले हैं, जबकि लगभग पौने दो करोड़ रुपए बैंक गारंटी के रूप में जमा है। इस तरह कुल लगभग 11 करोड़ रुपए का राजस्व ही मिल पाया है, जो टारगेट से 9 करोड़ रुपए कम है। हालांकि यह आंकड़ा 31 जनवरी 2025 तक अवधिक का है। फरवरी एवं मार्च में संचालित अहाता ठेकेदारों से फीस की वसूली और होनी शेष है, जिससे राजस्व प्राप्ति का आंकड़ा 12 करोड़ रुपए तक जाने की संभावना है। अहाता सरेंडर होने के कारण विभाग को करीब 8 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। इस राशि की रिकवरी के लिए विभाग अब पॉलिसी के नियम के तहत ठेकेदारों से वसूली करेगा। पॉलिसी के नियम में धारा 31 का भी उल्लेख है। इस धारा के तहत अब विभाग सरेंडर करने वाले ठेकेदारों से अनुबंध के अनुसार जो राशि तय हुई थी, उसकी वसूली भू-राजस्व की भांति करेगा।

अप्रैल-मई की गर्मी में 4 सौ कूलर देंगे मरीजों को राहत, मेंटेनेंस के लिए तय की जा रही एजेंसी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

अप्रैल-मई में पड़ने वाली भारी गर्मी में आंबेडकर अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों को 400 कूलर राहत देंगे। गर्मी की शुरुआत के पहले तीन मंजिला भवन के विभिन्न वार्डों में लगाए गए कूलरों के मेंटेनेंस के लिए एजेंसी तय की जा रही है। इन कूलरों के साथ आईसीयू, इमरजेंसी यूनिट तथा प्रशासनिक खंड में लगाए गए करीब ढाई सौ एसी लोगों को राहत का प्रयास पहुंचाने का प्रयास करते हैं।

मार्च की शुरुआत में ही गर्मी शहर में अपना असर दिखाना शुरू कर चुकी है। दूसरे पखवाड़े के बाद इसके तेवर और कड़े हो जाएंगे। गर्मी अप्रैल-मई में तो पीक पर होने की वजह से हालत खराब कर देती है। प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय डा. बीआर आंबेडकर अस्पताल की ऊपरी मंजिलों में स्थित वार्डों में भर्ती रहने वाले मरीजों की स्थिति ज्यादा दिक्कतों भरी होती है। अस्पताल का भवन काफी पुराना होने की वजह से यहां सेंट्रलाइज कूलिंग सिस्टम नहीं है, इसलिए मरीजों को राहत देने के लिए कूलर और एसी का सहारा लिया जाता है। अस्पताल में मरीजों, डाक्टरों के साथ अन्य चिकित्सकीय स्टाफ को राहत देने के लिए चार सौ से अधिक कूलर और करीब ढाई सौ एसी मौजूद हैं। हर साल गर्मी के पहले इनके रखरखाव की आवश्यकता पड़ती है। गर्मी की शुरुआत के पहले ही आंबेडकर अस्पताल प्रबंधन द्वारा बिगड़े कूलरों को सुधारने तथा पूरी गर्मी उसका रखरखाव करने मानव संसाधन जुटाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए एजेंसी तय करने के लिए टेंडर जारी किया गया है। मार्च के अंतिम दिनों तक यह प्रक्रिया पूरी करने के बाद संभवतया गर्मी की शुरुआत के साथ कूलर का उपयोग शुरू कर दिया जाएगा।

एसी खरीदी प्रक्रियाधीन

अस्पताल में ट्रामा एवं इमरजेंसी, विभिन्न विभागों के आईसीयू सहित अन्य स्थानों पर लगे पुरानी एसी को बदलने के लिए बड़ी संख्या में एसी खरीदी की अनुमति मिली है। अस्पताल प्रबंधन इसके लिए खरीदी की प्रक्रिया पूरी करने में जुटा हुआ है। माना जा रहा है कि गर्मी प्रारंभ होने के पहले खरीदी पूरी कर ली जाएगी। अस्पताल के अन्य वार्डों के साथ पेइंग वार्ड में लगे पुराने एसी को भी बदलने का प्रस्ताव है।

वाटर कूलरों का रखरखाव

अस्पताल में रोजाना ओपीडी में आने वाले करीब डेढ़ हजार और भर्ती एक हजार मरीज के साथ चिकित्सकीय स्टाफ की प्यास बुझाने के लिए भूतल से लेकर अस्पताल के प्रत्येक फ्लोर पर तीन से चार वाटर कूलर की व्यवस्था की गई है। सामान्य दिनों में इससे मिलने वाले पानी से डिमांड पूरी हो जाती है। गर्मी में खपत बढ़ने की संभावना को ध्यान में रखते हुए जरूरतों के हिसाब से इसकी संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण का स्थापना दिवस 4 मार्च को

रायपुर। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा 4 मार्च को देशभर में अपने सभी कार्यालयों में भव्य रूप से 174वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ जीएसआई रायपुर द्वारा तीन दिवसीय 2 से 4 मार्च तक स्मारक कार्यक्रम रखा गया है। यह कार्यक्रम जीएसआई की उल्लेखनीय यात्रा और हमारे राष्ट्र के लिए उसके अमूल्य योगदान को याद करने के लिए होगा। कार्यक्रम आयोजक ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान 2 मार्च को सुबह 7 से 10 बजे तक वॉकथॉन, जिसका विषय सुरक्षित दुनिया के लिए भू-विज्ञान होगा। इसी दौरान 4 मार्च को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक एक दिवसीय प्रदर्शनी सहित स्थापना दिवस समारोह मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जीएसआई ने भारत और उसके पड़ोसी क्षेत्रों, जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार के भूवैज्ञानिक ढांचे को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जशपुर जिले में सबसे अधिक 241 और गरियाबंद का 1 ग्राम जल स्रोत विहीन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन को भले ही 4 साल का एक्सटेंशन मिल गया है, लेकिन राज्य में जल स्रोत विहीन गांवों की संख्या 653 है। ये गांव ऐसे हैं, जो स्रोत न होने के कारण यहां पर जल जीवन मिशन के तहत काम पूरा ही नहीं हुआ है। जल जीवन मिशन के लिए तय की गई एजेंसियों ने यहां पर पानी का स्रोत मिले बिना ही पानी टंकी बनाने और पाइपलाइन बिछाने का काम किया है।

ग्राम सभा ने इसका अनुमोदन किया है। प्रदेश के 33 जिलों में जशपुर जिले में सबसे ज्यादा 241 गांव ऐसे हैं, जो जल स्रोत एवं पर्याप्त जल स्रोत विहीन हैं। दूसरे नंबर में बलौदा बाजार-भाटापारा जिला है, जहां 113 ग्राम जल स्रोत विहीन हैं। वहीं गरियाबंद जिले में मात्र एक ग्राम ऐसा है, जो इस श्रेणी में है। राज्य सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल पहुंचाने की योजना शुरू की। वहां पर जल स्रोत के बिना ही पानी टंकी और पाइप लाइन बिछा दी गई है। एजेंसियों ने ठेके के अनुसार अपना काम पूरा कर दिया है। अब जल स्रोत के संबंध में पीएचई विभाग को काम करना है। राज्य सरकार ने मिशन के तहत ऐसे 1660 ग्रामों की सूची जारी की है, जहां पर जल जीवन मिशन के तहत काम पूरा किया जा चुका है, लेकिन इन ग्रामों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। यहां काम कराए जाने के पहले इस ओर ध्यान नहीं दिए जाने के कारण एजेंसियों ने अपना काम पूरा कर ग्राम सभा से अनुमादन ले लिया है। अधिकारियों ने बताया कि हर स्कीम में स्रोत आइडेंटिटिफ़ाई था।

आधिपत्य सूचना

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड

शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर

Tel: 0771-4243149/240 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

जबकि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी), प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ('उक्त अधिनियम') और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किए गए। उक्त अधिनियम के तहत, निम्नलिखित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों से आव्हान किया गया है कि वे अपने संबंधित नामों के सामने उल्लेखित राशि का भुगतान उक्त नोटिस में उल्लेखित लागू दरों पर ब्याज सहित करें। उक्त नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिन, आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान और/या वसूली की तारीख तक।

क्रं.	ऋणी (ओं) के नाम/ कानूनी वारिस (ओं) एवं कानूनी प्रतिनिधि (यों)	बकाया राशि*	मांग सूचना की दिनांक	आधिपत्य दिनांक	अचल संपत्ति (यों) का विवरण
01.	श्री प्रकाश अनोश, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर-छ.ग.-495001. श्रीमती प्रकाश रशिम अनोश, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाटा, बिलासपुर-छ.ग.-495001.	₹ 3,15,03,835/- दिनांक 31 AUG. 2022* तक	26-Sep-22	27-02-2025 (भौतिक कब्जा)	प्लॉट 101, हाउस शीट नंबर 5/4, खसरा 118/1, प.ह. नंबर 22, मौजा तालापारा, कॉलोनी ग्रीन पार्क, वार्ड नंबर 9, बिलासपुर

श्रीमती प्रकाश आशा, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाटा, बिलासपुर-छ.ग.-495001.
अन्य पताः-श्री प्रकाश अनोश, काली ढाबा के पीछे, हिर्री माइंस, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.- 495224.
अन्य पताः-श्रीमती प्रकाश रशिम अनोश, काली ढाबा के पीछे, हिर्री माइंस, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.- 495224.
अन्य पताः-श्रीमती प्रकाश आशा, काली ढाबा के पीछे, हिर्री माइंस, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.- 495224.
अन्य पताः-श्री प्रकाश अनोश, प्रकाश इंटरप्राइजेज, काली ढाबा के पीछे न्यू हाई कोर्ट के पास, रायपुर रोड- बिलासपुर-छ.ग.- 495001.

*भुगतान और/या वसूली की तारीख तक लागू अतिरिक्त ब्याज, आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि के साथ।

हालाँकि, चूँकि ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि देय राशि चुकाने में विफल रहे हैं, इसलिए ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारियों ने धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर वर्णित अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति(यों) पर कब्ज़ा कर लिया है। उक्त अधिनियम ऊपर उल्लेखित तिथियों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ा जाता है।

विशेष रूप से ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे उपरोक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ लेनदेन न करें और उक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ कोई भी लेनदेन एचडीएफसी के बंधक के अधीन होगा। उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा 8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

निकाले गए पंचनामा और बनाई गई सूची की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे सामान्य कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त करें।

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड के लिए
वास्ते
प्राधिकृत अधिकारी

स्थान-बिलासपुर, दिनांक : 02.03.2025

रजिस्टर्ड ऑफिस : एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापती बापत मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013

ASA

HDFC BANK

Branch: Alaska Tower, Lodhipara Road, Shankar Nagar, Raipur, Tel: 0771-4243149/240
CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

व्यक्तिगत सामान/घरेलू सामान हटाने के लिए नोटिस

स. क्र.	उधारकर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारी /कानूनी प्रतिनिधि(ओं) का नाम	डिमांड नोटिस की तारीख	कब्जा की तिथि	सुरक्षित संपत्ति का विवरण/अचल संपत्ति
1.	श्री सिंह नरेन्द्र प्रताप, क्वार्टर नंबर 184/ए/सी, रुआबांधा सेक्टर, भिलाई-490006. श्री राठौड़ जीत कुँवर, क्वार्टर नंबर 184/ए/सी, रुआबांधा सेक्टर, भिलाई-490006.	22-जुलाई-22	16-Jan-2025 (भौतिक कब्जा)	फ्लैट नंबर 21ए, ब्लॉक-H1, 6वीं मंजिल, चौहान टाउन, फेस II और III, क्रमांक, खसरा नंबर 714, 716, 308, प.ह.नंबर 15, मौजा जुनवानी, भिलाई छ.ग.
2.	श्री प्रकाश अनोश, श्रीमती प्रकाश रशीम अनोश, श्रीमती प्रकाश आशा, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर-छ.ग.-495001.	26-सितंबर-22	27-Feb-2025 (भौतिक कब्जा)	प्लॉट 101, हाउस शीट नंबर 5/4, खसरा 118/1, प.ह. नंबर 22, मौजा तालापारा, कॉलोनी ग्रीन पार्क, वार्ड नंबर 9, बिलासपुर

श्री प्रकाश अनोश, श्रीमती प्रकाश रशिम अनोश, श्रीमती प्रकाश आशा, काली ढाबा के पीछे, हिर्री माइंस, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.- 495224.
श्री प्रकाश अनोश, प्रकाश इंटरप्राइजेज, न्यू हाई कोर्ट के पास, काली ढाबा के पीछे, रायपुर रोड- बिलासपुर-छ.ग.- 495001.

जबकि अधोहस्ताक्षरी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) का प्राधिकृत अधिकारी है।
एचडीएफसी के रिकॉर्ड के अनुसार यह सार्वजनिक सूचना इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए जारी की गई है कि एचडीएफसी उपरोक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों के साथ उनके अंतिम ज्ञात पते पर संवाद/संपर्क स्थापित करने में सक्षम नहीं है।
जबकि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारी ने वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (सरफेसी अधिनियम) की धारा 13 (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उधारकर्ता को डिमांड नोटिस जारी किया है। उपरोक्त उल्लिखित तिथियों पर कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि।
उधारकर्ता/कानूनी वारिस/कानूनी प्रतिनिधि द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर उक्त डिमांड नोटिस का अनुपालन करने में विफल रहने पर, एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारी ने अचल संपत्ति का कब्जा ले लिया है (ळशी) / सुरक्षित संपत्ति (ओं) को विशेष रूप से उपरोक्त उल्लिखित तिथियों पर सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के साथ पढ़े गए SARFAESI अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उक्त डिमांड नोटिस (नोट्स) में वर्णित किया गया है।
उक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति पर कब्ज़ा लेने के समय, एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारी ने उसमें पड़े व्यक्तिगत सामान और घरेलू सामान की एक सूची तैयार की है, जिसकी प्रति अधोहस्ताक्षरी से प्राप्त की जा सकती है। कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर।
इन परिस्थितियों में, उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों को नोटिस दिया जाता है कि वे उपरोक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति में पड़े व्यक्तिगत सामान/घरेलू सामान को तुरंत हटा दें। एस)) इसकी तारीख से 10 (दस) दिनों के भीतर, ऐसा न करने पर प्राधिकृत अधिकारी के पास व्यक्तिगत सामान/घरेलू सामान को हटाने और इसे पूरी तरह से उचित समझे जाने वाले तरीके से निपटाने/निपटने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं होगा। उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि पर लागत और परिणाम का जोखिम है, ऐसी स्थिति में, भविष्य में इस संबंध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कृते / प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

स्थान : बिलासपुर, दुर्ग, दिनांक : 02.03.2025

पंजीकृत पता- एचडीएफसी बैंक हाऊस, सेनापती बापट मार्ग, लोवर पर्ल (पश्चिम), मुंबई-400020

ASA

एक गोली खाइए फिट हो जाइए

अपने शरीर को हेल्दी-फिट रखने के लिए अच्छी डाइट के साथ रेग्युलर एक्सरसाइज को जरूरी माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल में एक ऐसी गोली बनाने में सफलता हासिल की है, जिसे खाने से 10 किमी. दौड़ने के बराबर का एक्सरसाइज बेनिफिट मिल जाएगा। कैसी है ये कमाल की गोली, कैसे करेगी काम और किसके लिए होगी फायदेमंद, आप जरूर जानना चाहेंगे।

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

अच्छी सेहत के लिए डॉक्टर से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट और अनुभवी लोग भी एक ही सुझाव देते हैं-डेली एक्सरसाइज कीजिए। लेकिन अगर कोई इतना अशक्त हो कि वो हाथ-पैर हिला ही नहीं पाए तो वो क्या करे? विज्ञान ने ऐसे व्यक्ति के लिए भी अब रास्ता निकाल लिया है कि वह एक इंच हिले बिना भी अच्छे वर्कआउट का स्वास्थ्य लाभ अर्जित कर सकता है।

बना ली गई करामाती गोली

डेनमार्क देश की आरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक पिल (गोली) विकसित की है, जो शरीर में 10 किमी. दौड़ के मेटाबॉलिक (पाचन) प्रभाव जितना असर पैदा कर सकती है, वह भी बिना पसीना बहाए। 'पफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' नामक जर्नल में इस शोध उपलब्धि को प्रकाशित किया गया है। इसके मुख्य शोधकर्ता और केमिस्ट डॉ. थॉमस पौल्सेन ने बताया, 'हमने एक मॉलिक्यूल विकसित किया है, जो शरीर में कड़ी एक्सरसाइज और फास्टिंग (व्रत) की मेटाबॉलिक प्रतिक्रिया की नकल उत्पन्न कर सकती है। यह मॉलिक्यूल शरीर को उस मेटाबॉलिक अवस्था में ले आता है, जो कि खाली पेट तेज रफ्तार 10 किमी. की दौड़ के समान होता है।' इस मॉलिक्यूल को नाम दिया गया है-लाके। फिलहाल, इसे लैब में चूहों पर टेस्ट किया जा रहा है, जिनमें टॉक्सिसिटी के कोई चिन्ह दिखाई नहीं दिए हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि लाके ने टॉक्सिंस शरीर से फ्लश आउट कर दिए और इससे उनका हार्ट मजबूत भी हो गया।

बनती रही हैं ऐसी दवाएं

'एक्सरसाइज पिल' का विचार एक दशक से अधिक समय पूर्व से चर्चा में रहा है। अनेक शोधकर्ता उन कंपाउंड्स से प्रयोग कर रहे हैं, जो तीव्र फिजिकल एक्टिविटी के बायोलॉजिकल प्रभावों का मुकाबला कर सकें। लाके एकमात्र पिल नहीं है, जो वर्कआउट के लाभ प्रदान करती है। पिछले साल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एसएलयूपीपी-332 नामक कंपाउंड विकसित किया था, जिसने चूहों में मेटाबॉलिज्म और सहनशीलता में इतनी वृद्धि की कि वह पहले की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दौड़ने लगे। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और फार्मेसी के प्रोफेसर थॉमस बर्रिस के अनुसार, 'यह कंपाउंड बुनियादी तौर पर स्केलटेल मांसपेशियों को बताता है कि वह वही परिवर्तन लाएं, जो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान देखने को मिलता है।'

'द गार्जियन' के अनुसार सैन डिएगो के सालक इंस्टिट्यूट ने 2008 में जीडब्लू 501516 (संक्षेप में 516) ड्रग विकसित की। यह मुख्य जींस को संकेत भेजती है कि शुगर की जगह फैट को बर्न करे। लेकिन इस ड्रग का एक वैरिएंट धावकों के लिए डोपिंग ड्रग बनकर रह गया। फिर 2015 में कंपाउंड 14 नामक एक अन्य ड्रग विकसित की गई, जिससे यह बात प्रकाश में आई कि यह मोटे चूहों का ग्लूकोज टॉलरेंस बेहतर करके वजन कम कर सकती है। यह सभी प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ड्रग्स के उस वर्ग से संबंधित हैं, जिसे 'एक्सरसाइज मिमेटिक्स' कहते हैं, जो आवश्यक रूप से शरीर में उन अलग-अलग मार्गों को सक्रिय करते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक्सरसाइज से प्रभावित होते हैं। इन ड्रग्स में क्षमता है कि अल्झाइमर, पार्किंसन और डिमेंशिया को होने से देर तक रोके रखें और मधुमेह, मोटापे की रोकथाम में भी मदद करें।

अक्षम लोगों के लिए होगी वरदान

एक बार जब इस दवा के इंसानों पर ट्रायल पूरे हो जाएंगे तो इनमें से कुछ ड्रग्स को वजन कम करने वाली ड्रग्स के साथ भी दिया जा सकेगा जैसे ओजेंपिक, जो विशेष रूप से बुजुर्गों को सरकोपेनिया की स्थिति में दी जाती है ताकि मांसपेशियों की क्षति को रोका जा सके। अगर इंसानों को एक गोली से एक्सरसाइज के फायदे मिलने लगेंगे, इससे उनकी फिटनेस परफेक्ट हो जाएगी तो यह उन लोगों के लिए चमत्कार होगी, जो फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, जैसे-बुजुर्ग, शारीरिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, जिन्हें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जिनकी कोई ऐसी सर्जरी हुई है कि मूवमेंट न कर पा रहे हों या अन्य लोग, जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

एक्सरसाइज करना है बेस्ट

बीमार या अक्षम लोगों की बात छोड़ दें तो अन्य स्वस्थ लोगों के लिए यही बेहतर होगा कि वे सुबह देर तक यह सोचकर न सोते रहें कि पलंग पर पड़े हुए गोली खाकर फिट हो जाएंगे। उनके लिए यही उचित होगा कि मैदान में निकलें, वॉकिंग करें, रनिंग करें या मनपसंद एक्सरसाइज करें। इस बात को समझ लेना चाहिए कि फिजिकल एक्सरसाइज का कोई विकल्प नहीं है, उससे न केवल शरीर स्वस्थ बनता है, मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। *

एक्सरसाइज का शरीर पर रिएक्शन

इस दवा के एक्शन को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक्सरसाइज की शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है और लाके उसकी कैसे नकल करता है? खाली पेट कड़ा वर्कआउट, ब्लड प्लाज्मा के स्तर पर लेक्टेट रसायन में तेजी से वृद्धि कर देता है, इसके बाद बीटा-हाइड्रोक्सीबूटीरेट (बीएचबी) नामक एक अन्य रसायन कीटोन में धीरे-धीरे वृद्धि करता है। कीटोन जिगर में उस समय बनते हैं, जब पर्याप्त ग्लूकोज की अनुपस्थिति में शरीर जिगर में ऊर्जा के लिए फैट को तोड़ता है। ये दोनों रसायन भूख को कम करते हैं। साथ ही हृदय रोगों, टाइप 2 डायबिटीज के खतरों को भी कम करते हैं। इसके अलावा दिमागी फंक्शन को बेहतर करते हुए डिप्रेशन को कम करते हैं। ये सब फायदे केवल डाइट से हासिल नहीं हो सकतीं, क्योंकि जिस मात्रा में लेक्टेट और बीएचबी की जरूरत होती है, उससे अनावश्यक बायप्रोडक्ट्स जैसे नमक और एसिड मिल जाते हैं। कृत्रिम रूप से तैयार लाके से ये रसायन, ओरली मिल जाते हैं, बिना हानिकारक साइड इफेक्ट्स के।

जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति खूब हंसता-मुस्कुराता नजर आए, वो वास्तव में मन से खुश है। उदासी को मुस्कान से ढंकने वाले लोग स्माइलिंग डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को घर-परिवार से लेकर वर्कप्लेस तक, सपोर्ट की जरूरत होती है।

मुस्कान से ढंकी उदासी स्माइलिंग डिप्रेशन

लाइफस्टाइल
मोनिका शर्मा

दुःख भी हंसी की ओट ले सकता है। टूटते-बिखरते दिल को थामकर भी सधी सी बातें की जा सकती हैं। उलझनों में घिरकर भी सुखद एहसास लोगों के सामने रखे जा सकते हैं। दरअसल, इंसान का व्यवहार हालात के मुताबिक कई रंग ओढ़ लेता है। कभी इसका कारण अपनों की बेरुखी होती है तो कभी समाज से मिला बेगानापन। ऐसे में कुछ लोग अपने आप तक सिमटने की राह चुन लेते हैं। चुप्पी के तले एक शोर गूंजता है पर सुनाई किसी को नहीं देता। ठहाकों को साथ रखने के बावजूद मन में सब कुछ ठहर गया होता है। यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कही जाती है।

अवास्तविक छवि का आवरण: मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर अवास्तविक सी छवि बनाते लोग अवसाद को भी मुस्कुराहटों की परतों तले छिपाने लगे हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को अपनों-परायों तक पहुंचाते आभासी परिवेश में मुस्कुराते चेहरों के पीछे छिपी मुरझाती मनःस्थिति कोई नहीं देख पाता या यूं कहें कि देखना भी नहीं चाहता। न ही इन परिस्थितियों को जी रहा इंसान स्वयं यह सच किसी को दिखाना चाहता है। विज्ञान की भाषा में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाने वाला यह व्यवहार अब हर उम्र के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा है। हंसता-खिलखिलाता अंदाज पीड़ादाई अनुभूतियों का आवरण बन गया है। अपनों-परायों के सामने ठहाके लगाते बहुत से चेहरे, अपने भीतर सुस्ती, थकान और अकेलेपन से जूझते हुए जीवन बिता रहे हैं। उनका मन-मस्तिष्क नाउम्मीदी और नकारात्मता के घेरे में है। मुरझाता मन और मुस्कुराता चेहरा, बहुत से लोगों के लिए सब कुछ होकर भी कुछ न होने के हालातों को बयान करने वाला बर्ताव है। चिंतनीय है कि अब ऐसे लोगों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नकलीपन का आवरण असली भावों को छिपाने लगा है। यही कारण है कि हर ओर दिखती बेहतरी के बावजूद मन से बीमार होते लोगों की संख्या बढ़ी है।

बदल गया परिवेश: सवाल यह है कि मन की टूटन को छिपाने का यह परिवेश आखिर कैसे बन गया? क्यों हर व्यक्ति को यह लगने लगा कि दुःख को बताने-जताने से कहीं अच्छा हंसते-खिलखिलाते हुए लोगों का सामना करना है। किस तरह यह आवरण बड़े-बुजुर्गों की पीड़ा से लेकर बच्चों की मानसिक उलझन तक पर पर्दा डालने का माध्यम बन गया है? क्यों किसी के मन को समझने-जानने की कोशिश नहीं की जाती? जबकि यह अवसाद का ही एक रूप है। ऐसा डिप्रेशन, जिसमें इंसान अपने मन के विषाद को छिपाने के लिए हर जगह, हर हाल में हंसता रहता है। खुशहाल नजर आता है। सार्वजनिक जीवन में जिंदादिल दिखते ऐसे लोग निजी जीवन में अकेलेपन के स्याह साये से जूझते हैं। अध्ययन बताते हैं कि स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति सुखी और संतुष्ट दिखता जरूर है, पर भीतर ही भीतर अवसाद से जूझता है। यही कारण है कि स्माइलिंग डिप्रेशन को हाई फंक्शनिंग डिसऑर्डर भी कहा जाता है। ध्यातव्य है कि हाई-फंक्शनिंग डिसऑर्डर के अंतर्गत ऐसी मानसिक समस्याएं आती हैं, जिनमें व्यक्ति सामान्य दिखने के बावजूद अंदर से बीमार रहता है। एक तरह का क्रॉनिक डिप्रेशन कहे जाने वाले इस डिसऑर्डर का शिकार इंसान आम जीवन को सामान्य ढंग से जीते हुए भावनात्मक रूप से असहजता का अनुभव करता है। खुशमिजाजी के पीछे गहरा खालीपन होता है।

सहयोग-संवेदनाओं की कमी: आज के दौर में बिना लाग-लपेट मन की बात कहने का माहौल, घर हो या बाहर कहीं नहीं दिखता। न दुःख साझा करने का भाव दिखता है और न समझने का। यही कारण है कि लोग चुपचाप अपनी पीड़ाओं से जूझने लगे हैं। हर हाल में सहज दिखते हैं। हर परिस्थिति में प्रसन्नता जाहिर करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्तिगत जीवन में चुना जा रहा यह असामान्य व्यवहार असल में असंवेदनशील होते सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का मुखौटा उतारने वाला है। हम अचानक किसी के आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने पर चकित तो होते हैं पर समय रहते तकलीफ साझा करने की पहल नहीं करते। दुखद है कि मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाली इन स्थितियों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

मदद की है दरकार: जरूरी यह है कि वर्किंग प्लेस से लेकर घर-परिवार और आस-पड़ोस तक, स्माइलिंग डिप्रेशन से जूझते लोगों के बर्ताव को समझकर उनका साथ दिया जाए। ऐसी दबी-छुपी समस्याओं को लेकर अब सभी को यह समझना होगा कि कुछ न कहना, सब कुछ कहने जैसा है। जैसे भी संभव हो ऐसे लोगों की मदद की उचित राह तलाशना बेहद आवश्यक है। *

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

खुल के बात कर

छुपाने की जरूरत नहीं, खुल के बात कर
पर पूरी शिद्दत से किसी एक से बात कर

अगर मेरा प्यार तुझे मुतमइन नहीं करता
तुझे जिससे खुशी मिले, तू उससे बात कर

मैं मोहब्बत करुंगा पर मेरी शर्तों पर
या तो मुझसे बात कर, या सबसे बात कर

तेरी मुस्कुराहट मेरी मिलकिय्यत है और मैं
नहीं चाहता तू दूसरों से हंस-हंसके बात कर

अपने दिल में पूरी दुनिया को जगह मत दे
गैरों से एक दूरी एक दायरा रखके बात कर

मेरी मोहब्बत के पिंजरे में तालाबंद नहीं है
या तो उड़ जा या फिर अंदर रहके बात कर

कहानी
संजीव जायसवाल 'संजय'

वह अपनी बच्ची को घुमाने के लिए पार्क में जहां भी जाता, गुब्बारे बेचने वाला एक लड़का वहां पहुंच जाता। एक दिन खीझकर उसने गुब्बारे वाले को डपट दिया। इस पर उस लड़के ने जो कहा, वह बेहद शर्मिंदा महसूस करने लगा। मन को छूती एक मार्मिक कहानी।

गुब्बारे वाला

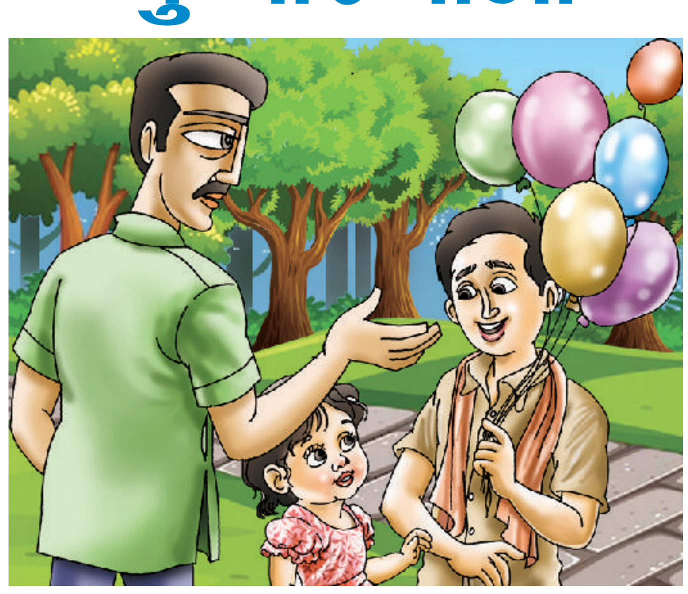

बाबूजी, गुब्बारा ले लीजिए' अचानक वही दुबला-पतला लड़का एक बार फिर सामने आकर खड़ा हो गया।

'मुझे नहीं लेना, चलो भागो यहां से।' मैंने झल्लाते हुए उसे डपट दिया।

'ले लीजए न बाबूजी, देखिए कितने अच्छे गुब्बारे हैं! लाल, हरे, नीले, पीले हर रंग के प्यारे-प्यारे गुब्बारे। बिटिया को बहुत पसंद आएंगे।' उसने जोर देते हुए कहा।

मैं उसे दोबारा डपटने जा ही रहा था कि रचना तुतलाते हुए बोली, 'पापा, जे पीला वाला गुब्बारा बौत अच्छा है.. इछे दिला दीजिए।'

मैं रचना की कोई बात नहीं टालता था। अतः न चाहते हुए भी उसे गुब्बारा दिलवाना पड़ा। वो लड़का एक रुपया लेकर खुशी-खुशी वहां से चला गया।

पिछले महीने पत्नी (दीप्ति) की मौत के बाद रचना की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई थी। मैं रोज शाम उसे गोद में लेकर पार्क में आ जाता था। पार्क की इस बेंच पर बैठ कर मुझे बहुत शांति मिलती थी क्योंकि दीप्ति की यह पसंदीदा जगह हुआ करती थी। यहां आकर मुझे ऐसा लगता, जैसे वो मेरे साथ बैठी हो। मैं घंटों उसकी याद में खोया रहता।

पिछले कुछ दिनों से इस गुब्बारे वाले के कारण मुझे बहुत कोफ्त होने लगी थी। मैं इस बेंच पर आकर बैठता ही था कि यमदूत की तरह वह आ धमकता। बिना गुब्बारे बेचे टलता ही न था। उसे देखकर ही मुझे उलझन होने लगती थी।

एक दिन तंग आकर मैंने तय कर लिया कि कल से इस बेंच पर बैठूंगा ही नहीं। पार्क में बैठने के लिए मैंने पेड़ों के झुरमुट के पीछे एक दूसरी जगह तलाश ली थी। वहां लोगों की दृष्टि कम ही पड़ती थी, इसलिए वहां काफी शांति थी।

अगले दिन मैं रचना के साथ वहां जाकर बैठ गया। धीरे-धीरे आधा घंटा बीत गया। मैं मन ही मन खुश था कि आज गुब्बारे वाले लड़के ने मेरी शांति भंग नहीं की। तभी वह लड़का भूत जैसा वहां आ टपका, 'अरे, बाबूजी, आप यहां बैठे हैं। मैं समझा कि आज आप आएंगे ही नहीं।' फिर अपने गुब्बारों का झुंड रचना की तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'बिटिया रानी, कौन-सा गुब्बारा दूं?'

'अबे, बिटिया रानी के भइया.., तू मुझे चैन से बैठने क्यों नहीं देता? जहां जाता हूं वहां आ धमकता है। क्या तेरे पास और कोई जगह नहीं है?' मैंने उसे बुरी तरह फटकार दिया।

डांट खाकर उस लड़के की आंखें छलछला आईं। वह उन्हें पोंछते हुए बोला, 'बाबूजी, माफ करिएगा, आपको दुख पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। कुछ दिनों पहले एक दुर्घटना में मेरे माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। मेरे पास स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसीलिए रोज शाम पार्क में गुब्बारे बेचने चला आता हूं। जिनकी गोद में बच्चे होते हैं, वे आसानी से गुब्बारे खरीद लेते हैं। इसीलिए आपके पास आ जाता था।'

इतना कहकर वह लड़का वहां से जाने लगा। मुझे अपने व्यवहार पर बहुत आत्मग्लानि हुई। मेरे दुख से उसका दुख ज्यादा बड़ा था। मैंने उसे आवाज देकर बुलाया और 100 रुपए का नोट उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'इसे रख लो।'

'यह किसलिए?' उस लड़के का स्वर कांप उठा।

'तुम्हारी फीस के काम आएंगे' मैंने उसे समझाने का प्रयास किया।

यह सुनकर उस लड़के की आंखें एक बार फिर छलछला आईं। वह भर्राए स्वर में बोला, 'बाबूजी, मैं बेसहारा जरूर हूं, मगर भिखारी नहीं।'

'मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो सिर्फ तुम्हारी मदद करना चाहता था।' मैंने बात संभालने की कोशिश की।

उस लड़के ने पल भर के लिए मेरी ओर देखा फिर बोला, 'अगर आप मदद करना चाहते हैं तो सिर्फ इतना वादा कीजिए कि फिर कभी किसी गरीब को दुत्कारेंगे नहीं।'

इतना कह कर वह तेजी से वहां से चला गया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मेरे अंदर इतना साहस नहीं बचा था कि उसे रोक सकूं। उसके आगे मैं अपने को बहुत छोटा महसूस कर रहा था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कारुणिक उजाला फैलाती दियासलाई

इस दुनिया में कई लोग अपने जीवनकाल में ही किंवदंती जैसे बन जाते हैं। वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, ऐसी ही शख्सियत हैं। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर विदिशा में जन्म लेने वाले कैलाश शुरू से ही देश, समाज और दुनिया में प्रताड़ना, हिंसा और शोषण के शिकार बच्चों के लिए कुछ करना चाहते थे। इसी मनो-संकल्प का यह परिणाम हुआ कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बच्चों की सुरक्षा और उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पांच दशक से अधिक की इस यात्रा में उन्हें किन-किन पड़ावों से गुजरना पड़ा, व्यक्तिगत-पारिवारिक जीवन में कैसे संघर्ष करने पड़े, किस-किस तरह के आरोप-आक्षेप सहने पड़े, कितनी बार अपने प्राणों को भी संकट में डालना पड़ा, इन तमाम अनुभूतियों और भोगे हुए यथार्थ को उन्होंने अपनी आत्मकथा में संजोया है। हाल में ही उनकी आत्मकथा 'दियासलाई' पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई है। इस किताब में ऐसे अनेक प्रसंग मौजूद हैं, जिससे साबित होता है कि कोई साधारण व्यक्ति, केवल अपने विचार, कर्म और महान जीवन उद्देश्य से ही असाधारण बन सकता है।

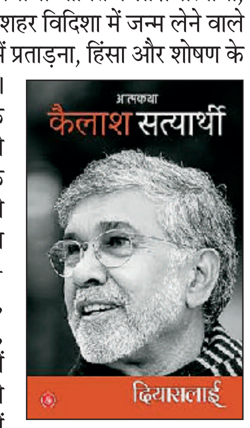

पुस्तक: दियासलाई (आत्मकथा), **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **मूल्य:** 599 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

दियासलाई जैसी छोटी सी चीज में भी कितनी संभावना व्याप्त हो सकती है, कैसे वो समाज में करुणा का उजाला प्रसारित कर सकती है, इस आत्मकथा का शीर्षक इसे साबित करता है। अच्छी बात यह है कि इस आत्मकथा में लेखक ने अपनी कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकार किया है। कहीं भी खुद को महान या दोषरहित सिद्ध करने की कोशिश नहीं की है। *

रचनाएं आमंत्रित...
हिंदी दैनिक हरिभूमि के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

सेक्सटार्सन, डिजिटल अरेस्ट, शेयर ट्रेडिंग का झांसा देने के बाद ओटीपी कॉल मर्ज कर ठगी का नया पैटर्न

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले ठगी करने हर तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। जालसाजों ने ठगी करने नया हथकंडा अपनाया है, जिसमें जालसाजों को मैनुअल तरीके से ओटीपी हासिल करने की जरूरत नहीं है। ओटीपी स्वयं उनके पास पहुंच जाएगी, इसके बाद जालसाज आपके अकाउंट को खाली कर सकते हैं। हालांकि राज्य में अब तक इस प्रकार की ठगी की घटना सामने नहीं आई है, बावजूद इसके साइबर पुलिस अलर्ट है और लोगों को किसी अंजान नंबर से आए कॉल करने वाले के कहने पर अपना कॉल मर्ज नहीं करने सतर्क किया है।

जालसाज करीबी बनकर कॉल से झांसे में लेकर कॉल मर्ज कराकर कर रहे ठगी

नए पैटर्न की ठगी को लेकर नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के यूपीआई ने भी इस नए तरीके के ठगी के शिकार होने से बचने के लिए एडवाइजरी जारी की है। उसने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए चेतावनी दी है कि साइबर ठग आपको ओटीपी बताने के लिए कॉल मर्जिंग का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके झांसे में न आएं, सतर्क रहें और अपने पैसे की सुरक्षा करें। पूर्व में जालसाज लोगों को उनके एटीएम ब्लॉक होने का झांसा देकर एटीएम का पासवर्ड हासिल कर ठगी करते थे। कॉल मर्जिंग कर ठगी करना उसी का एडवांस स्वरूप है।

ऐसे करते हैं ठगी

जालसाज किसी को कॉल कर उनके किसी करीबी रिश्तेदार या दोस्त से नंबर मिलने का झांसा देकर अपनी बातों में उलझाते हैं। विश्वास हासिल करने सामने वाले से बात कराने लाइन में होने का झांसा देकर कॉल मर्ज करने के लिए कहते हैं। इसके बाद सामने वाले के मोबाइल में कॉल वेटिंग आने लगता है। जालसाज के झांसे में आकर अगर कोई अपना कॉल मर्ज कर लेता है, ऐसे में जालसाज बैंक संबंधित जानकारी की ओटीपी हॉसिल कर चुटकियों में अकाउंट खाली कर देता है।

कॉल मर्ज स्कैम से ऐसे बचें

- किसी भी अंजान नंबर से बात करते समय दूसरी कॉल मर्ज न करें
- किसी से फोन पर बात करने किसी का वेटिंग कॉल आए, तो पहली कॉल कट करने के बाद ही कॉल रिसीव करें
- अगर अंजान व्यक्ति किसी परिचित या दोस्त का हवाला देकर बात करे, तो इसकी पहले पुष्टि कर लें, इसके बाद बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ाएं
- अगर कॉल के माध्यम से आपको ऐसे लेन देन का ओटीपी मिला है, जिसे आपने शुरू ही नहीं किया है। ऐसी स्थिति में इसकी शिकायत 1930 के साथ ही डब्लूडब्लूडब्लू डॉट साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर कर सकते हैं।

कॉल मर्जिंग कॉल ओटीपी वाइस कॉल होता है

मोबाइल में दो तरह से ओटीपी जनरेट किया जाता है। इसमें एक एसएमएस के मध्यम से तो दूसरा वॉइस के माध्यम से ओटीपी जनरेट किया जाता है। जालसाज कॉल मर्जिंग को सुन ओटीपी की जानकारी हासिल कर अकाउंट में सेंध लगाने का काम करते हैं। इससे बचने के लिए किसी भी अंजान नंबर से किए गए कॉल की ओटीपी मर्ज नहीं करने साइबर पुलिस के अलावा एक्सपर्ट ने लोगों को समझाइश दी है।

निगम सभापति, पालिका उपाध्यक्ष और जिला पंचायत अध्यक्ष के दावेदारों का पैनल बनाने में जुटी भाजपा

रायपुर। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के परिणाम आने के बाद अब भाजपा का प्रदेश संगठन नगर निगम के सभापति, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के उपाध्यक्षों के साथ ही अब जिला पंचायतों के अध्यक्ष के लिए प्रत्याशी तय करने की कवायद में जुट गया है। सभी के लिए पर्यवेक्षक भी तय हो गए हैं। सभी पर्यवेक्षक अपनी-अपनी जिम्मेदारी वाले निकायों में जाकर रायुशमारी करने के बाद तीन मार्च तक प्रदेश संगठन को दावेदारों का पैनल सौंप देंगे। इसके बाद जिस दिन जिस निकाय या फिर जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव होगा, उस दिन वहां का प्रत्याशी घोषित कर दिया जाएगा। नगरीय निकाय चुनाव में प्रदेश के सभी निगमों में भाजपा के महापौर बने हैं। इसी के साथ 49 नगर पालिकाओं में से 35 में भाजपा के अध्यक्ष बने हैं। नगर पंचायतों में भाजपा के 81 स्थानों पर अध्यक्ष बने हैं। अब भाजपा ने सभी स्थानों के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त करके उनको सभापति, उपाध्यक्षों के दावेदारों का पैनल बनाने का काम सौंपा है। पहले जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव एक ही दिन पांच मार्च को होने थे, पर इसको बदलकर 4 से 12 मार्च तक का समय तय किया गया है। भाजपा ने 33 जिलों के लिए पर्यवेक्षक तय कर दिए हैं। रायपुर का शिवरतन शर्मा, बलौदाबाजार का रूपकुमारी चौधरी, गरियाबंद का सुरेंद्र पाटनी, महासमुंद का जगन्नाथ पाणिग्रही, धमतरी का मोतीलाल साहू, दुर्ग का गौरीशंकर अग्रवाल, बेमेतरा, भरत लाल वर्मा, बालोद अजय चंद्राकर, राजनांदगांव का भूपेंद्र सवन्नी, मोहला मानपुर का नीलू शर्मा, खैरागढ़ का रमेश पटेल, कवर्धा का नारायण सिंह चंदेल, कांकेर का यशवंत जैन, कोंडागांव का सतीश लाटिया, नारायणपुर का भरत मटियारा, बस्तर का रजनीश सिंह, दंतेवाड़ा का श्रीनिवास राव मद्दी, सुकमा का दिनेश कश्यप, बीजापुर का गौतम गोलछा, बिलासपुर का राजीव अग्रवाल, मरवाही का एसडी बड़गैया, मुंगेली का प्रहलाद रजक, सक्ती का राजा पांडेय, जांजगीर-चांपा का छगन मुदड़ा, कोरबा का धरमलाल कौशिक, बिलाईगढ़ उमेश अग्रवाल, रायगढ़ का सियाराम साहू, जशपुर का अनिल सिंह, सरगुजा का कृष्णा राय, सूरजपुर का अनुराग सिंहदेव, बलरामपुर का अखिलेश सोनी, मनेंद्रगढ़ का भीमसेन अग्रवाल और कोरिया का संजय श्रीवास्तव को पर्यवेक्षक बनाया गया है।

ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी का कार्यकाल बढ़ा

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला का राज्य शासन ने एक वर्ष का कार्यकाल बढ़ा दिया है। श्री शुक्ला 28 फरवरी 2024 से ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। श्री शुक्ला ट्रांसमिशन कंपनी में अपने मूल पद कार्यपालक निदेशक से इस वर्ष 31 जुलाई को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होते, लेकिन अब नए आदेश से उन्हें फरवरी 2026 तक काम करने का मौका मिल गया है।

राशिफल

मेष – मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव हो सकता है। बातचीत में सन्तुलित रहें। भवन की साज–सज्जा पर खर्च बढ़ेंगे। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष – मीठे खानपान में रुचि बढ़ सकती है। मन परेशान हो सकता है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन – परिश्रम भी अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कर्क – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सिंह – मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या – भागदौड़ अधिक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – व्यर्थ के क्रोध से बचें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार में फायदा होगा।

धनु – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। उच्च शिक्षा के लिए विदेश भी जा सकते हैं। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च बढ़ेंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

मकर – लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में मान–सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

कुंभ – क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। वाहन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा खर्च

मीन – परिवार में सुख–शान्ति रहेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। मान–सम्मान में वृद्धि होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष

बैकुंठपुर में यही ....

स्त्रोतों या दूर-दराज के हैंडपंपों पर निर्भर रहना पड़ता है।

अधूरे कार्य, ठेकेदारों को हो गया भुगतान, नहीं पहुंचा पानी

काम का निरीक्षण किया जाएगा- कोटा ब्लॉक में बने ज्यातदातर ओवरहेड टैंक में अरपा भैंसाझार से पानी आना है, लेकिन अभी पूरा काम नहीं हो सका है। इसमें करीब 6 माह का समय लग सकता है। फिर भी गांव में हुए कामों का निरीक्षण कराया जाएगा। **-अरूण भार्गव एसडीओ, पीएचई**

राजनांदगांव के सात गांव ....

की पेयजल समस्या को दूर करने के लिए हर घर नल एवं पाइप लाइन का विस्तार किया जा चुका है। तथा लाखों की लागत से पानी टंकी का निर्माण का कार्य जारी है। बोर की क्षमता के मुताबिक अतिरिक्त पाइन डाल कर मशीन को नीचे उतारा जा चुका है। फिर भी जल अता पता नहीं है। **ग्रीष्म ऋतु शुरू होने से पहले जल स्त्रोत गिरा-** ग्रीष्म ऋतु शुरू होने से पहले ही जल स्त्रोत में आई कमी के चलते यहां के ग्रामीणों को पेयजल के लिए तरसना पड़ रहा है। गर्मी बढ़ जाने के बाद इनकी समस्या और भी गंभीर हो जायेगा। ग्रामीणों का कहना है कि योजना का लाखों रुपये खर्च कर पेयजल आपूर्ति कराने का कार्य किया जा रहा है। तो बोर एवं निर्माण कार्य भी ऐसे स्थान पर किया जाना था जहां पर जल का स्त्रोत बेहतर हो और बिना किसी रूकावट के ग्रामीणों को पेयजल की आपूर्ति हो सके।

653 गांव ऐसे ...

काम पूरा कर दिया है। अब जल स्त्रोत के संबंध में पीएचई विभाग को काम करना है। राज्य सरकार ने मिशन के तहत ऐसे 1660 ग्रामों की सूची जारी की है, जहां पर जल जीवन मिशन के तहत काम पूरा किया जा चुका है, लेकिन इन ग्रामों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। यहां काम कराए जाने के पहले इस ओर ध्यान नहीं दिए जाने के कारण एजेंसियों ने अपना काम पूरा कर ग्राम सभा से अनुमादन ले लिया है। अधिकारियों ने बताया कि हर स्कीम में स्त्रोत आइडेंटिटिफ़ाई था। अप्रैल 2023 में हैंडपंप का टेंडर हुआ, वहां पर पानी की खोज के लिए बोरवेल खोदे गए, लेकिन पानी नहीं मिला। ***ऐसे क्षेत्रों के लिए नया प्लान*** *- बताया जाता है कि पीएचई विभाग ने इस मसले को हल करने का भी प्लान तैयार किया है। छत्तीसगढ़ राज्य के ऐसे इलाके जहां भू-जल स्तर की स्थिति अच्छी नहीं है, उन इलाकों में ग्राउंड वाटर रीचार्जिंग के स्ट्रक्चर और सस्टनेबल ग्राउंड सोर्स का चिन्हांकन किया जाएगा, ताकि उन इलाकों में भू-जल संवर्धन के साथ पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था को बेहतर किया जा सके। वहीं जिन गांवों में भू-जल या तो पूरी तरह से खारा हो गया है या पानी में भारी तत्वों की मौजूदगी मिलने के अलावा कुछ गांवों में भू-जल स्तर खतरे के निशान से भी नीचे चला गया है, वहां पर पानी जल जीवन मिशन के तहत मल्टी विलेज स्कीम लागू करने की मंजूरी दी गई।* ***ऐसे क्षेत्रों के लिए नया प्लान*** *- बताया जाता है कि पीएचई विभाग ने इस मसले को हल करने का भी प्लान तैयार किया है। छत्तीसगढ़ राज्य के ऐसे इलाके जहां भू-जल स्तर की स्थिति अच्छी नहीं है, उन इलाकों में ग्राउंड वाटर रीचार्जिंग के स्ट्रक्चर और सस्टनेबल ग्राउंड सोर्स का चिन्हांकन किया जाएगा, ताकि उन इलाकों में भू-जल संवर्धन के साथ पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था को बेहतर किया जा सके। वहीं जिन गांवों में भू-जल या तो पूरी तरह से खारा हो गया है या पानी में भारी तत्वों की मौजूदगी मिलने के अलावा कुछ गांवों में भू-जल स्तर खतरे के निशान से भी नीचे चला गया है, वहां पर पानी जल जीवन मिशन के तहत मल्टी विलेज स्कीम लागू करने की मंजूरी दी गई।*

इन जिलों में ....

ग्रामों में जल स्त्रोत नहीं मिलने के कारण जल जीवन मिशन का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है।

केक काटने पर ....

ने घटना के बाद जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सहित दस लोगों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया था। उसी तरह का वीडियो महापौर मीनल चौबे के बेटे का भी हुआ। कांग्रेस ने इसे राजनीतिक मुद्दा बना दिया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली। मेयर के बेटे सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। सभी को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें जमानत पर छोड़ दिया गया। पुलिस ने मेयर के बेटे मेहुल, पिंटू चंदेल, मनोज गौतम तथा दो अन्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने केक काटे जाने के मामले में अन्य 10 लोगों को भी आरोपी बनाया है।

एक दिन पूर्व ....

अपील की कि सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करें। बीच सड़क पर जन्मदिन मनाने वालों को हिदायत दी है, कि ऐसा कोई काम न करें जो उनको और उनके परिवार के लिए कष्ट का कारण बने। एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने जानकारी दी कि, सड़कों पर जन्मदिन या पारिवारिक आयोजन किए जाने से सड़क जाम होती है। इस तरह की घटना अपराध की श्रेणी में आती है। इस तरह के मामले में गिरफ्तारी के साथ 1 माह की सजा, 5 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा।

मेयर ने मांगी ...

से अवगत करा दिया गया है। मेयर ने कहा कि मैं जनता की सेवा के लिए काम करने आई हूं, मेरे से या मेरे परिवारजनो से कोई तकलीफ हुई है तो मैं क्षमा मांगती हूं।

धमतरी में भी ....

की, ताकि उन्हें आराम मिले। निगम कार्यालय के सामने भाजपा नेता महेंद्र पंडित की अगुवाई में महापौर को भाजपाइयों ने अनाज से तौला एवं मंत्रोचारण के बीच भगवा पगड़ी पहनाई।

लाभ के लिए ...

पीठ राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के एक आदेश के खिलाफ सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। एनसीडीआरसी ने बैंक को निर्देश दिया था कि वह क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो ऑफ इंडिया लिमिटेड (सिबिल) को उधारकर्ता को चूककर्ता के रूप में कथित रूप से गलत रिपोर्ट करने के लिए एड ब्यूरो एडवरटाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड को मुकदमेबाजी लागत के साथ 75 लाख रुपये का मुआवजा दे। इस मामले में, केंद्रीय बैंक ने रजनीकांत अभिनीत 'कोचडयान' के पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए एड ब्यूरो को 10 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया था। ब्यूरो द्वारा भुगतान में चूक के बाद, ऋण वसूली न्यायाधिकरण के समक्ष मुकदमा शुरू किया गया और 3.56 करोड़ रुपये के एकमुश्त भुगतान द्वारा मामले को अंतिम रूप दिया गया। एड ब्यूरो ने तर्क दिया कि एकमुश्त निपटान के अनुसार राशि का भुगतान करने के बावजूद, बैंक ने उसे सिबिल के लिए चूककर्ता के रूप में चिह्नित किया, जिसके परिणामस्वरूप उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा और व्यावसायिक नुकसान हुआ। इसके बाद कंपनी ने बैंक की ओर से सेवा में कमी का आरोप लगाते हुए एनसीडीआरसी से संपर्क किया। एनसीडीआरसी ने एड ब्यूरो की याचिका (उपभोक्ता शिकायत) को स्वीकार कर लिया और बैंक को 75 लाख रुपए का मुआवजा देने तथा यह प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया कि ऋण का निपटारा हो गया है तथा कोई बकाया नहीं बचा है।

कोर्ट की ऐसी ....

महत्वपूर्ण है कि इस मामले में प्रतिवादी संख्या एक को 'उपभोक्ता' नहीं कहा जा सकता, क्योंकि संबंधित लेनदेन, यानी परियोजना ऋण प्राप्त करने का लाभ कमाने वाली गतिविधि से घनिष्ठ संबंध था। वास्तव में, इस ऋण को स्वीकृत करने का प्रमुख उद्देश्य 'कोचडयान' नामक फिल्म के सफल पोस्ट-प्रोडक्शन पर लाभ कमाना था।

रायपुर जिले का हाल...

15 किलोमीटर दूर बिरगांव निगम क्षेत्र के सरोरा और अछोली में पढ़ने वाले मजदूर वर्ग के बेटे-बेटियों को शिक्षा का मंदिर कहलाने वाले स्कूलों में पानी व टॉयलेट की सुविधा भी नहीं मिल रही है। इस वजह से पढ़ने आने वाले बच्चों को टॉयलेट के लिए सुलभ शौचालय में पैसा देना पड़ रहा है। यह खुलासा हरिभूमि टीम द्वारा की गई पड़ताल में हुआ है। **स्कूलों के यूरिनल में गंदगी-** पड़ताल में सरोरा-अछोली के प्राथमिक शाला में सुविधा और अव्यवस्था का आलम देखने को मिला। यूरिनल में गंदगी के चलते बच्चे उपयोग करने से बचते हैं। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि स्कूल कैंपस में जहां जा सकते हैं, वहां दूर से आने वाले बच्चे जाते हैं। स्कूल के आसपास जिनका घर है, वे छुट्टी लेकर घर के टॉयलेट का उपयोग करते हैं। दोनों ही प्राथमिक शालाओं में करीब 6 सौ से ज्यादा छात्र-छात्राएं पढ़ने के लिए जाती है। इनको पेयजल की सुविधा नहीं मिलने से पानी बॉटल घर से लाते हैं।

हम देखने गए...

ने इसे अपना घर बना लिया, और बाकी जगह पर गाय-भैंसों ने डेरा जमा लिया। मामला उजागर होते ही शिक्षा विभाग में हलचल मच गई। जानकारी मिलने के बाद जांच के आदेश दे दिए गए हैं। संकुल समन्वयक से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप और...

इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ 'ओवल ऑफिस' में हुई तीखी बहस के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के 'व्हाइट हाउस' से बाहर निकलते ही यूक्रेन के लोग जेलेंस्की के समर्थन में आ गए और उन्हें देश के हितों का रक्षक करार दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय में हुई बैठक के दौरान ट्रंप और अमेरिका उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने जेलेंस्की से कुछ तीखे सवाल किए और इस दौरान जेलेंस्की थोड़े परेशान दिखे। इस घटना ने मॉस्को में रूसी अधिकारियों को खुश किया होगा और वे इसे अमेरिका तथा जेलेंस्की के संबंधों को खत्म करने वाली घटना के तौर पर देख रहे होंगे। बहरहाल, यूक्रेन के लोग शुक्रवार को जेलेंस्की और ट्रंप के बीच हुई तीखी बहस को लेकर अपने राष्ट्रपति के साथ खड़े दिखे। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की ने देश की गरिमा और हितों के लिए आवाज उठाई।

गुण्डराजगुड़ेम मुठभेड़ में मार...

अभियान के लिए रवाना हुई थी। अभियान के दौरान 1 मार्च की सुबह लगभग 9 बजे से गुण्डराजगुडेम के जंगल क्षेत्र में डीआरजी टीम एवं सशस्त्र माओवादियों के बीच रुक-रुककर कई बार कर मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ उपरांत स्थल की सर्चिंग में 2 वरदीधारी महिला व पुरुष माओवादी का शव के साथ हथियार और नक्सल सामग्री बरामद हुआ है।

कई नक्सलियों के मारे...

आत्मसमर्पण करने के अलावा और कोई विकल्प नही बचा है। इसलिए माओवादी संगठन से अपील है कि वे तत्काल हिंसात्मक गतिविधियों को छोड़कर समाज की मुख्य धारा में जुड़े अन्यथा परिणाम भुगतने को तैयार रहे।

60 दिन में 67 हार्डकोर...

अनुसार और जनता की इच्छा के अनुसार पुलिस मुख्यालय के मार्गदर्शन में बस्तर रेंज में तैनात डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीएएफ व बस्तर फाइटर व अन्य सुरक्षाबलों के जवानों द्वारा मजबूत मनोबल व स्पष्ट लक्ष्य के साथ बस्तर की शांति, सुरक्षा व विकास हेतु समर्पित होकर कार्य किया जा रहा है।

साय ने दिया उद्योगपतियों...

महती योजना रैंप का प्रदेश में शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 9 लाभार्थियों को 2 करोड़ 21 लाख से अधिक, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य संस्करण योजना के तहत 3 लाभार्थियों को 55 लाख से अधिक तथा राज्य में निवेश करने वाले 16 निवेशकों को इनविटेशन टू इन्वेस्ट पत्र वितरित किया। **50 से अधिक उद्यमियों ने निवेश प्रमाण पत्र सौंपा** - मुख्यमंत्री ने कहा, नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद से हम रायपुर, दिल्ली और मुंबई में इंवेस्टर्स कनेक्ट कार्यक्रम कर चुके हैं जिसमें बड़ी संख्या में निवेशकों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई है। नई औद्योगिक नीति के लागू होने के बाद अब तक 1 लाख 23 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले है और 50 से ज्यादा उद्यमियों को निवेश हेतु प्रमाणपत्र भी सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज पदार्थों से समृद्ध है। हम बिजली सरप्लस स्टेट हैं। सेंट्रल इंडिया में होने के कारण कनेक्टिविटी देश के सभी हिस्सों से शानदार है और हमारी नीति और नीयत ने प्रदेश को निवेश के लिए आदर्श स्थल बना दिया है। **कैपिटल एक्सपेंडिचर को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे-** मुख्यमंत्री ने एआई, आईटी, डाटा सेंटर, रोबोटिक्स जैसी नई संभावनाओं के साथ ही फार्मास्युटिकल, रेडीमेड गारमेंट सेक्टर में निवेश के लिए नई औद्योगिक नीति में विशेष प्रोत्साहन दिए जाने की जानकारी दी। उन्होंने सेमी कंडक्टर, डाटा सेंटर और एआई आधारित उद्योगों की स्थापना के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि पिछले 25 वर्षों में प्रदेश की जीएसडीपी 20 गुना बढ़कर 5 लाख करोड़ हो गई है। उन्होंने बताया कि पिछले 25 वर्षों में प्रदेश के बजट का आकार भी बढ़ा है और अब हम कैपिटल एक्सपेंडिचर को बढ़ाने की दिशा में भी लगातार काम कर रहे हैं। **उद्योगों को अनुदान राशि दी जाएगी-** उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा, पिछले 6 वर्षों से जिन उद्योगों को अनुदान की राशि नहीं मिली, उनकी राशि जल्द जारी की जाएगी। सरकार 489 करोड़ रुपए 1049 लघु और बड़े उद्योगों को भुगतान करेगी। इन्वेस्टर्स डायलॉग में मुख्यमंत्री सहित अतिथियों ने 16 निवेशकों को इनविटेशन टू इन्वेस्ट पत्र भी सौंपे, जिसके तहत प्रदेश में लगभग 11 हजार 733 करोड़ रुपए का निवेश होगा और लगभग 9 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।

प्रदेश में 7 नए...

हमने काफी आसान कर दी है, जिससे प्रदेश में निवेश आकर्षित हो रहे हैं। श्री साय ने बताया कि हमारी सरकार उद्योग जगत की सुविधा के लिए नये औद्योगिक पार्क स्थापित कर रही है। इनके तैयार होने के बाद यहां तेजी से निवेशक अपने उद्योग लगा सकेंगे। प्रदेश सरकार ने 7 नये लघु औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना की है तथा 4 बड़े औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना प्रक्रियाधीन है। बस्तर के नगरनार स्टील प्लांट की स्थापना के चलते सहायक ईकाइयों के लिए बड़ी संभावनाएं बनती हैं। इन्हें स्थान देने के लिए नगरनार के पास नियानार में 118 एकड़ भूमि में नये औद्योगिक पार्क की स्थापना की उन्होंने जानकारी भी दी।

कांग्रेस ने प्रदेश के...

की तरह इस्तेमाल कर रही है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन पहुंचकर कांग्रेस महामंत्री को समन और जानकारी देने जाने पर 8 घंटे तक पूछताछ के मामले का कड़ा विरोध करते हुए प्रदेश के सभी जिलों में पुतला फूंका। कांग्रेसियों ने कहा, ईडी भाजपा के इशारे पर विपक्ष को दबाने का षड़यंत्र कर रही है। ईडी भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। ईडी को राजनैतिक दल के कार्यक्रमों के खर्चों एवं पार्टी दफ्तर के निर्माण का ब्योरा जानना है, तो सिर्फ कांग्रेस का ही क्यों, वह भाजपा के भी खर्चों की पड़ताल करे? शनिवार को प्रदेशभर में ईडी का पुतला फूंक कर विरोध जताया गया। रायपुर, बिलासपुर, बस्तर, बलौदाबाजार, गरियाबंद, महासमुंद, धमतरी, दुर्ग शहर, दुर्ग ग्रामीण, भिलाई, बेमेतरा, राजनांदगांव शहर, राजनांदगांव ग्रामीण, कवर्धा, जगदलपुर शहर, सुकमा, नारायणपुर, कोण्डगांव, बीजापुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, मुंगेली, कोरबा शहर, कोरबा ग्रामीण, जांजगीर चांपा, रायगढ़ शहर, रायगढ़ ग्रामीण, जशपुर, सरगुजा, बलरामपुर, कोरिया में ईडी का पुतला फूंका गया। **ईडी कार्यालय का घेराव कल-** प्रदेश कांग्रेस कमेटी जिला स्तरीय प्रदर्शन के बाद 3 मार्च को दोपहर 12 बजे राजधानी के सुभाष स्टेडियम स्थित ईडी दफ्तर का घेराव करेगी।

जशपुर में पानी से...

की मंजूरी राज्य सरकार से ले चुकी ळै। इसे लेकर प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। इसका टेंडर भी हो गया है। इसी के साथ पानी से जो 7700 मेगावाट बिजली बनाने की योजना है, उसमें से एक योजना में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले में हैं जहां 35 सौ मेगावाट बिजली बनाने की योजना प्रारंभ होगी। छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी के कोरबा पश्चिम में 660 मेगावाट के दो संयंत्र लगेंगे। इसके पहले सबसे बड़े दो संयंत्र 500-500 मेगावाट के मड़वा में लगे थे। कोरबा पश्चिम में पॉवर कंपनी के पास अपनी जमीन भी है। यहां 60 साल पुराने 50 मेगावाट के चार और 120 मेगावाट के दो संयंत्र प्रदूषण के कारण बंद हो चुके हैं। अब उसी स्थान पर नए संयंत्र लगाने की तैयारी है। इसे लेकर उत्पादन कंपनी की तैयारी अंतिम चरण में है।

शब्द पहेली - 5794

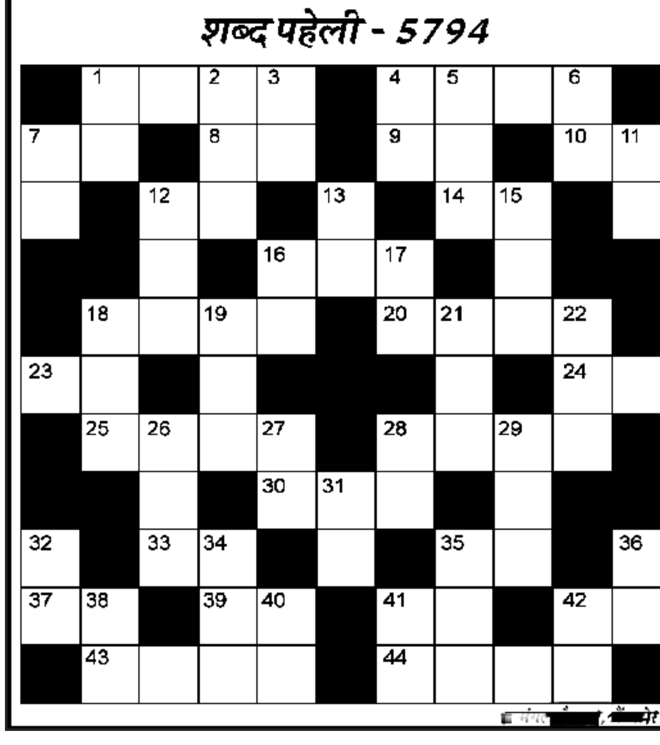

बाएँ से दाए-
1. सुरक्षित-4
4. माहुर, आलता-4
7. कार्य, काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही, कालिख-2
10. भूमि, धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर, होठ-2
16. विशाल, श्रेष्ठ-3
18. आदेश, आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा, हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद, मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर, खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई, छाया-2
43. शिव, रुद्र, शंकर-4
44. सराबोर, सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1. समान, एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना, प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी, गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश, वर्षा-3
16. जी, चित-2
17. मर्द, आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन, प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा, कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत, दुनिया-2
32. प्राण, जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर, तन-2
38. संध्या, सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल, नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग, संगत-2

शब्द पहेली -5793 का हल

सूडोकु नवताल - 5804

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5803 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

आठ साल से बढ़ी नहीं जमीन की कीमत, एक अप्रैल से नई दर होगी तय, अब तक सर्वे भी शुरू नहीं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

रायपुर जिले में पिछले 8 साल से सरकारी बाजार भाव में जमीन की कीमत बढ़ी नहीं है और न ही इन वर्षों में जमीन की कीमत को लेकर कोई सर्वे किया गया है। इस बार भी सर्वे को लेकर अभी तक कोई आदेश जारी नहीं हुआ है, जबकि सर्वे के लिए अब मात्र मार्च का समय ही बचा है, क्योंकि जो भी नई दर लागू होगी वह एक अप्रैल से होगी। इधर सर्वे को लेकर एसडीएम नंदकुमार चौबे ने कहा कि यह रूटीन प्रक्रिया है। हर साल जमीन का सर्वे किया जाता है और इस बार भी किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर तहसीलदार एवं पटवारियों ने बताया कि सर्वे को लेकर अब तक कोई आदेश न जारी हुआ है और न ही उन्हें मिला है। आदेश जारी होने के बाद ही सर्वे का काम शुरू होगा।

रायपुर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले 8 वर्षों में कौन-कौन से इलाके में कितना डेवलपमेंट हुआ है और उन इलाकों में जमीन की कीमत कितनी बढ़ी है, इसका मूल्यांकन सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ही तय होना है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार जिला प्रशासन के निर्देश पर जिले में सर्वे का काम सभी तहसील कार्यालयों के एसडीएम द्वारा कराया जाता है, जिसके लिए उप समिति का गठन किया जाता है। इस समिति में तहसीलदारों से लेकर आरआई और पटवारियों को शामिल किया जाता है, जो अपने-अपने तहसील क्षेत्र के डेवलपमेंट इलाकों में सर्वे कर वहां की जमीन की वर्तमान कीमत का पता लगाकर इसकी रिपोर्ट तैयार करते हैं। इस रिपोर्ट के आधार पर ही उस इलाके की जमीन की कीमत वास्तविक मानी जाती है।

सूत्रों के अनुसार जिले में पिछले 8 साल से जमीन की कीमत को लेकर कोई सर्वे ही नहीं किया गया है। इसके कारण रायपुर, धरसींवा, अभनपुर, आरंग व तिल्दा क्षेत्र में किस इलाके में जमीन का कितनी कीमत चल रही है, इसका अब तक मूल्यांकन ही नहीं हो पाया है। हालांकि तत्कालीन कांग्रेस शासन के कार्यकाल में जमीन की कीमत में बढ़ोतरी की जगह 30 प्रतिशत की छूट दी गई थी। इस छूट के बाद जिले में जमीन की जमकर खरीदी-बिक्री हुई, जिसके कारण पंजीयन विभाग में रजिस्ट्री भी बंपर हुई। इससे शासन को भी राजस्व के रूप में अच्छी आय हुई। राज्य में सरकार बदलने के बाद एक अप्रैल 2024 को 30 प्रतिशत छूट को समाप्त कर दिया गया। इसके बाद रजिस्ट्री फिर महंगी हो गई है, लेकिन जमीन की कीमत अभी भी 8 वर्ष पूर्व कीमत पर ही हो रही है, जबकि इन वर्षों में इसकी कीमत कई गुना बढ़ चुकी हैं।

जमीन की कीमत नहीं बढ़ने का सबसे ज्यादा फायदा भू-माफिया एवं कारोबारी उठा रहे हैं। वे दोनों मनमानी कीमत पर जमीन की खरीदी और बिक्री कर मुनाफा कमा रहे हैं, वहीं सरकारी बाजार भाव में जमीन की कीमत नहीं बढ़ने से रजिस्ट्री में भी उन्हें ज्यादा स्टांप शुल्क देना नहीं पड़ रहा है। इससे सरकार को हर महीने करोड़ों रुपए के राजस्व की क्षति भी हो रही है। कलेक्टर गाइड लाइन में जमीन का बाजार भाव इससे पहले वर्ष 2016 में बढ़ाया गया था।

सरकारी भाव में जमीन की कीमत नहीं बढ़ने का एक कारण चुनाव भी रहा। तत्कालीन कांग्रेस शासनकाल के अंतिम वर्ष में विधानसभा चुनाव और उसके बाद लोकसभा और अब नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने के कारण सरकारी बाजार भाव में जमीन की कीमत बढ़ नहीं पाई।

माहांत तक 40 डिग्री पर तापमान, तीन महीने अधिक गर्मी, लू के दिन और वर्षा की गतिविधि ज्यादा

रायपुर। मार्च की शुरुआत 36-37 डिग्री के तापमान के साथ हो गई है। उतार-चढ़ाव के साथ माह के अंत तक रायपुर समेत अन्य इलाकों में 40-41 डिग्री की गर्मी शुरू हो जाएगी। मौसम विभाग दिल्ली द्वारा जारी किए गए पूर्वानुमान के अनुसार अप्रैल से लेकर मई के महीने में सामान्य से ज्यादा गर्मी, हीट वे की संख्या और बारिश की गतिविधि ज्यादा रहने की संभावना है। प्रदेश के मौसम को प्रभावित करने वाला पश्चिमी विक्षोभ इस बार अधिक संख्या में आया है। जनवरी के ठंड को कम करने के बाद फरवरी में इसकी वजह से मौसम में उतार-चढ़ाव रहा।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

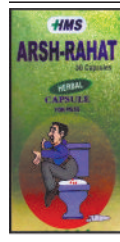
HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है-अनुभवी स्क्रीन प्रिंटिंग करने वाले लड़के एवं हेल्पर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- अंशु प्रिंटर्स, अरपा कॉम्प्लेक्स, नवभारत प्रेस के सामने, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 9827982588 (36993)

आवश्यकता है-इडली, दोसा दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी कुक की आवश्यकता है (कार्य समय सुबह 6:30 से शाम 4 बजे तक) सम्पर्क करें- राजीव गांधी चौक जरहाभाठा बिलासपुर 9098859081, 6265338482 (37000)

आवश्यकता है-ढाबा में काम करने हेतु वेटर, तन्दूर मास्टर हेड मिस्त्री, हेल्पर, बर्तन धोने वाले की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नया हाईकोर्ट के पास रायपुर रोड बिलासपुर 7000942962, 90989 76666 (37003)

आवश्यकता है-कॉलोनी में सुरक्षागार्ड हेतु योग्य व्यक्तियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इच्छुक सम्पर्क करें- सुबह 10 से 3बजे तक रामा वैली आवासीय सहकारी समिति कार्यालय, प्रथम तल ऑफिस नं.-3 शॉपिंग काम्प्लेक्स बोदरी बिलासपुर 8827283767 (36994)

आवश्यकता है-मेंस वेयर (रेडीमेड शॉप) में काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शगुन मेंस वेयर सिम्स के सामने सदर बाजार रोड बिलासपुर (36995)

आवश्यकता है-बच्चे को संभालने हेतु बेबी सिटर, घरेलू सभी काम, साफ सफाई हेतु महिला एवं पुरुष चौकीदार की आवश्यकता है। फैमिली वाले भी सम्पर्क करें- मंगला चौक के पास बिलासपुर 7583808008 (37002)

आवश्यकता है-इंग्लिश मीडियम स्कूल में हेडमिस्ट्रेस, शिक्षिकाएं एवं महिला प्यून चाहिए। बीएड/ डीएलएड, कम्प्यूटर अनुभवी, स्पोकन इंग्लिश वालों को प्राथमिकता पता- भारत भारती विद्या मंदिर, कस्तूरबा नगर, बिलासपुर 9300654801 (व्हाट्सएप) 7489885833 (36996)

आवश्यकता है-वर्षा फैशन में काम करने हेतु अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- वर्षा फैशन, शॉप नं.-62, नरेश बाजार काम्पलेक्स, तेलीपारा रोड, बिलालपुर 98270 96909, 7223056909 (36998)

आवश्यकता है- ज्वैलरी शोरूम में कार्य करने के लिए लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- हॉटल अजीत के बगल में तेलीपारा, बिलासपुर 8839666481, 9827170615 (36999)

आवश्यकता है-होटल में कार्य करने हेतु तीन कुक वेज/ नॉनवेज, दो तन्दूर मास्टर, दो हेल्फर, वेटर होटल स्टाफ की आवश्यकता है पता- ढाबा देशी तड़का उसलापुर बिलासपुर 9300659187 (व्हाट्सएप करें) (36990)

आवश्यकता है-घर के कार्य हेतु अनुभवी महिला/ युवती चाहिए (जो घर के सभी कार्य कर सके) वेतन 6000 से 10000 कॉल करने का समय सुबह 8 से 11बजे सम्पर्क करें- 9977416604 (36991)

आवश्यकता है-सफाई कर्मचारी, रिसेप्शन के लिए अनुभवी व्यक्ति, कुक एवं हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- होटल शिवनेरी सीएमडी कालेज ग्राउंड के सामने लिंक रोड बिलासपुर 7776864202 (36962)

आवश्यकता है-सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर, एचआर एवं बिजनेस डेवलपर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247244800, 99776 49371 (36976)

आवश्यकता है-सायकल दुकान में कार्य करने हेतु सेल्सगर्ल एवं टैली आपरेटर की आवश्यकता है अनुभवी ही सम्पर्क करें- शरन सायकल एंड फिटनेस वसंत विहार कालोनी के पास, सीपत रोड बिलासपुर 9827165670 (36980)

आवश्यकता है-अंकुर डेली नीड्स में काम करने हेतु अनुभवी लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अंकुर डेली नीड्स भाटिया पेट्रोल पम्प के पास महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 8085813131 (36983)

आवश्यकता है-पति पत्नी एक साथ (परिवार वाले) काम करने वाले लेबर की आवश्यकता है बिलासपुर में रह कर काम करना है फेक्ट्री में मो 9425272222 (36957)

आवश्यकता है-दुकान में कार्य करने के लिए लड़के की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति तुरन्त सम्पर्क करें-कॉसमॉस क्रॉकरी सेन्टर जगदीश लॉज के बाजू में सदर बाजार बिलासपुर 7089315253 (36973)

आवश्यकता है-बिलासपुर एवं रायपुर में घर काम करने हेतु लड़की एवं महिला की आवश्यकता है रहने, खाने की सुविधा मुफ्त रहेगी। वेतन 10000 से 12000 प्रति माह सम्पर्क करें- 9244664654, 9109511248 (36969)

आवश्यकता है-काव्या इंटरप्राइजेस में टेलीकॉलिंग, ऑफिस एवं फील्ड कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 8000 से 10000 सम्पर्क करें- HDFC बैंक के सामने मेन रोड तोरवा बिलासपुर 6268047695, 7509347230 (36971)

आवश्यकता है-पेट्रोल पम्प में ड्राइवर, पम्प ऑपरेटर, मैनेजर सफाई कर्मी, चौकीदार एवं अन्य कर्मचारियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जियो बीपी मंदिर चौक बिलासपुर 9201205677 (36966)

आवश्यकता है-स्टेशनरी शॉप में कार्य करने हेतु पार्ट टाइम लड़के/ लड़की की आवश्यकता है। अनुभवी सम्पर्क करें- भाटिया इंटरप्राइजेज नेहरू चौक पेट्रोल पम्प के बाजू में बिलासपुर 7587259295 (36982)

आवश्यकता है-फर्निशिंग शोरूम में कार्य करने हेतु 90 लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार शोरूम में सम्पर्क करें- अर्बन लिविंग, स्विमिंग पूल के सामने, मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 81090 90000, 8319397645 (36985)

आवश्यकता है-नर्सिंग स्टाफ (BSc नर्सिंग GNM) OT टेक्नीशियन, X-Ray टेक्नीशियन, PRO, कुक, ड्राइवर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- मूंदड़ा हॉस्पिटल, गंगा नगर फेस-2 बिलासपुर 8349054531 (36950)

आवश्यकता है-फैक्ट्री होटल हेतु सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड, लेडीगार्ड, मार्केटिंग अधिकारी योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर गार्ड ऊंचाई 5'7" वेतन 12000 से 15000 सम्पर्क-Alert SGS Private Limited, 434, चतुर्थ तल, प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर 77460 00016, 8720005500 (3160)

आवश्यकता है-सिक्युरिटी गार्ड, मार्केटिंग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन 14500 से 18000 सम्पर्क करें- टैंगो सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड ऑफिस 603 ऑरेंज हाइव 6th फ्लोर मोवा रायपुर 8109070600, 78692 30888 (2476)

आवश्यकता है-एक अनुभवी नशा मुक्त ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 15000 प्रति माह सम्पर्क करें- लक्ष्मण सीमेंट सदर बाजार बिलासपुर (36997)

आवश्यकता है- थोक जूता चप्पल दुकान में काम करने हेतु जेंट्स तथा लेडीज सेल्समेन्स मेहनती स्टॉफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार दिया जाएगा सम्पर्क करें- 70009 41144 (36977)

आवश्यकता है-एक शिक्षित व्यक्ति की आवश्यकता है जो 2-3 घंटे 5 वर्षीय बालक को पढ़ाने एवं गतिविधी हेतु सक्षम हो सम्पर्क करें- 78802 41761, 9425219432 वेतन योग्यता अनुसार (36964)

आवश्यकता है- आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप में लड़के, लड़कियां चाहिए। लड़कों के लिए आवास सुविधा वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- फैशन परेड, हनुमान मंदिर के सामने देवकीनंदन चौक, बिलासपुर 9827462467, 9300612477 (36972)

आवश्यकता है-हार्डवेयर एवं लोहा दुकान में कार्य हेतु अनुभवी लड़का चाहिए (कार चलाना जानता हो) बायोडाटा सहित शाम 4बजे के बाद सम्पर्क करें बालाजी सेल्स कार्पोरेशन, मंगला चौक बिलासपुर 9827152999, 6263256324 (36955)

आवश्यकता है-एक प्रशिक्षित पढ़ा लिखा सेल्समैन चाहिए जिसे मार्केटिंग का अनुभव हो सम्पर्क करें- 12 से 1बजे तक हरपालदास एण्ड सन्स सोनथलिया एजेन्सी के सामने, जोन-2 व्यापार विहार बिलासपुर 7509012125, 9993810000 (36953)

आवश्यकता है-हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु नर्स (BSc नर्सिंग) टेक्नीशियन, कम्प्यूटर ऑपरेटर मार्केटिंग स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शाम 5 से 7बजे तक सांईबाबा हॉस्पिटल रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 9827150429 (36949)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- माँ अम्बे रेडीमेड लैण्डमार्क काम्प्लेक्स के सामने करबला रोड बिलासपुर 8959395941 (36954)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 28 वर्ष तक सैलरी 5000+ कमीशन बोनस सम्पर्क करें- 8085106943 (3338)

आवश्यकता है- लोकल एवं बाहर प्लास्टिक पाईप डिलीवरी के लिए पिकप/ छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 12000+ भत्ता (अनुभव के अनुसार) सम्पर्क करें- सिलपहरी इंडस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर 9300734341 (36979)

आवश्यकता है-होलसेल खिलोना दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़को की आवश्यकता है जिसे खिलोना दुकान मे काम करने, कार्टून पैकिंग का अनुभव हो सम्पर्क करें- तेलीपारा बिलासपुर 7711006641, 9753330000 (36813)

आवश्यकता है-Hp world बिलासपुर में सेल एवं सर्विस के लिए अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है वेतन- योग्यता अनुसार सम्पर्क करे- 9300803301 (36968)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है एक्सपीरियंस, टैली के नॉलेज के साथ बेसिक जानकारी भी हो सम्पर्क करें- एक्सपर्ट सिक्योरिटी सर्विस, साईं धाम, जेजे हॉस्पिटल के पास, तोरवा बिलासपुर 8253010291 (36951)

आवश्यकता है-बम्पर भर्ती OMMI मल्टीनेशनल कम्पनी को 140 से अधिक लड़के, लड़कियां की आवश्यकता है आय 10500 से 18500 प्रतिमाह आवास, खाना फ्री परमानेन्ट जॉब पता- दीपसागर कालोनी बिलासपुर 80034 02269, 9519393913 (36922)

आवश्यकता है-शैल वस्त्रालय में अनुभवी सेल्समैन सेल्सगर्ल मेन्स एण्ड वुमैन वियर हेतु- 4, हेल्पर- 4, फोल्डर- 2, अटेंडर- 1 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शैल वस्त्रालय, मेन रोड सत्यम चौक के पास, मसानगंज बिलासपुर 9238107105, 9238107108 (36956)

आवश्यकता है-नौकरी का अवसर सिविल साइट सुपरवाइजर मुख्य जिम्मेदारिया साइट संचालन की निगरानी, प्रबंधन गुणवत्ता नियंत्रण, सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना, ठेकेदारों, श्रमिकों के साथ समन्वय करना, परियोजना की प्रगति पर नजर रखना,प्रबंधन को रिपोर्ट करना योग्यता निर्माण साइट सुपरविजन का अनुभव मजबूत नेतृत्व, संगठनात्मक कौशल निर्माण सामग्री, सुरक्षा प्रोटोकॉल का ज्ञान स्थान सरकंडा बिलासपुर अभी आवेदन करें-79700 10958 (3336)

आवश्यकता है-घर की साफ सफाई हेतु महिला की आवश्यकता है। समय सुबह 9 से दोपहर 2 (5घंटे) वेतन 200 से 250/- रोजी सम्पर्क- रामा वर्ल्ड, सिरगिट्टी मोड़, रायपुर रोड बिलासपुर 9340600776 (36961)

आवश्यकता है-बिलासपुर विनोबा नगर, तिफरा बोदरी, चकरभाठा, बेलमुण्डी हेतु सुरक्षागार्ड की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार तीन फोटो आधार कार्ड सहित तत्काल सम्पर्क करें- 77738 95202, 8109314893 (36959)

आवश्यकता है-एक अनुभवी स्टाफ की आवश्यकता है जो जीएसटी टैली का काम जानता हो सम्पर्क करें- सीए अरुण अग्रवाल मेन रोड विद्या नगर बिलासपुर 9329193601 (36963)

आवश्यकता है-थोक दवाई एजेन्सी में माल निकालने, पैकिंग,जमाने करने हेतु लड़के, लड़कियां एवं ड्राइवर चाहिए इच्छुक सम्पर्क करें-गायत्री मेडिकल एजेन्सी, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर (36920)

आवश्यकता है-नल, पाइप फिटिंग सैनिटरी के थोक दुकान में काम करने हेतु अनुभवी फील्ड सेल्समैन एवं लड़के चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार पता- गीता ट्रेडर्स, काली मंदिर के पास, तिफरा 9179017779, 97523 17779 (36960)

आवश्यकता है-छत्तीसगढ़ के हर जिलों में ड्राइवरों की आवश्यकता है एवं पार्ट टाईम फुल टाईम काम करने वाले लड़को की भी आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें-9202875080 (3340)

आवश्यकता है-अप्रेंटिसशिप अवसर भिलाई के एक प्रतिष्ठित निजी उद्योग में 25 अप्रेंटिस पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों की आवश्यकता है कार्यकाल 1 वर्ष कॉन्ट्रैक्ट आधारित रहेगा स्टाइपेंड 9000-10000 प्रति माह योग्यता डिप्लोमा इंजीनियर, ITI मशीनिस्ट, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, फाउंड्री बीकॉम, बीएससी केवल 2023 -24-25 में उत्तीर्ण उम्मीदवार आवेदन कर सकते है संपर्क करें- 9406082834 Email- hrdept.bhilai123@gmail.com (6239)

आवश्यकता है-मैनेजर एक पद वेतन 10000 या योग्यता, समय अनुसार रोजी वाला नल मिस्त्री प्लम्बर की आवश्यकता है ओरिजनल आईडी सहित आकर मिलें- प्रबंधक अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898, 982794 0898 (36917)

आवश्यकता है-सुरक्षा एजेंसी में कार्य करने हेतु इच्छुक गार्ड संपर्क करें- कार्य स्थल कार का शो रूम बजाज शो रूम एवं मैरिज रिसॉर्ट संपर्क -9981630084, 94255 34940 (3339)

आवश्यकता है-ऑफिस टेलीकॉलिंग ऑफिस कार्य हेतु युवतियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000+ कमीशन+ बोनस ट्रेनिंग के बाद 8000 से 10000 प्रति महीना शीघ्र सम्पर्क करें- बिलासपुर 8085899216 (3337)

आवश्यकता है-वन विभाग तहसील स्तरीय भर्ती पद संख्या 975 वन रक्षक, फील्ड ऑफिसर, माली, सिपाही, ड्राइवर, वेतन- 27500 से 52400 तक आवेदन करने के लिए आधार कार्ड, मार्क शीट, पैन कार्ड व्हाट्सएप करे- 7460994309 (701)

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें 7439736348 (704)

आवश्यकता है-टेलीकालिंग ऑफिस कार्य हेतु महिलाएं युवतियां चाहिए योग्यता 10वीं 12वीं स्नातक समय 9 से शाम 5, सैलरी 5000 से 15000 सम्पर्क करें-स्मार्ट रोड नेहरु नगर गणेश चौक बिलासपुर 7049274510 (1380)

आवश्यकता है-बच्चा संभालने हेतु एवं घर कार्य हेतु 24 घंटे की बाई चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। स्थानः तेलीबांधा रायपुर सम्पर्क करे 9575042814 (3341)

आवश्यकता है-राजेंद्र नगर चौक में हॉस्टल वार्डन हेतु महिला की आवश्यकता है आसपास रहवासी वाले को प्राथमिकता नाईट ड्यूटी वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करे- 9294545000 (3342)

आवश्यकता है-बिलासपुर शुभम विहार में घरेलू कामकाज हेतु एक प्रतिबद्ध मैड की आवश्यकता है उम्र 18साल-35 साल समय 24घंटे वेतन- 8000 से 10000 रहने खाने की सुविधा उपलब्ध है संपर्क करे- 8763668988 (135)

बेचना है

बेचना है- नेहरू चौक से 320 मीटर दूर स्थित इंजीनियर कॉलोनी में 2160 वर्गफुट जमीन पर 1361 वर्गफुट में बना मकान शीघ्र बेचना है कीमत 72 लाख, खरीददार ही सम्पर्क करे-9039777760 (36989)

बेचना है- सीपत रोड किनारे सरकंडा थाना के बगल में डेका गैरेज से लगा बाउंड्रीवाल युक्त 28×78 वर्गफीट साइज का डायवर्टेड प्लाट बेचना है। इच्छुक खरीददार ही सम्पर्क करे-9993283308 (36992)

बेचना है-हर्ष- फिनिक्ससिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 3BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, T&C रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (36177)

बेचना है-रायपुर रोड, हाईकोर्ट के सामने, मेन रोड से 50 मीटर अन्दर न्यू एयरपोर्ट रोड, बोदरी में 50×200= 10000 वर्गफीट व्यवसायिक डायवर्सन, बाउन्ड्रीवाल सहित प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 93003 10774 (36975)

बेचना है-नेहरू नगर प्राईम लोकेशन अर्चना विहार के पास दो मंजिला 3BHK स्वतंत्र पूर्व दिशा मकान एवं सकरी NH से लगा T&C कालोनी में प्लाट एवं 2BHK नवनिर्मित स्वतंत्र मकान बेचना है। सम्पर्क- घोष एसोसिएट्स 9425220523, 9827875257 (36967)

बेचना है-बिलासपुर में गोकुल धाम में सर्वसुविधायुक्त 2BHK, 25×40=1000 वर्गफीट में बना हुआ नवनिर्मित मकान 28 लाख रुपए में बेचना है। सम्पर्क करें-93402 52857 (36988)

बेचना है-बिलासपुर गोल्डन पार्क T&C कॉलोनी हाईकोर्ट से लगा 1820 वर्गफीट जमीन एवं मकान भारतीय नगर माधव तालाब के पास 2236 वर्गफीट में बना डबल स्टोरी बेचना है सम्पर्क करें- 9425228826 (36974)

बेचना है- दिल्ली एकेडमी के पास डबल स्टोरी मकान, गीतांजलि पार्क तीन मंजिला मकान मोपका 47×62 यदुनन्दन नगर 40×50 सीपत 5200 वर्गफुट का प्लाट एवं काठाकोनी मेन रोड में 3.5 एकड़ जमीन बेचना है सम्पर्क करें- जायसवाल बिल्डकॉन 9827199318 (37001)

किराया

किराया-विद्या नगर में 2BHK फर्निश्ड फ्लैट्स एवं दो सेमी फर्निश्ड फ्लैट किराये से देना है। केवल शाकाहारी परिवार ही सम्पर्क करें- 98849 10066, 9425531853, 9826677042 (36981)

व्यापार

व्यापार-अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं 30000 से 50000 प्रति माह कमाएं आटो मेटिक मशीन द्वारा दोना पत्तल डिस्पोजल बनायें कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट सम्पर्क करें-APS इंटरप्राईजेस रायपुर- 9111760925, 7477221345, बिलासपुर- 8359913999, 95892 88936 रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871 (3194)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

वैवाहिकी

वधु चाहिए

मांगलिक वधु चाहिए

32 वर्षीय, 5'4" अग्रवाल/ ग्रेजुएट, बिलासपुर में दुकान व घर है, छत्तीसगढ़ या मध्यप्रदेश से हिंदी भाषी अविवाहित कन्या चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। 6232014944

वधु चाहिए

ब्राह्मण वर्षो से अकेले अधिकारी को अधिकतम 45 वर्ष तक की "जिम्मेदारीमुक्त" महिला साथी चाहिए जाति बंधन नहीं उच्च जाति को प्राथमिकता स्वयं फोन करें. मो.: 7898132122

वधु चाहिए

गुजराती 44/ 5'11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000/- मासिक, युवक हेतु, उच्च जाति बंधन नहीं (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) सम्पर्क करें 9827114645 9131139179

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी एण्ड पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स एण्ड पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

चैंपियंस ट्रॉफी : न्यूजीलैंड के खिलाफ स्पिन को बेहतर खेलने पर रहेगा भारत का फोकस

एजेंसी ▶▶| दुबई

अब तक अपराजेय भारतीय टीम का फोकस स्पिन को बेहतर खेलने पर होगा और न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के आखिरी ग्रुप मैच में रविवार को उन खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है जो अब तक बाहर बैठे हैं। आखिरी ग्रुप मैच जीतने से भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहेगा।

■ मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर आज दोपहर 2.30 बजे

अब सेमीफाइनल में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया से होगा और दोनों के पास बेहतरीन स्पिनर हैं। भारत ने दोनों मैच जीते हैं लेकिन स्पिनरों ने भारतीयों को परेशान किया है और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी न्यूजीलैंड टीम इसका फायदा उठा सकती है।

स्पिनरों का दिख रहा दबदबा

टूर्नामेंट से पहले टीम में पांच स्पिनरों (रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और वॉशिंगटन सुंदर) के चयन को लेकर भारत की आलोचना हो रही थी लेकिन यहां स्पिनरों के दबदबे ने भारत को मजबूती दी है। हाल ही में आईएलटी 20 की मेजबानी करने वाले दुबई के इस मैदान की पिचें अब ताजा नहीं है जिससे स्पिनरों को मदद मिल रही है। भारत ने दो मैचों में जडेजा, अक्षर और कुलदीप को उतारा है और तीनों प्रभावी रहे हैं। उन्होंने बीच के ओवरों में बल्लेबाजों को खुलकर रन नहीं बनाने दिये और इकॉनॉमी रेट पांच से नीचे ही रहा है।

रोहित-शमी को आराम

भारत जीत की लय को कायम रखना चाहेगा लेकिन सेमीफाइनल से पहले कप्तान रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी को आराम दिया जा सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ रोहित को गर्मी से असहज महसूस हो रहा था और वह 20 मिनट तक मैदान से बाहर रहे। बल्लेबाजी में हालांकि उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई।

पंत को मिलेगा मौका

वैसे इस मैच में कुछ दाव पर नहीं लगा है लिहाजा रोहित को ब्रेक दिया जा सकता है। ऐसे में ऋषभ पंत को टूर्नामेंट में पहला मैच खेलने का मौका मिल सकता है । शमी को भी पिंडली में परेशानी हो रही थी और उन्हें भी रिकवरी ब्रेक मिल सकता है। ऐसे में अर्शदीप उनकी जगह आ सकते हैं और चक्रवर्ती को कुलदीप की जगह उतारा जा सकता है।

सेंटनेर और ब्रेसवेल की चुनौती

भारत के स्टार बल्लेबाजों ने बांग्लादेश के स्पिनरों मेहदी हसन मिराज और रिशाद हुसैन के खिलाफ जोखिम लेने से बचने की रणनीति अपनाई। यही तरीका उन्होंने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद के खिलाफ भी अपनाया और ये तीनों गेंदबाज काफी किफायती साबित हुए। अब उनके सामने मिचेल सेंटनेर और माइकल ब्रेसवेल की चुनौती होगी जो इस टूर्नामेंट में स्पिन के सामने सबसे कठिन परीक्षा भी रहेगी। दोनों कीवी स्पिनर अच्छे फॉर्म में हैं और दुबई की पिच पर और प्रभावी साबित हो सकते हैं।

20 ओवर खेलना है स्पिन गेंद

भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों को इक्के दुक्के रन लेकर बड़े शॉट तेज गेंदबाजों के खिलाफ खेलते आए हैं। लेकिन अब उन्हें 20 ओवर सेंटनेर और ब्रेसवेल का सामना करना है जबकि ग्लेन फिलिप्स भी अनियमित स्पिन गेंदबाज हैं। पिछले साल के आखिर में घरेलू टेस्ट श्रृंखला में सेंटनेर और फिलिप्स के खिलाफ भारत का अनुभव अच्छा नहीं रहा है। भारत को उसमें 0-3 से पराजय झेलनी पड़ी थी और अब यहां इन दोनों के साथ ब्रेसवेल भी हैं जिन्होंने अब तक दो मैचों में 3.2 की औसत से ही रन दिए हैं। ऐसे में फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल, पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक जमाने वाले विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

खबर संक्षेप

अय्यर ने नेट गेंदबाज जसकिरण को दिए जूते

दुबई। आईसीसी क्रिकेट अकादमी पर नेट गेंदबाज जसकिरण सिंह के लिए यह खास पल था जब भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने उन्हें चैम्पियंस ट्रॉफी अभ्यास सत्र के दौरान एक जोड़ी जूते भेंट किए। पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट और क्रिकेट के शौकीन जसकिरण लांगआफ पर फील्डिंग कर रहे थे जब अय्यर ने उनके पास जाकर कहा, 'पाजी क्या हाल चाल, सब बढ़िया।' जसकिरण ने कहा, 'श्रेयस भाई मेरे पास आए और पूछा कि तुम्हारे जूते का साइज क्या है। मैने कहा कि दस तो उन्होंने कहा कि मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ है और उन्होंने मुझे ये जूते दिए। मेरे लिये यह बहुत मायने रखता है।'

डु प्लांटिस ने बेहतर किया विश्व रिकॉर्ड

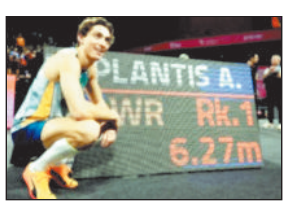

क्लेरमोंट-फेरां। मोंडो डुप्लांटिस ने यहां विश्व एथलेटिक्स इंडोर टूर मीट के दौरान पोल वॉल्ट में अपना विश्व रिकॉर्ड बेहतर करके 6.27 मीटर की कूद लगाई। ओलंपिक और विश्व चैंपियन डुप्लांटिस ने पोलैंड में अगस्त में बनाए गए अपने विश्व रिकॉर्ड को एक सेंटीमीटर बेहतर किया। यह पोल वॉल्ट में उनका 11वां विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने पहले ही प्रयास में यहां रिकॉर्ड बनाया।

पंत के लिए टीम से बाहर रहना काफी कठिन

दुबई। भारत के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा कि स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के लिये

चैम्पियंस ट्रॉफी मैच बाहर से देखना कठिन है लेकिन इस स्तर पर खेल की यही प्रकृति है। पिछले दो ग्रुप मैचों में पंत अंतिम एकादश से बाहर रहे हैं जबकि केएल राहुल ने विकेटकीपिंग की है। उन्होंने मध्यक्रम में अच्छी बल्लेबाजी के साथ विकेट के पीछे भी अपने काम को बखूबी अंजाम दिया। डोइशे ने कहा, 'ऋषभ के लिए बाहर रहना काफी कठिन रहा है। लेकिन इस स्तर पर खेल का यही स्वभाव है।'

रद्द हुए दो मैच का पैसा होगा वापस

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को रावलपिंडी में बारिश के कारण रद्द हुए दो चैंपियंस ट्रॉफी मैचों के लिए टिकट की पूरी राशि वापस करने की घोषणा की।

बारिश के कारण 25 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच और 27 फरवरी को बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया था। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पीसीबी टिकट वापसी नीति के अनुसार अगर टॉस से पहले मैच रद्द कर दिया जाता है तो टिकट धारक पूरा पैसा वापस पाने के पात्र हैं।

इंग्लैंड दूसरी बार एक भी जीत दर्ज किए बिना टूर्नामेंट से बाहर

द.अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी टीम, इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| कराची

दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को यहां ग्रुप बी के अपने अंतिम मैच में मुश्किलों से जूझ रही इंग्लैंड की टीम को सात विकेट से हराने से पहले ही ऑस्ट्रेलिया के साथ चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। दक्षिण अफ्रीका ने हेनरिच क्लासेन (64 रन) और रासी वान डर डुसेन (नाबाद 72 रन) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 122 गेंद में 127 रन की साझेदारी की मदद से 29.1 ओवर में तीन विकेट पर 181 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

इंग्लैंड के इतिहास में यह दूसरी बार है जब चैंपियंस ट्रॉफी के किसी चरण में उसने एक भी जीत दर्ज नहीं की। इससे पहले 1998 में ऐसा हुआ था। सेमीफाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके इंग्लैंड को रन-रेट के आधार पर अफगानिस्तान को क्वालीफाई करने का मौका देने के लिए कम से कम 207 रन से जीत की जरूरत थी। लेकिन वह 38.2 ओवर में टूर्नामेंट के सबसे कम 179 रन के स्कोर पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका ने मैच के परिणाम निकले बिना ही नॉकआउट में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में पांच अंक लेकर आस्ट्रेलिया (चार अंक) से आगे शीर्ष पर रहा।

ग्रुप ए के भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को होने वाले अंतिम मैच से सेमीफाइनल लाइन-अप तय होगा।

सेमीफाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया-अफ्रीका को यात्रा की चुनौती

दुबई। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीमें चैंपियंस ट्रॉफी के अंतिम चार मैच से पहले दुबई के लिए उड़ान भरेंगी लेकिन अभी यह तय नहीं है कि उनका सेमीफाइनल दुबई में होगा या पाकिस्तान में। चैंपियंस ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल चार मार्च को खेला जाएगा जबकि लाहौर बुधवार को दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा। चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में भारत की मौजूदगी तय है लेकिन रोहित शर्मा की टीम के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में से किसका सामना होगा इसका पता रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच ग्रुप ए के आखिरी मैच के नतीजे पर निर्भर करेगा। ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी। भारत अपना नॉकआउट मैच मंगलवार को दुबई में खेलेगा चाहे वह ग्रुप ए में पहले स्थान पर रहे या दूसरे स्थान पर। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक दूसरे सेमीफाइनल के लिए कौन सी टीम लाहौर लौटेगी, इसका पता चलने से पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों को दुबई जाना होगा और रविवार के मैच के नतीजे का इंतजार करना होगा।

सेमीफाइनलिस्ट तय

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में चारों सेमीफाइनलिस्ट का फैसला हो गया है। न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब साउथ अफ्रीकी टीम ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है। साउथ अफ्रीका की एंट्री के साथ ही अफगानिस्तान की उम्मीदें समाप्त हो गई हैं। हालांकि सेमीफाइनल मुकाबले में कौन सी टीम किससे मुकाबला करेगी, ये रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मुकाबले के बाद ही पता चल पाएगा। ग्रुप-ए से भारत और न्यूजीलैंड की टीम सेमीफाइनल में पहुंचीं। वहीं ग्रुप-बी से साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने ये उपलब्धि हासिल की।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का डुसेन बो यानसेन	08	06	2	0
बेन डकेट का एवं बो यानसेन	24	21	4	0
स्मिथ का मारक्रम बो यानसेन	00	03	0	0
जो रूट बो मुल्डर	37	44	4	1
ब्रुक का यानसेन बो महाराज	19	29	3	0
बटलर का महाराज बो एनगिडी	21	43	0	0
लियाम स्ट क्लासेन बो महाराज	09	15	1	0
ओवरटन का एनगिडी बो रबाडा	11	20	1	0
आर्चर का यानसेन बो मुल्डर	25	31	4	0
राशिद का क्लासेन बो मुल्डर	02	09	0	0
साकिब महमूद नाबाद	05	10	0	0

अतिरिक्त : 18, कुल : 38.2 ओवर में 179/10
गेंदबाजी : यानसेन 7-0-39-3, एनगिडी 7-0-33-1, रबाडा 7-1-42-1, मुल्डर 7.2-0-25-3, महाराज 10-1-35-2.

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
रेयान रिकलटन बो आर्चर	27	25	5	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो आर्चर	00	05	0	0
रासी वान डर डुसेन नाबाद	72	87	6	3
क्लासेन का महमूद बो राशिद	64	56	11	0
डेविड मिलर नाबाद	07	02	0	1

अतिरिक्त : 11, कुल : 29.1 ओवर में 181/3
गेंदबाजी : आर्चर 9-0-55-2, महमूद 5-0-31-0, ओवरटन 5-0-34-0, राशिद 7-0-37-1, लिविंगस्टन 3.1-0-24-0.

रणजी ट्रॉफी फाइनल

नायर का सत्र में 9वां शतक, विदर्भ ने केरल पर बनाई 286 रन की बढ़त

एजेंसी ▶▶| नागपुर

करुण नायर ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी फाइनल के चौथे दिन दूसरी पारी में शनिवार को यहां नाबाद 132 रन बनाकर विदर्भ को 286 रन की कुल बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

नायर ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में अपना चौथा शतक जड़ा। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में भी पांच शतक लगाए जिससे इस सत्र में उनके नाम कुल नौ शतक हो गए। नायर की इस पारी से विदर्भ रणजी ट्रॉफी के अपने तीसरे खिताब के काफी करीब पहुंच गया है। रणजी ट्रॉफी के 90वें सत्र के फाइनल में नायर ने जीवनदान का फायदा उठाते हुए 280 गेंद की धैर्यपूर्ण पारी में 132 रन बनाए जिससे विदर्भ ने दिन का समापन चार विकेट पर 249 रन पर किया। विदर्भ ने पहली पारी में 37 रन की बढ़त हासिल की थी। पहली पारी में शानदार शतक जड़ने वाले दिनेश मालेवार ने एक बार फिर कमाल की बल्लेबाजी करते हुए 73 रन बनाए और चौथे विकेट के लिए नायर के साथ 182 रन की बड़ी साझेदारी की।

गुकेश बने वर्ल्ड नंबर-3 शीर्ष 10 में प्रज्ञानानंदा

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश फिडे की शनिवार को जारी नवीनतम क्लासिकल रेटिंग में अपने कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग पर पहुंच गए, जबकि हमवतन आर प्रज्ञानानंदा फिर से शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रहे।

गुकेश दिसंबर में सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व खिताब जीतने के बाद से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। 18 साल के इस खिलाड़ी ने इस दौरान 10 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। अब उनके नाम कुल 2787 रेटिंग अंक हो गए हैं। गुकेश हाल ही में विज्क आन जी में टाटा स्टील मास्टर्स को टाईब्रेक में प्रज्ञानानंदा से हार गए थे। वह रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज हिकारू नाकामुरा (2802) से 15 अंक पीछे हैं।

प्रज्ञानानंद के 2758 रेटिंग अंक

एरिगैसी इससे पहले लंबे समय तक शीर्ष रैंक वाले भारतीय थे। वह 2777 की रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। प्रज्ञानानंद टाटा स्टील मास्टर्स में जीत से पिछले साल जुलाई के बाद पहली बार शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रहे। मौजूदा समय में प्राग मास्टर्स में खेल रहा यह भारतीय खिलाड़ी 17 रेटिंग अंक हासिल कर कुल 2758 रेटिंग अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंचने में सफल रहा।

0 छठे नंबर पर हम्पी

कोनेरू हम्पी 2528 रेटिंग के साथ महिलाओं की सूची में छठे नंबर पर शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय हैं।

न्यायालय तहसीलदार पुसौर, जिला–रायगढ़, छ.ग.
ईश्तहार/(पेपर प्रकाशन)
रा.प्र.क्रं.अपं/बी–121/2024–25
ग्राम – लारा
तहसील–पुसौर, जिला रायगढ़

सर्व साधारण आम जनता ग्राम–लारा प0ह0न0 को सूचित किया जाता है। कलेक्टर महोदय रायगढ़ द्वारा आवेदक विभाग अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), एनटीपीसी, लारा, जिला रायगढ़ (छ.ग.) द्वारा सुपर थर्मल पावर परियोजना के लिये एश डाईक–2 से ग्राम लारा तक (पहुँच मार्ग) हेतु प्रस्ताव अनुसार आपसी–सहमति भूमि क्रय नीति 2016 अंतर्गत प्रभावित ग्राम–लारा के कुल निजी भूमि रकबा 4.024 हे. को भू–धारक से क्रय करने बाबत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

जिसकी सुनवाई दिनांक 13.03.2025 को नियत किया गया है। जिस संबंध में जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई उजर आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में पेशी दिनांक तक पेश कर सकते हैं। निर्धारित अवधि पश्चात् प्राप्त उजर आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 27.02.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के सील मुहर अंकित कर जारी किया गया।
तहसीलदार
पुसौर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. : सीनियर डी.ई.ई. (आर.एस.ॲन्ड जी.) बी.एस.पी./ओ.टी.पी.-24-25-34 दिनांक 20.02.2025

कार्य का नाम: कैपेक्स मोड पर (पीपीपी मोड के बदले में) बिलासपुर डिवीजन के लिए 2 मेगावॅट क्षमता की रूफटॉप सोलर पीवी परियोजना का कार्यान्वयन । निविदा मूल्य: रु.8,66,32,060/- अमानत राशि: रू.5,83,200/- निविदा बंद होने की तिथि दिनांक व समय : 17/03/2025, 15:00 बजे

विस्तृत जानकारी /निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर / देख सकते है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर
(आर. एस. एवं सामान्य)
सीपीआर/10/AM/522 द.पू.म.रे., बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

पश्चिम मध्य रेल
वाणिज्य विभाग, जबलपुर मण्डल
क्र. जबल/सी/170/ई–ऑक्शन/विविध/25, दिनांक: 28.02.2025

वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक जबलपुर द्वारा IREPS पर पंजीकृत संस्थाओं से ई–ऑक्शन के माध्यम से विज्ञापन एवं एसएलआरलीजिंग ठेके हेतु बोलियों आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर प्रकाशित किया जा चुका है जबलपुर मंडल के आगामी ई–ऑक्शन का विवरण निम्नवत है। **श्रेणी :** पार्सल लीजिंग, **कैटेलाग:** JBP-C-Par-50, **एसेट विवरण:** जबलपुर मंडल की गाड़ी संख्या 12160 (जबलपुर–अमरावती), 11651 (जबलपुर–सिंगरौली), 18248 (रीवा–बिलासपुर), 12187 (जबलपुर–सी.एस.एम.टी.), 22190 (रीवा–जबलपुर), 12186 (रीवा – आर.के.एम.पी.), 22188 (अधारताल–आर.के.एम.पी.), 22162 (दमोह–भोपाल), 12062 (जबलपुर–आर.के.एम.पी.), 20906 (रीवा–एकता नगर), 22189 (जबलपुर–रीवा), 11706 (रीवा–जबलपुर), 20827 (जबलपुर–संतरागाछी), 11751 (रीवा–चिरमरी), 15206 (जबलपुर–लखनऊ), 12187–12188 (जबलपुर–सी.एस.एम.टी.–जबलपुर) के एसएलआर लीजिंग हेतु I, **ऑक्शन प्रारंभ:** 11–03–2025, 12:00 hrs, **ऑक्शन समापन:** 11–03–2025, 15:10 hrs. 1. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि ई–ऑक्शन से सम्बधित जानकारी के लिए रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in. देखे। 2. उक्त ई–ऑक्शन आई.ई.पी.एस. (IREPS) के ई–ऑक्शन मोड्यूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। 3. ई–ऑक्शन सम्बधित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि, नियम एवं शर्ते आदि आई.आर.ई.पी.एस.(IREPS) की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है। 4. बोलीदाता IREPS में उल्लेखित दिनांक एवं समय के अनुसार ही ई–ऑक्शन में भाग ले सकते है। 5. सभी संभावित बोली दाताओं से अनुरोध है कि ई–ऑक्शन से सम्बधित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in. का अवलोकन करते रहें।

(हस्ता.)
कृते मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
भंडार विभाग
ई–निविदा सूचना
ई–टेंडर नोटिस न.: एन.आई.टी./14/25/8, तिथि: 25 फरवरी, 2025

क्र. सं.	निविदा सं.	विवरण	निविदा बंद/खुलने की तिथि एवं समय	मात्रा
1	02244473A	सेट ऑफ ओवरहॉलिंग किट्स फॉर कंट्रोलर एसेंबली ई.बी.व्ही.–ए एण्ड ई.बी.व्ही. बी. ऑफ सी.सी.बी. ब्रेक सिस्टम	14.03.2025 At 10:30 hrs	20 सेट
2	03252008	मॉडिफाईड डोर मेडिएटर अरेंजमेंट	17.03.2025 At 10:30 hrs	4395 नग
3	02244453A	सेट ऑफ स्पेयर्स फॉर मेसर्स. भेल मेक आई.जी.बी.टी. बेस्ड ट्रैक्शन कन्वर्टर	21.03.2025 At 10:30 hrs	37 सेट
4	02254076	सेट ऑफ लेबीरिंथ एण्ड बेयरिंग कैप एण्ड क्लैम्प प्लेट	21.03.2025 At 10:30 hrs	240 सेट
5	03251985	किट फॉर लॉकिंग अरेंजमेंट फॉर सेंटर पिवोट पिन कंसिस्टींग ऑफ 3 आइटम्स	21.03.2025 At 10:30 hrs	57500 सेट
6	03253244	रियर कवर फॉर एक्सल बॉक्स ऑफ आई.सी.एफ. कोचेस	21.03.2025 At 10:30 hrs	3934 नग
7	02251744	किट फॉर ई.पी. रिले वॉल्व फॉर ई.–70 ब्रेक सिस्टम	24.03.2025 At 10:30 hrs	164 सेट
8	03251442	कि बॉल्ट विथ नट, स्प्रिंग वाशर एण्ड स्पलीट पिन फॉर कसनब बॉगी	24.03.2025 At 10:30 hrs	212333 नग
9	03253371	कॉस्ट स्टील साईड फ्रेम (विथ 'के' क्लास नैरो पेडेस्टल जॉ) फॉर एल.डब्ल्यू.एल.एच.25 बॉगी	25.03.2025 At 10:30 hrs	55 नग
10	01251022	सप्लाई इंस्टॉलेशन एण्ड कमिसनिंग ऑफ फॉग पाइलॉट असिस्टेंस सिस्टम फॉर सेफ्टी	27.03.2025 At 10:30 hrs	1100 नग
11	01254197	ऑवरहॉलिंग किट सेट	27.03.2025 At 10:30 hrs	9 सेट
12	03253234	व्हील सेट अर्थिंग ईक्विपमेंट	31.03.2025 At 10:30 hrs	192 सेट

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सहायक सामग्री प्रबंधक– II
कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक
द.पू.मध्य रेलव, बिलासपुर
CPR/10/FL/529
South East Central Railway @secrail

BAJAJ FINSERV

सोने के गहनों की नीलामी के लिए समाचार पत्र में सार्वजनिक सूचना
बजाज फाईनान्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: मुंबई–पुणे रोड, अकुर्दी, पुणे–411035

BFL सभी ऋणियों और सर्वसाधारण को सूचित करता है कि गोल्ड लोन लेते समय ऋणी ने बतौर सेक्युरिटी अपने लोन खाते में सोने के गहने गिरवी रखे और बार–बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जो ऋणी लोन की राशि चुकाने या आवश्यक मार्जिन देने में विफल रहे उनके गहने 'जहां है जैसा है और जो है जैसा है' आधार पर नीलाम किए जाएंगे। निविदा करने वालों से अनुरोध है कि नीचे दी गई शर्तों का पालन करें:

(क) क्यूआर कोड स्कैन कर सार्वजनिक सूचना (लोन, गहनों का सकल वजन, स्थान और नीलामी की तिथि) की सम्पूर्ण जानकारी देखें।
(ख) सार्वजनिक नीलामी से संबंधित निविदा के सभी नियम और शर्तें ("टी एण्ड सी") वेबलिंक http://172.30.1.235:3000/?WOUB2QG9WU के माध्यम से पढ़ें;
(ग) नियम और शर्तें समझ लें और उसके बाद ही नीलामी की तिथि या उससे पहले बतौर अग्रिम जमा राशि रु.25,000 फंड ट्रांसफर (एनईएफटी/आरटीजीएस/बजाज गोल्ड ऑक्शन ऐप) कर दें;
(घ) नीलामी के स्थान पर सुबह 10 बजे तक व्यक्तिगत उपस्थिति दर्ज करें; तथा
(ङ) नीलामी के स्थान पर अपना पहचान और पते का वैध प्रमाण लेकर आएं।
(च) नीलामी की दिन में दोपहर 12 बजे के बाद नीलामी में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
(छ) शाखा प्रबंधक/नीलामीकर्ता को बोली लगाने वालों की भागीदारी स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है, यदि वे निर्धारित समय सीमा में भाग नहीं लेते हैं, चाहे वे अग्रिम राशि जमा राशि (ईएमडी) का भुगतान कर चुके हो।

स्कैन करें

नीलामी के स्थान और तिथि में परिवर्तन, यदि कोई हो, तो उसकी सूचना नीलामी केंद्र पर प्रदर्शित की जाएगी। आपका निविदा करना उपरोक्त शर्तों पर सहमत होना माना जाएगा। यदि सार्वजनिक नीलामी से बिक्री निलंबित/निरस्त होती है तो बीएफएल ऋणी(ऋणियों) के कहने पर निजी तौर पर गहनों की बिक्री करने का अधिकार भी सुरक्षित रखती है। अतिरिक्त जानकारी के लिए हमसे इस ईमेल आईडी पर संपर्क करे – gold.auction@bajajfinserv.in

(12-03-25) बिलासपुर–अग्रसेन चौक; PGJ8GOL10276598, 0398997, 0431735. बिलासपुर–मुंगेली नाका; PCZ5GOL10382445, 0555501. बिलासपुर–सरकंडा; P42HGOL10265739, 0270574, 0317503, 0400552, 0417070, 0459240, 0481497, 0492419, 0544178. (13-03-25) कटघोरा; P25EGOL10285078, 0344073, 0339793, 0508281, 0529624, 0541246, 0561074, 0554074. कोरबा – सीएसईबी चौक; PEQ2GOL10265501, 0481132. (17-03-25) मनेन्द्रगढ़; PV99GOL10283349, 0333832, 0384351, 0385721, 0412913, 0444143, 0480425, 0472683, 0519554, 0559563. (18-03-25) रायपुर – जीई रोड; PCZ6GOL9884544, 0178655. रायपुर – पियांक टावर; PEN5GOL10239676, 0271820, 0333809, 0458832, 0481566, 0505451. रायपुर – तेलीबंधा रोड; PF45GOL10200415, 0204922, 0228865, 0268979, 0360563, 0508408, 0518145. (19-03-25) राजनंदगाँव – जीई रोड; PEN6GOL10226733, 0290623, 0381042, 0451613, 0541286. (20-03-25): भिलाई – जीई रोड; PBX2GOL10442560. दुर्ग – स्टेशन रोड; P08IGOL10387907, 0417159, 0526028.

बजाज फाईनान्स लिमिटेड

फर्जी खाता खुलवाकर उस खाते से 165 करोड़ से अधिक के लेनदेन का मामला

यस बैंक में गड़बड़ी, हाईकोर्ट ने कहा- सीबीआई से जांच का विकल्प भी न्यायालय के पास सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

भिलाई स्थित यस बैंक में एक फर्जी खाता खुलवाकर उस खाते से करोड़ों रुपए के लेनदेन के मामले में अंततः छत्तीसगढ़ के उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को 2 महीने का समय दिया कि वह अपनी जांच फिर से पूरी करें और न्यायालय को 21 अप्रैल 2025 तक संपूर्ण जानकारी प्रदान करें। कोर्ट ने यह भी कहा है कि जांच सही तरीके से नहीं पाए जाने पर कोर्ट के सामने सीबीआई जांच का विकल्प भी खुला है। याचिका में कहा गया कि अनिमेष सिंह के नाम से खोले गए खाते में हवाला के माध्यम से पैसे का लेनदेन हुआ है। इसमें कुल 165 करोड़ रुपए की गड़बड़ी हुई है।

ज्ञात हो कि इससे पूर्व जनवरी 2024 में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की डबल बेंच ने छत्तीसगढ़ के डीजीपी से व्यक्तिगत शपथ पत्र देकर संपूर्ण जानकारी मांगी थी। साथ ही यस बैंक को इस मामले में पक्षकार बनाने, यस बैंक में खोले गए अनिमेष सिंह के नाम के खाते से होने वाले समस्त लेनदेन की संपूर्ण जानकारी मांगी गई थी। हाल ही में यस बैंक की ओर से लेन-देन की जानकारी पेश होने के बाद महाधिवक्ता ने मामले की पुनः जांच कराने की मांग की थी।

डीजीपी द्वारा पेश शपथ पत्र पर सवाल

गौरतलब है कि इस संपूर्ण मामले में खुर्सीपार भिलाई नगर थाने में दो अलग अलग प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पहले प्रथम सूचना रिपोर्ट अनिमेष सिंह द्वारा लिखी गई थी। अगले ही दिन रायपुर के बड़े और प्रतिष्ठित सिविल ठेकेदार हितेश चौबे ने अपनी तरफ से काउंटर एफआईआर दर्ज करा दी थी। प्रथम सूचना रिपोर्ट के तुरंत बाद अनिमेष सिंह द्वारा दर्ज कराई गई प्रथम सूचना रिपोर्ट को शासन द्वारा खत्म किए जाने हेतु न्यायालय को लिखा गया जबकि हितेश चौबे के द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर पर अब तक जांच चल रही है। अनिमेष सिंह के द्वारा प्रकरण में विधिवत जमानत ले लिए जाने के बावजूद डीजीपी द्वारा प्रस्तुत किए गए शपथ पत्र में इस बात का उल्लेख नहीं किया गया बल्कि अनिमेष सिंह को भगोड़ा घोषित करते हुए शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है।

हाईकोर्ट की फटकार

भिलाई निगम कमिश्नर ने मांगी माफी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भिलाई नगर निगम कमिश्नर को एक मामले में नोटिस का जवाब नहीं देने और ड्रेस कोड का पालन नहीं करने पर जमकर फटकार लगाई। जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की सिंगल बेंच ने पूछा कि नोटिस के बाद भी अदालत में उपस्थित क्यों नहीं हुए। इस पर आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने जानकारी न होने का हवाला देते हुए माफी मांगी। हालांकि, कोर्ट ने बाद में केस को निराकृत कर दिया।

- **नोटिस का नहीं दिया जवाब, ड्रेस कोड का पालन नहीं करने पर जताई नाराजगी**

दरअसल, साल 2018 में स्वच्छता अभियान के तहत कैंपस पाली प्लास्टिक नामक कंपनी को डस्टबिन सप्लाई का ठेका दिया गया था। भिलाई नगर निगम को सूडा के माध्यम से यह टेंडर मिला था। लेकिन, डस्टबिन की गुणवत्ता में खामियां पाए जाने पर निगम ने कंपनी के 10 प्रतिशत भुगतान को रोक दिया। कंपनी ने बकाया राशि की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने नगर निगम को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। जब सुनवाई हुई तब निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय कोर्ट में पेश हुए। इस दौरान हाईकोर्ट ने नोटिस का जवाब नहीं देने पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि उनकी लापरवाही के कारण मामला लंबित रहा। भुगतान से जुड़े विवाद को देखते हुए कोर्ट ने मामले को मध्यस्थता के माध्यम से हल करने की जरूरत बताई। नगर निगम के वकील की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने कंपनी की याचिका खारिज कर दी और निर्देश दिया कि भुगतान संबंधी विवाद का समाधान मध्यस्थता प्रक्रिया के जरिए किया जाए।

सितंबर तक शादी करो नहीं तो नौकरी से निकाल देंगे, कंपनी के अजीब फरमान

चीन से एक ऐसी अजीबोगरीब खबर आई है, जो पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई है। आपको बता दें कि चीन के शेडोंग प्रांत स्थित एक कंपनी ने अपने अविवाहित और तलाकशुदा कर्मचारियों से कहा है कि वे सितंबर 2025 तक शादी कर लें, वरना उन्हें अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है।

नई दिल्ली। दरअसल, कंपनी ने यह फरमान जारी करते हुए कहा है कि जिन कर्मचारियों की उम्र 28 से 58 वर्ष के बीच है, वे इस साल सितंबर तक शादी करके घर बसाएं। अगर ऐसा नहीं होता है, तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा। इस फैसले के पीछे कंपनी का कहना है कि वे पारंपरिक चीनी परिवार मूल्यों को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं और सरकार के अनुरोध का पालन कर रहे हैं।

विवाद और आलोचना- यह कदम पूरी दुनिया में आलोचना का शिकार हो गया। कर्मचारियों और कानूनी विशेषज्ञों ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। कई लोगों ने इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन माना है। बाद में, इस फैसले की आलोचना के बाद कंपनी ने इसे वापस ले लिया और आश्वासन दिया कि अब किसी कर्मचारी को उनकी वैवाहिक स्थिति के आधार पर बर्खास्त नहीं किया जाएगा। यह मामला इस बात को लेकर गंभीर सवाल उठाता है कि क्या किसी के व्यक्तिगत जीवन के फैसले को नौकरी से जोड़ना उचित है।

कुत्ते ने 3 दिन में कमा लिए 23 लाख रुपए

नई दिल्ली। आजकल हर कोई ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाने की कोशिश करता है। इसके लिए लोग दिन-रात मेहनत करते हैं लेकिन चीन से एक बहुत ही अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जिसमें एक कुत्ता महज तीन दिन में 27 लाख रुपये कमा चुका है। इस कुत्ते की कमाई ने सभी को हैरान कर दिया और अब यह कुत्ता सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। हकीमी का मुख्य काम होम स्टे के गेस्ट के सामान को ढोना है। यहां रुकने वाले मेहमान हकीमी की अनूठी सेवा को बहुत पसंद करते हैं। वह दिन में तीन से छह बार ट्रॉली खींचता है। इसके अलावा, हकीमी सोशल मीडिया पर भी पॉपुलर हो गया है। उसकी वीडियो वायरल हो जाती हैं और उसे लाखों नहीं करोड़ों व्यूज मिलते हैं।

कुत्ता हकीमी और उसकी कहानी

आपको बता दें कि हकीमी का मालिक जू एक होमस्टे का मालिक है, जो दक्षिण-पश्चिमी चीन के युन्नान प्रांत के लिजिआंग शहर में स्थित है। यह कुत्ता हस्की प्रजाति का है और उसका नाम हकीमी है। हकीमी ने सिर्फ तीन दिन में 200,000 युआन (27 लाख रुपये) की कमाई की है। यह कुत्ता दक्षिण-पश्चिमी चीन के युन्नान प्रांत के लिजिआंग शहर में एक होमस्टे के मालिक जू के पास रहता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com